धनबाद
बुधवार 18.12.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-294 पृष्ठ- 12
पौष कृष्ण पक्ष-3
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

एक देश-एक चुनाव का संशोधन बिल लोकसभा में पेश

लोकसभा में पक्ष में 269, विरोध में 198 वोट पड़े, जेपीसी को भेजा गया ✪ विपक्ष के सपोर्ट बिना नहीं बनेगा वन नेशन-वन इलेक्शन कानून ✪ नंबर गेम में फंस सकता है मोदी का ड्रीम बिल

नई दिल्ली (ईएमएस): एक देश एक चुनाव बिल को लोकसभा ने मंगलवार को स्वीकार कर लिया है, इसे विस्तृत चर्चा के लिए जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी के पास भी भेज दिया गया है। लेकिन इस बार इस बिल का कानून बनना उतना आसान नहीं होने वाला है। क्योंकि यह नहीं भूलना चाहिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास अपने तीसरे कार्यकाल में पूर्ण बहुमत नहीं है। ऐसे में विपक्ष के समर्थन के बिना एक देश एक चुनाव कानून नहीं बन सकता है।

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को एक देश-एक चुनाव का संशोधन बिल लोकसभा में पेश किया। भाजपा ने कहा कि इस विधेयक से देश का विकास तेजी से होगा, क्योंकि बार-बार चुनाव होने से व्यवस्था बिगड़ती है। कांग्रेस ने कहा कि ये संविधान के मूल ढांचे के खिलाफ है।

बिल पारित करवाने के लिए 362 वोट चाहिए

लोकसभा में अभी ५४३ सांसद है, ऐसे में एनडीए को बिल पारित करवाने के लिए ३६२ वोट चाहिए। अभी लोकसभा में एनडीए के पास आंकड़ा बैठता है ११२ का, ६ मनोनीत सांसद भी उसके साथ है। ऐसे में यहां भी दूसरी पार्टियों का समर्थन चाहिए होगा। विपक्ष की स्थिति की बात करें तो लोकसभा में उसके पास २०५ वोट हैं तो वहीं राज्यसभा में ८५ सांसद मौजूद है। ऐसे में अगर एक देश एक चुनाव को कानून बनना है तो विपक्षी वोट को भी अपने पाले में करने की जरूरत पड़ेगी जो आसान नहीं रहने वाला।

शिवसेना-टीडीपी ने किया बिल का समर्थन

शिवसेना (शिंदे) और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने बिल का समर्थन किया। शिवसेना (शिंदे) के श्रीकांत शिंदे ने वन नेशन, वन इलेक्शन बिल का समर्थन करते हुए कहा कि कांग्रेस को रिफॉर्म शब्द से ही नफरत है। इस पर विपक्ष की ओर से जबरदस्त हंगामा शुरू हो गया। वहीं, टीडीपी की ओर से केंद्रीय मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने बिना किसी शर्त के बिल का समर्थन करने की बात कही। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों का चुनाव पर खर्च एक लाख करोड़ के पार पहुंच गया है। एक साथ चुनाव कराने से इसमें कमी आएगी।

देश में एक चुनाव संभव नहीं:डी राजा

विजयवाड़ा में सीपीआई नेता डी राजा ने ने कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी एक राष्ट्र, एक चुनाव बिल का विरोध करती है। हमारी पार्टी ने अपने विचार कोविंद और उनकी अध्यक्षता वाली समिति को सौंप है। भारत जैसे देश में, जहां कई विविधताएं हैं, ▶▶ 8

हाईकोर्ट ने जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा का रिजल्ट जारी करने पर लगाई रोक

रांची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट में आज मंगलवार को झारखंड कर्मचारी चयन आयोग संयुक्त स्नातक स्तरीय (जेएसएससी सीजीएल) परीक्षा पेपर लीक मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच कराने की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान झारखंड हाईकोर्ट ने सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा २०२३ का परीक्षाफल प्रकाशन करने पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है. अदालत ने कहा है कि जब तक कोर्ट आदेश नहीं देता, तब तक रिजल्ट जारी ना किया जाये. मंगलवार को अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि जेएसएससी सीजीएल परीक्षा पेपर लीक होने के संबंध में दर्ज शिकायत पर परीक्षा संचालन अधिनियम २०२३ के तहत पुलिस एफआईआर दर्ज करें और अनुसंधान कर रिपोर्ट दें. इस संबंध में राजेश कुमार की ओर से जनहित याचिका दायर की गयी है. इस मामले की अगली सुनवाई अब २२ जनवरी २०२५ को होगी. जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजोय पिपरवाल और प्रिंस कुमार ने बहस की. प्रार्थियों की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार ने बहस की.

कोर्ट के आदेश के बाद सफल उम्मीदवारों का डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन रुका

बता दें कि जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा २०२३ में कुल २,२३१ उम्मीदवार सफल हुए हैं. इन उम्मीदवारों का १६ से २० दिसंबर तक डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन किया जाना था. १६ दिसंबर को कुछ उम्मीदवारों का डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन किया गया था. आज भी डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन होना था. लेकिन हाईकोर्ट के आदेश के बाद इसे रोक दिया गया है.

महाकुंभ 2025 को लेकर रेलवे ने लिया फैसला, जनरल कोच के यात्री फ्री करेंगे यात्रा

नई दिल्ली (ईएमएस): महाकुंभ २०२५ में यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे ने एक प्रस्ताव रखा है। कुंभ में शामिल होने वाले जनरल कोच के यात्रियों के लिए यात्रा को मुफ्त करने पर विचार किया जा रहा है। १३ जनवरी से २६ फरवरी २०२५ के बीच प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ में देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। रेलवे के मुताबिक इस दौरान रोजाना पांच लाख से ज्यादा यात्री जनरल कोच में सफर करेंगे।

रेलवे की योजना है कि कुंभ से लौटने वाले यात्रियों को प्रयागराज से २००-२५० किलोमीटर तक की यात्रा के लिए टिकट खरीदने की जरूरत नहीं होगी। यह सुविधा विशेष रूप से सामान्य श्रेणी के यात्रियों को दी जाएगी। जो यात्री २५० किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय करना चाहते हैं, उन्हें ट्रेन में ही टीटीई से टिकट लेना होगा। कुंभ से लौटने वाले यात्रियों को इस स्थिति में जुर्माना नहीं लगेगा। महाकुंभ में भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ३ हजार विशेष ट्रेनें चलाएगा। ये ट्रेनें कुंभ के ४५ दिनों के दौरान १३ हजार से ज्यादा फेरे लगाएंगी। रेलवे के इस फैसले का मुख्य उद्देश्य कुंभ के दौरान भीड़ प्रबंधन ▶▶ 8

झारखंड का 1.36 लाख करोड़ बकाया : सीएम की भाजपा सांसदों से अपील, करें आवाज बुलंद

रांची (एजेंसी): केंद्र सरकार द्वारा झारखंड सरकार का १.३६ लाख करोड़ रुपये बकाये से इनकार करने पर राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा सांसदों से अपील की है. मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा है कि झारखंड भाजपा के सांसदों से उम्मीद है कि वे हमारे इस जायज मांग को दिलवाने के लिए अपनी आवाज अवश्य बुलंद करेंगे. झारखंड के विकास के लिए इस बकाये राशि की नितांत जरूरत है.

लोस में एक सवाल के जवाब में कहा- झारखंड का केंद्र सरकार पर कोई बकाया नहीं

बता दें कि केंद्र सरकार ने सोमवार को लोकसभा में एक सवाल के जवाब में कहा कि झारखंड का केंद्र सरकार पर कोई बकाया नहीं है. रॉयल्टी का १.३६ लाख करोड़ रुपये बकाया नहीं है. केंद्र सरकार के इस जवाब के बाद केंद्र और राज्य के बीच इस मुद्दे को लेकर विवाद बढ़ने की संभावना है. उल्लेखनीय है कि झारखंड के लिए यह एक बड़ा मुद्दा है, जिसमें सालों से कहा जाता रहा है कि केंद्र सरकार पर रॉयल्टी का १.३६ लाख करोड़ रुपया का बकाया है, उसे वापस करना चाहिए.

जानकारी के मुताबिक, निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने लोकसभा में यह सवाल उठाया था कि कोयला समेत माइंस से प्राप्त १.३६ लाख करोड़ रुपये केंद्र सरकार पर बकाया है. केंद्र सरकार उसे झारखंड सरकार को नहीं दे रही है. इस सवाल के जवाब में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार के पास ऐसी कोई राशि बकाया नहीं है. केंद्र सरकार झारखंड के साथ किसी तरह का भेदभाव नहीं करती है.

24 सितंबर को सीएम ने पीएम को लिखा था पत्र

उल्लेखनीय है कि इसी साल २४ सितंबर को राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर यह मुद्दा उठाया था. साथ ही उन्होंने यह भी आग्रह किया था कि केंद्र सरकार झारखंड का १.३६ लाख रुपये बकाये का भुगतान कर दे. इसे लेकर तत्कालीन मुख्य सचिव ने भी केंद्र सरकार को पत्र लिखा था. पत्र में कहा गया था कि बकाये की यह राशि कोयला कंपनियों पर बकाया है. नियमानुसार कोयला कंपनियों को इसका भुगतान करना चाहिये, लेकिन वह नहीं कर रही है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा ▶▶ 8

पाक अधिकृत कश्मीर नेहरु की सबसे बड़ी गलती : नड्डा

नई दिल्ली (ईएमएस): संविधान की यात्रा पर चर्चा के दौरान राज्यसभा में नेता सदन जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि यदि हम वेद और पुराने शास्त्रों को देखने पर उनमें सभा, समिति, संसद जैसे शब्दों का प्रयोग हुआ है। यह इस बात को बताता है कि चर्चा, बहस जैसी चीजें हमारी संस्कृति में रही हैं। राज्यसभा में नेता सदन नड्डा ने कहा कि संविधान की मूल प्रति में हमें अजंता एलोरा, कमल के फूल की छाप मिलती है। कमल का फूल इस बात को प्रतिलक्षित करता है कि हम कीचड़ में से निकल करके आजादी की लड़ाई लड़कर नई सुबह के साथ खड़े होने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि यदि पिछले ७५ साल की यात्रा पर बात करें तब पता लगता है कि बाबा साहब अंबेडकर कितने दूरदर्शी थे। देश को जोड़ने का काम तब के गृहमंत्री सरदार पटेल को दिया गया। उन्होंने ५६२ रियासतों को जोड़ा। एक जम्मू कश्मीर की रियासत का जिम्मा प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने लिया था। तब जम्मू कश्मीर में आर्टिकल ३७० लगाया गया। इसका नतीजा यह हुआ कि संसद द्वारा पारित किए गए १०६ कानून जम्मू कश्मीर में ▶▶ 8

मोहन भागवत ने कहा, व्यक्ति अहंकार से दूर रहे तो अच्छा, नहीं छोड़ा तो गड्ढे में गिर जायेगा

पुणे (एजेंसी): राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि व्यक्ति को अहंकार से दूर रहना चाहिए. अहंकार नहीं छोड़ा तो वह गड्ढे में गिर सकता है. मोहन भागवत पुणे में सोमवार को आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि देश के विकास के लिए समाज के सभी वर्गों को मजबूत होना बहुत जरूरी है.

राष्ट्र की प्रगति केवल सेवा तक सीमित नहीं रहे

श्री भागवत ने कहा, हर व्यक्ति में एक सर्वशक्तिमान ईश्वर होता है, जो समाज की सेवा करने की प्रेरणा देता है, लेकिन वहां अहंकार भी होता है. कहा कि राष्ट्र की प्रगति केवल सेवा तक सीमित नहीं रहे. सेवा का उद्देश्य नागरिकों को विकास में योगदान देने में सक्षम बनाना होना चाहिए. सरसंघचालक ने कहा, समाज में सब कुछ गलत होने की धारणा बढ़ती जा रही है. सभी को लगता है कि समाज में सब कुछ गलत हो रहा है. लेकिन हर नकारात्मक पहलू के लिए समाज में ४० गुना ज्यादा अच्छी और शानदार सेवा की जा रही है. इस बारे में लोगों को जानकारी देना जरूरी है.

संघ चुनाव के नतीजों के विश्लेषण में नहीं उलझता

याद करें कि मोहन भागवत ने लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद १० जून को नागपुर में कहा था, मुकाबला झूठ पर आधारित न हो. कहा था कि जब चुनाव होता है तो मुकाबला जरूरी होता है. इस दौरान दूसरों को पीछे धकेलना भी होता है, लेकिन इसकी एक सीमा होती है. यह मुकाबला झूठ पर आधारित नहीं होना चाहिए. संघ चुनाव के नतीजों के विश्लेषण में नहीं उलझता. लोग जनादेश देते हैं, तो सब कुछ उसी के अनुसार होगा. क्यों? कैसे? संघ इसमें नहीं पड़ता. श्री भागवत ने मणिपुर की स्थिति ▶▶ 8

मणिपुर में सीएम के घर के पास जिंदा मोर्टार बम मिलने से हड़कंप

इंफाल (ईएमएस): हिंसा की खबरों के बीच मणिपुर से बड़ी खबर आई है। मणिपुर के सीएम बीरेन सिंह के घर के पास एक जिंदा मोर्टार बम मिलने से हड़कंप मच गया है लोगों का कहना है कि एक रॉकेट से चलने वाला बम सोमवार रात दागा गया था लेकिन बम फटा नहीं। आज सुबह ५१ एमएम का ये जिंदा मोर्टार बम मिला, जिससे इलाके में दहशत मच गई। दरअसल, मंगलवार सुबह कोर्रेगेई में एक जिंदा मोर्टार बम मिला। ये जगह लुवांगशांगबाम से एक किलोमीटर दूर है, जो कि मुख्यमंत्री सिंह के निजी आवास के करीब है। घटना की जानकारी मिलते ही एक्शन शुरू हो गया है।

अधिकारियों ने इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर जांच शुरू कर दी है कि ये जिंदा बम कहां से आया और इस सीएम हाऊस के पास रखने के पीछे क्या मकसद था। एक अन्य घटना में इंफाल पूर्व में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के एक विशेष ठेकेदार के आवास के पास एक हैंड ग्रेनेड पाया गया। मामला हेंगांग थाना क्षेत्र का है।

शंभू बॉर्डर खोलने पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

चंडीगढ़ (ईएमएस): किसान आंदोलन की वजह से १० महीने से बंद हरियाणा और पंजाब की शंभू बॉर्डर खोलने पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। इसके अलावा २२ दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सेहत पर भी कोर्ट सुनवाई करेगा। डल्लेवाल एफएसपी कानून की मांग को लेकर अनशन पर हैं। हालांकि पहले १७ दिसंबर को सुनवाई होने की सूचना सामने आई थी। मामले से जुड़े सीनियर एडवोकेट वासु रंजन शांडिल्य ने बताया कि पिछली बार कोर्ट ने मौखिक रूप से १७ तारीख कही थी, लेकिन जब ऑर्डर जारी हुआ था तो उसमें १८ तारीख मेंशन थी। १३ दिसंबर की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ▶▶ 8

पीएम मोदी के पोस्ट से तिलमिलाया बांग्लादेश, भूल गया एहसान

1971 का दर्द भूलकर अत्याचार करने वालों के साथ हो गया खड़ा

नई दिल्ली.(ईएमएस): बांग्लादेश में चारों तरफ हिंसा का माहौल है। वह भारत से भी रिश्ते खराब कर रहा है। विजय दिवस पर पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा सोशल मीडिया पर की पोस्ट से बांग्लादेश तिलमिला उठा है। बांग्लादेशी विधि सलाहकार आसिफ नज़रुल ने पीएम मोदी की पोस्ट पर आपत्ति जताई है और कहा मैं पीएम मोदी की पोस्ट का कड़ा विरोध करता हूं। १६ दिसंबर, १९७१ बांग्लादेश का विजय दिवस था। भारत इस विजय में सहयोगी था, इससे ज़्यादा कुछ नहीं। बता दें भारत ने बांग्लादेश की आजादी में मदद की थी। यह बात सब जानते हैं लेकिन अब नया बांग्लादेश इन बातों को भूल गया है और जिस देश ने उसपर अत्याचार किए थे उसके साथ खड़ा हो गया है। बता दें पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में लिखा था-आज विजय दिवस पर हम उन बहादुर सैनिकों के साहस और बलिदान का सम्मान करते हैं, जिन्होंने १९७१ में भारत की ऐतिहासिक जीत में योगदान दिया था। उनके निस्वार्थ समर्पण और अटूट संकल्प ने हमारे देश की रक्षा की और हमें गौरव दिलाया। पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में आगे लिखा कि यह दिन उनकी असाधारण वीरता और उनकी अडिग भावना को श्रद्धांजलि है। उनका बलिदान हमेशा पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और हमारे देश के इतिहास में गहराई से अंकित रहेगा।

पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की सेहत में सुधार

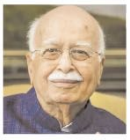

नई दिल्ली (ईएमएस): बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की सेहत में सुधार हो रहा है. लालकृष्ण आडवाणी को लेकर अपोलो अस्पताल ने बयान जारी किया है. अपोलो अस्पताल ने एक बयान में कहा कि लालकृष्ण आडवाणी की सेहत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है. उनकी सेहत में सुधार के बाद एक-दो दिन में उन्हें आईसीयू से बाहर निकाला जा सकता है. फिलहाल लाल कृष्ण आडवाणी अपोलो अस्पताल के आईसीयू में एडमिट हैं. यूरिन में मांसपेशी बढ़ने के कारण आडवाणी का इलाज चल रहा है. १२ दिसंबर से आडवाणी अपोलो हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती हैं. अपोलो अस्पताल के सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में आडवाणी का इलाज चल रहा है. बता दें कि आठ नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के वरिष्ठ और दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी को जन्मदिन की बधाई देने उनके आवास पर पहुंचे थे. पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फोटो भी शेयर की थी, जिसमें पीएम मोदी को लालकृष्ण आडवाणी को गुलदस्ता भेंट करते हुए देखा गया था.

पीएम मोदी ने राजस्थान को 46,300 करोड़ अधिक की 24 परियोजनाओं की सौगात दी

जयपुर (एजेंसी): प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को राजस्थान सरकार के कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर यहां दादिया में आयोजित एक वर्ष-परिणाम उत्कर्ष कार्यक्रम में शामिल हुए. यहां उन्होंने ऊर्जा, सड़क व रेलवे से जुड़ी ४६,३०० करोड़ रुपये से अधिक की २४ परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया. कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि किसानों के नाम पर बड़ी-बड़ी बातें करने वाले न तो खुद किसानों के लिए कुछ करते हैं न ही दूसरों को कुछ करने देते हैं. मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की नीति विवाद की नहीं संवाद की है और वह समाधान में विश्वास रखती है. पीएम मोदी ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के कार्यान्वयन को लेकर कांग्रेस सरकार की तत्कालीन सरकार पर बरसे. कहा कि ईआरसीपी को कांग्रेस ने कितना लटकाया, यह कांग्रेस की नीयत का प्रत्यक्ष प्रमाण है.

हमारी नदियों का पानी बहकर सीमा पार चला जाता था

प्रधानमंत्री ने कहा, जब वे गुजरात के सीएम थे, उस समय उन्होंने राज्य के अलग-अलग हिस्सों में नर्मदा नदी का पानी पहुंचाने के लिए बड़ा अभियान चलाया. आरोप लगाया, कि तब उसे रोकने के लिए भी कांग्रेस और कुछ एनजीओ (गैर सरकारी संगठनों) द्वारा तरह-तरह के हथकंडे अपनाये गये. मोदी ने कहा, हमारी नदियों का पानी बहकर सीमा पार चला जाता था, लेकिन हमारे किसानों को इसका लाभ नहीं मिलता था. कांग्रेस, समाधान के बजाय, राज्यों के बीच जल-विवाद को बढ़ावा देती रही.

भाजपा की सरकार बनते ही पार्वती कालीसिंध चम्बल परियोजना एमपीकेसी लिंक परियोजना पर समझौता हो गया.

पीएम ने कहा कि मध्य प्रदेश व राजस्थान में भाजपा की सरकार बनते ही पार्वती कालीसिंध चम्बल परियोजना एमपीकेसी लिंक परियोजना पर समझौता हो गया. प्रधानमंत्री ने कहा कि पार्वती, कालीसिंध, चंबल परियोजना से राजस्थान के २१ जिलों को सिंचाई के लिये पानी के साथ-साथ पेयजल भी मिलेगा और इससे राजस्थान और मध्य प्रदेश दोनों राज्यों के विकास में तेजी आयेगी. कहा कि पिछले एक वर्ष में राजस्थान के विकास को नयी गति, नयी दिशा देने में मुख्यमंत्री भजनलाल और उनकी टीम ने भारी परिश्रम किया है.आज भाजपा की डबल इंजन की सरकारें सुशासन का प्रतीक बन रही हैं

उन्होंने दावा किया, 'आज देश के लोग कह रहे हैं कि भाजपा सुशासन की गारंटी है. तभी तो एक के बाद एक राज्यों में आज भाजपा को इतना भारी जनसमर्थन मिल रहा है. पीएम मोदी आज खुली छत वाले वाहन में सवार होकर सभा स्थल पर पहुंचे. उनके साथ वाहन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ भी मौजूद थे.

धनबाद में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आज

धनबाद (कासं) : झारखंड डीजीपी के निर्देश पर १८ दिसंबर को झारखंड के सभी २४ जिलों में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके अंतर्गत धनबाद पुलिस द्वारा १८ दिसंबर को धनबाद के ५ स्थान पर जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन होना किया गया है।

इस संबंध में सिटी पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि १८ दिसंबर को आयोजित होने वाले जन शिकायत समाधान शिविर अभियान के तहत धनबाद के पांच स्थान पर कार्यक्रम का आयोजन सुबह १० बजे से किया जाएगा।

जिसमें बाघमारा अनुमंडल अंतर्गत सभी थानों के लिए शिविर कतरास स्थित राजस्थानी धर्मशाला में आयोजित किया जाएगा, सिंदरी अनुमंडल के लिए जोड़ापोखर स्थित टाटा कम्युनिटी हॉल डिगवाडीह, निरसा अनुमंडल के लिए निरसा पॉलिटेक्निक कॉलेज, डीएसपी हेडक्वार्टर १ एवं २ के क्षेत्र की जनता के लिए अल इकरा कॉलेज टुंडी गोविंदपुर रोड तथा डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर के अंतर्गत सभी थानों के लिए शिविर का आयोजन अभय सुंदरी बालिका उच्च विद्यालय हीरापुर में किया जाएगा।

सिटी एसपी ने कहा कि जन शिकायत समाधान शिविर के तहत शिकायतों के निवारण के लिए जिला स्तरीय विशेष सेल का गठन किया गया है। जिसके माध्यम से शिकायतों का निवारण विभिन्न चरणों में किया जाएगा। लोग अपनी शिकायत व्हाट्सएप नंबर ९४७०५८९४६७ तथा ईमेल आईडी पर भी सीधे दर्ज़ करा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में शिकायतकर्ता की शिकायतों का त्वरित निष्पादन करने के लिए पुलिस पदाधिकारी के साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पारा लिगल वॉलेंटियर भी उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम में नागरिकों की समस्या को समझते हुए पुलिस व्यवस्था में आवश्यक नीतिगत सुधार करने का प्रयास किया जाएगा।

पुलिस पदाधिकारी या पुलिसकर्मी के विरुद्ध शिकायत मिलने पर शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी तथा वरीय पदाधिकारी के माध्यम से उसका निवारण किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान लोगों को विक्टिम कंपनसेशन स्कीम, नये कानून के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा जीरो एफआइआर, ऑनलाइन एफआइआर, डायल ११२, डायल १९३० इत्यादि की जानकारी भी दी जाएगी। साथ ही संपत्ति मूलक अपराध, अपराधियों की सूचना, साइबर अपराध, नॉन बैंकिंग फाइनेंस, मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव के द्वारा अत्याधिक लाभ दिलाने का प्रलोभन देकर ठगी से बचने के लिए लोगों को जागरूक भी किया जाएगा।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के दौरान १८ दिसंबर को शिविर में आने वाले नागरिकों द्वारा संबंधित शिकायतों को प्राप्त कर उक्त शिकायतों का पंजीकरण किया जाएगा। शिविर में प्राप्त शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए मामले का निस्तारण उसी वक़्त शिविर मे किया जाएगा। शिविर के दौरान जिन शिकायतों का निबटारा तत्काल संभव नहीं होगा, वैसे मामलों के निस्तारण के लिए एक समय सीमा निर्धारित करते हुए शिकायतकर्ता को सूचित किया जाएगा। अभियान के उद्देश्य से गठित विशेष सेल यह सुनिश्चित करेगी कि जिन शिकायतों का निपटारा शिविर में नही हुआ वैसे मामलों का निस्तारण तय समय सीमा के भीतर किया जा सके।

पुलिस द्वारा बनाये जा रहे सर्वोत्तम पद्धतियों को इस कार्यक्रम के दौरान शिविर में प्रदर्शित किया जाएगा, ताकि आम जनता को इसकी जानकारी दी जा सके।

धनबाद मे रहने वाले नागरिक अपनी किसी भी तरह की शिकायत को अपने घर के नजदीक आयोजित होने जा रहे जन समस्या समाधान शिविर में जाकर दर्ज़ करा सकते है। प्रेस वार्ता में सिटी एसपी अजीत कुमार के साथ डीएसपी मुख्यालय २ धीरेन्द्र नारायण बंका भी मौजूद थे।

पेंशन व ग्रेच्युटी नहीं देने की शिकायत

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार लगाया। इसमें जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी समस्या से उपायुक्त को अवगत कराया। इसमें एक सेवानिवृत व्यक्ति ने उपायुक्त को बताया कि स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया की डुमरा मोड़ ब्रांच को वर्ष २०१७ में पुनरीक्षित पेंशन एवं पुनरीक्षित ग्रेच्युटी की मूल प्रति भुगतान के लिए भेजी गई थी। बहुत दिनों बाद बैंक ने उक्त दोनों प्राधिकार पत्र खोने की सूचना दी।

प्राधिकार पत्र की द्वितीय प्रति निर्गत कराने के लिए बैंक से उपरोक्त दोनों के खोने के संबंध में जानकारी मांगी गई। परंतु बैंक द्वारा न तो कागजात खोने का प्रतिवेदन भेजा जा रहा है और न ही पुनरीक्षित पेंशन एवं ग्रेच्युटी का भुगतान किया जा रहा है।

मामले पर त्वरित संज्ञान लेते हुए उपायुक्त ने स्टेट बैंक आफ इंडिया के चिफ मैनेजर से फोन पर बात कर शीघ्र ही कागजात उपलब्ध कराने और पीड़ित व्यक्ति की समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया।

जनता दरबार में सरकारी भूमि पर अवैध तरीके से निर्माण करने, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, बेड़ा नियामतपुर से सुवरियां तक के कम गुणवत्ता वाली सड़क निर्माण की जांच कराने, जबरन जमीन हड़प लेने, दबंगों द्वारा जबरन जमीन पर कब्जा कर रास्ता बंद कर देने, बारंबार दाखिल खारिज आवेदन रद्द कर देने सहित अन्य शिकायतें प्राप्त हुई। उपायुक्त ने सभी शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया।

लोगों को मिले आयुष्मान योजना का लाभ : उपायुक्त

धनबाद (कासं) : मंगलवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में आयुष्मान भारत योजना के विभिन्न बिंदुओं पर समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने सरकारी एवं निजी अस्पताल संचालकों से कहा कि उक्त योजना का लाभ हर हाल में लोगों को मिलना चाहिए। सरकारी एवं निजी अस्पतालों को समन्वय स्थापित कर काम करने को कहा गया। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि योजना का संचालन सही तरीके से हो। भुगतान की प्रक्रिया कैसे सुगम हो, इसपर भी विचार विमर्श किया गया। मौके पर डॉक्टरों ने योजना के क्रियान्वयन, संचालन एवं भुगतान में आने वाली परेशानियों से उपायुक्त को अवगत कराया। कंपनी को अस्पतालों को ससमय भुगतान करने एवं भुगतान की प्रक्रिया सुगम बनाने को कहा। जिसे लेकर उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में उपायुक्त, प्रभारी सिविल सर्जन, आयुष्मान भारत योजना के नोडल पदाधिकारी, जिले के कई डॉक्टर एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कामगार यूनियन की बैठक

जोड़ापोखर (सासे) : बिहार कोलियरी कामगार यूनियन की अमुआई में भौंरा आफिसर क्लब में सीआईटीयु का जिला कमिटी की बैठक आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से सीटू के राज्य सचिव विश्वजीत देव ने कहा कि राज्य के मजदूरों का न्यूतम वेतन कुछ कंपनियों के बड़े लोग कम कराने में लगे हैं। वहीं दूसरी ओर इंडिया गठबंधन टुंडी विधायक मथुरा महतो एवं सिंदरी विधायक चंद्रदेव उर्फ बबलू महतो आदि थे।

सियार के काटने से एक की मौत

धनबाद (कासं) : बरवाअड्डा थाना अन्तर्गत जयनगर निवासी मिठ्ठु रवानी ३५ वर्ष के इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी है।

बताया जाता है कि बीस दिन पहले मिठ्ठु रवानी को गांव में ही एक सियार ने काटा लिया था। जिसका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान मंगलवार को उसकी मृत्यु हो गयी।

सियार के काटने से क्षेत्र में मृत्यु का यह दूसरा मामला है। इससे पहले कुर्मीडीह गांव में सियार के काटने से एक व्यक्ति का मौत हो गया था। इधर यादवपुर में भी सियार को लेकर दहशत का माहौल है। मंगलवार सुबह यादवपुर क्षेत्र में अहले सुबह टहलने जा रहे ग्रामीणों का नजर खौपनाक सियारों का झुंड पर पड़ा है। लोगों का मानना है कि ये जंगली लकड़बग्घा हैं। घटना से गांव में दहशत का माहौल है। सभी डरे और सहमे हुए है।

शहीद शशिकांत पांडेय को दी गई श्रद्धांजलि

जोड़ापोखर (सासे) : शहीद शशिकांत पांडेय चौक पर शाशिकांत की ९वीं शहीद दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मंगलवार को शहीद की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। इसके पूर्व से चल रहे रामायण पाठ का समापन हो गया। माल्यार्पण करने वालों में शहीद के पिता राजेश्वर पांडेय, माता ललिता देवी, भाई श्रीकांत पांडेय, बहन सहित राजकुमार अग्रवाल शामिल थे। इस अवसर पर भव्य भंडारा का भी आयोजन किया गया था।

केनरा बैंक में कृषि महोत्सव आयोजित

गोर्विंदपुर (सासे) : केनरा बैंक की गोड़तोपा शाखा ने मंगलवार को कृषि महोत्सव का आयोजन किया। मंडल प्रबंधक नीरज कुमार, प्रबंधक जितेंद्र कुमार और जेएसएलपीएस के रमेश कुमार ने दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की दीदियों को बुला समूह के पांच सूत्रों के बारे में जानकारी दी।

कृषि महोत्सव में समूह को ४८ लाख का लोन वितरित किया गया। शाखा प्रबंधक अनिल कुमार मल्लिक ने सभी समूहों की दीदियों को कृषि से जुड़े व्यवसाय की जानकारी दी। स्वावलंबी होने के तरीके बताए। व्यवसाय को आगे बढ़ाने के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बैंक अधिकारी अरविंद कुमार, बैंक सखी गुंजा देवी, केनरा बैंक बेलडांगा के प्रबंधक रोहित कुमार आदि मौजूद थे।

श्री श्याम वार्षिक महोत्सव का आयोजन 23 को

धनबाद (कासं) : श्री श्याम ध्वजा पद यात्रा हीरापुर के तत्वावधान में द्वितीय श्री श्याम वार्षिक महोत्सव का भव्य आयोजन आगामी २३ दिसंबर को संध्या ६ बजे से शिशु उद्यान पार्क मार्केट हीरापुर में किया जायेगा। महोत्सव का मुख्य आकर्षण श्याम बाबा का भव्य दरबार, फूलों का सृंगार, छप्पन भोग के साथ साथ पूरे देश में विख्यात कोलकोता निवासी भजन गायक राज पारिख, समस्तीपुर बिहार निवासी रेशमी शर्मा एवं धनबाद के स्थानीय भजन गायक विवेक अग्रवाल भी रहेंगे। इनके साथ दिल्ली के चर्चित म्यूजिकल ग्रुप नरेश पुनिया शामिल होंगे।

श्रीश्याम ध्वजा पद यात्रा समिति द्वारा पिछले एक महीने से कार्यक्रम के भव्य आयोजन की तैयारी की जा रही थी, जिसमे बाधा रहित डोम पंडाल जिसमे लगभग पाँच हज़ार श्याम भक्तों के बैठने की समुचित व्यवस्था रहेगी।

बुजुर्ग भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था के तहत सोफे एवं कुर्सियां की भी व्यवस्था की जा रही है। कार्यक्रम में आने वाले तमाम भक्तों के लिए पेयजल, अस्थायी शौचालय, जूता चप्पल स्टॉल, प्राथमिक उपचार केंद्र, एम्बुलेंस, अग्नि शमन वाहन के साथ साथ प्रसाद की भी विशेष व्यवस्था की जा रही है। कार्यक्रम के अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम में पूरे धनबाद के अलावे रानीगंज, आसनसोल, बराकर, जामताड़ा, गिरिडीह, बोकारो व पुरुलिया आदि के श्याम भक्त भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

कार्यक्रम के सचिव विनय अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम के निमित तमाम सरकारी अनुमति प्राप्त की जा रही है।

कार्यक्रम की भव्य तैयारी में मुख्य रूप से सर्वश्री कृष्णा अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, संजय गोयल, नंदलाल अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, चेतन गोयनका, संदीप कटेसरिया उर्फ छिल्लू, रमेश राही, सूरजभान गर्ग, कृष्ण मुरारी मोदी, सूरजभान गुप्ता, ऋषिपाल अग्रवाल, दिलीप गोयल,तितेंद्र अग्रवाल, रविन्द्र गोयल,विकाश अग्रवाल विक्की, विकास सिंह चौधरी, दिनेश मोदी, पंकज भुवानिया, मुन्ना कर्ग, बासुदेव कारीवाल, दीपक रुइया, अजय मित्तल, अरविंद सतनालिका, चोना साव, ललित अग्रवाल, विजय भजनका, संजीव चौरसिया,आशीष वर्मा, ओमप्रकाश अग्रवाल, शम्भू अग्रवाल, मुन्ना डोकानिया, संकेत मित्तल, विवेक अग्रवाल, अशोक पंसारी, विनोद अग्रवाल,ललित मोदी,कल्लू, राठी, अजय राय, गौरभ जायसवाल, संजीव जिंदल, प्रकाश गोयल, अजय तायल, राजीव जिंदल, कौशिक डे, अंकित गुप्ता, सूरज लाला, रोहित मित्तल, अमित मोदी, नरेश अग्रवाल, सोसटी दत्ता, संजय सरावगी, विनय रिटोलिया, सचिन गुप्ता, मोहित अग्रवाल, राघव अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, विशाल केशरी, अंकुश केशरी आदि दिनरात लगे हुए है।

विभिन्न मांगों को लेकर रैयतों का धरना जारी

कतरास (सासे) : रैयतों की जमीन संबंधित समस्याओं को लेकर ग्राम स्वराज अभियान का धरना लगातार जारी है। निर्धारित कार्यक्रम के तहत मंगलवार को भी अंचल कार्यालय बाघमारा के समक्ष विभिन्न क्षेत्र के रैयतों ने शांति पूर्ण धरना दिया और समस्याओं के निस्तारण की मांग की। हालांकि धरने में बैठे रैयतों की सुध लेने कोई अधिकारी नहीं पहुँचे। धारणा को लेकर ग्राम स्वराज अभियान के संस्थापक जगत महतो ने कहा कि अंचल कार्यालय में न केवल भ्रष्टाचार की तूती बोल रही है बल्कि अंचल कार्यालय कोर्ट के आदेश का भी अवमानना कर रहा है।

कई रैयत ऐसे हैं जिन्हें कोर्ट से डिग्री भी मिल गई है। उसके बावजूद भी अंचल कार्यालय के द्वारा कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं करवाया जा रहा है। वही मौखिक विरोध पर ही रैयत के जमीन की सरकारी मापी को रोक दिया जा रहा है। मामले में अंचल कार्यालय की खामोशी बहुत कुछ बताती है। श्री महतो ने आरोप लगाते हुए कहा कि गरीब और पीड़ित लोग इस धरने में बैठे हैं। ये इस बात का प्रमाण है कि अंचल कार्यालय बाघमारा में बिना मिठास दिए किसी रैयत का कार्य नहीं होता है। जगत महतो ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि रैयतों की समस्याओं का समाधान नही होता है तो आंदोलन को और तेज किया जायेगा जिसका जिम्मेदार पूर्ण रूप से अंचल ५ बाघमारा होगा।

धरना में रैयत मुसीब अख्तर खान, सुमित्रा देवी, पत्रकार अरबिन्द सिन्हा, विशाल कुमार महतो, तीता कुमारी उर्फ लक्ष्मी देवी, कैलाश रजवार, कमल महतो, दिलीप कु महतो, सलिक मिस्त्री, रूपेश रवानी, राजा राम महतो, शांती देवी, गौरी देवी, जरिए देवी, मालती देवी, लखी देवी, अंजली देवी, साक्ष देवी, पदावती देवी, रेशमी देवी, उर्मिला देवी आदि बैठें थे।

ग्रामीणों ने किया सीआईएसएफ पर हमला

पुटकी (सासे) : गोपालीचक कोलियरी अंतर्गत पुटकी १७ नंबर में संचालित एसटीजी आउटसोर्सिंग में मंगलवार को कोयला चुनने गए स्थानीय ग्रामीण को रोकने पर ग्रामीणों ने सीआइएसएफ के सेक्यूआरटी फेरोलिंग पर हमला बोल दिया। जमकर हुई पत्थर बाजी में सीआईएसएफ के जवान घायल हो गया। इस क्रम में स्थानीय युवकों ने एक जवान की राइफल छीन कर फेंक दिया और पत्थरबाजी करते हुए सभी भाग खड़े हुए। घायल जवान का नाम एचआर यादव है जो एएसआइ है। ग्रामीणों युवको को भी चोट लगीं है. घायल जवान को क्षेत्रीय अस्पताल कुस्तौर ले जाया गया। घटना के पश्चात पुटकी पुलिस और सीआइएसएफ की टीम हमलावार युवको को खोजने के लिए बस्ती में गई, लेकिन सभी फरार थें. वहीं ग्रामीणों का कहना है कि सीआइएसएफ जवानों की मिली भगत से स्क्रूटर और हार्इया से कोयला चोरी हो रही है। घरेलू कार्य के लिए कोयला लेने गईं महिलाओं एवं बच्चे के साथ जवानों द्वारा आये दिन बदसलूकी की जाती है और मार पीट कर भगाया दिया जाता हैं।

राष्ट्रीय पेंशनर दिवस पर पेंशनधारियों ने की बैठक

गोर्विंदपुर (सासे) : राष्ट्रीय पेंशनर दिवस पर झारखंड राज्य पेंशनर समाज प्रखंड शाखामोविन्दपुर के पेंशनरों की एक बैठक मंगलवार को + २ उच्च विद्यालय गोविन्दपुर में हुई। पेंशनर दिवस पर उपस्थित विभिन्न वक्ताओं ने अपनेअपने विचार रखे। सभी पेंशनरों से आग्रह किया गया कि वे अपने मोबाइल को आधार कार्ड से संलग्न करा लें, संलग्न नहीं कराने की स्थिति में उनका पेंशन बैंक द्वारा काटा जा रहा है। ७० वर्ष से अधिक के पेंशनरों से कहा कि सभी प्रधानमंत्री आयुष्मान व वंदना कार्ड बनवा लें ताकि पांच लाख तक अपना इलाज मुफ्त करा सके। सर्वसम्मति से एस एन लाल त्यागी को कार्यकारी सचिव व मुस्तकिम अंसारी को राज्य कार्य समिति सदस्य के रूप में चुना गया। २६ फरवरी को वार्षिक मिलन समारोह सह वनभोज आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष केडी एन आजाद ने किया। जबकि कार्यक्रम का संचालन एस एन लाल त्यागी ने किया। बैठक में जयप्रकाश साव, बदरूद्दीन अंसारी, मो हसीमुद्दीन अंसारी, अहमद सिद्दीक आलम, जिला सचिव बासुदेव गोस्वामी, रामब्रत यादव, मो अब्दुर रहमान अख्तर, रियासत अंसारी, सहदेव सेन, यदुनन्दन प्रसाद सिंह, मुस्तकिम अंसारी, काली चरण रजक, ईस्ताक अंसारी, शंकर राम महतो, गुरूपद दे, प्रद्युत कुमार विष्टु, मन्टु पद दे आदि के अलावे बड़ी संख्या में पेंशनरों ने शिरकत की।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

सांसद ढुलू महतो ऊर्जा समिति की बैठक में हुए शामिल

धनबाद (कासं) : सांसद ढुलू महतो ने ऊर्जा संसदीय स्थायी समिति की बैठक में भाग लिया और भारत को ५०० गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन लक्ष्य की दिशा में निरंतर प्रयासों को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की। इस बैठक में सांसद श्री महतो ने भारत के ऊर्जा क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन में वृद्धि पर जोर दिया और देश को दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादकों में शामिल करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर विचारविमर्श किया।

इसपर श्री महतो ने कहा, भारत का लक्ष्य ५०० गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन का है, और इसे हासिल करने के लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा। यह केवल हमारे ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए जरूरी नहीं है, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन से निपटने और दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादक बनने के लिए भी अहम कदम है।

सांसद ढुलू महतो ने ऊर्जा उत्पादन में नवीकरणीय स्रोतों की भागीदारी बढ़ाने के लिए सरकारी योजनाओं की समीक्षा की और क्षेत्रीय विकास, नई तकनीकों और निवेश को आकर्षित करने के महत्व को रेखांकित किया। श्री महतो ने यह भी बताया कि धनबाद और आसपास के क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं, जो न केवल ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देंगे, बल्कि स्थानीय रोजगार के अवसर भी सृजित करेंगे। इस दिशा में सरकार ने कई योजनाएं बनाई हैं, जिनके माध्यम से न केवल देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया जाएगा, बल्कि रोजगार और आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी।

नर्सिंग होम संचालक के घर लाख की चोरी

झरिया/जोड़ापोखर (ससे) : झरिया थाना क्षेत्र के भागा चार नंबर कॉलोनी स्थित अल्युमिनियम क्वार्टर के समीप बीती रात अज्ञात चोरों ने फुसबंगला के आस्था हेल्थ केयर क्लिनिक के संचालक अभिलेंद्र पासवान के आवास का ताला तोड़कर अलमीरा से नकदी सहित ६ लाख की संपति चोरी कर फरार हो गया है।

घटना की सूचना रात को ही गृहस्वामी पासवान ने झरिया थाना की पुलिस को दे दिया है। मौके पर पुलिस पहुंचकर घटना की छानबीन कर रही है। घटना को लेकर आसपास के लोगो में सुरक्षा को लेकर दहशत व्याप्त हो गया है। गृहस्वामी पासवान ने बताया कि फुसबंगला मोड़ पर उसका निजी क्लिनिक है। क्लिनिक से सोमवार की रात्रि नौ बजे घर आकर वह पत्नी और बच्चों के साथ बस्ताकोला स्थित अपने ससुराल के रिश्तेदार के घर में शादी की पार्टी में गए थे। शादी पार्टी से तीन घंटे बाद जब रात्रि बढ़ बजे वह घर पहुंचा तो देखा कि उसके घर के दरवाजा का ताला टूटा हुआ है और दरवाजा अंदर से बंद है। शंका होने पर वह तुरंत घर के पीछे गया तो पीछे का दरवाजा भी खुला पाया।

घर में घुसने पर देखा कि बेडरूम में रखा अलमीरा तथा उसके डिक्की को अज्ञात चोरों ने तोड़कर उसमें रखा ८० हजार रुपया नगद सहित उसकी शादी की सोने की पांच चेन, दो अंगूठी, दो झुमका, दो बाला, एक माला, एक नकलश, मांगटीका, नथीया, मंगलसूत्र एवं अन्य चांदी की जेवरात को अज्ञात चोरों ने चोरी कर घर के पीछे की दरवाजे की ओर से फरार हो गया है। जिसकी कीमत लगभग साढ़े ५ लाख रुपया आंकी जा रही है।

घटना के बाद मुहल्ले के भाजपा नेता रुपेश पासवान ने गृहस्वामी को लेकर घटना के बाद थाना में रात्रि में ही जाकर पुलिस से मामले की शिकायत कराकर घटना की उद्भेदन करने की मांग किया है। मालूम हो कि क्लिनिक संचालक अभिलेंद्र पासवान की लगभग सात वर्ष पूर्व शादी हुई है। वह पहले भौंरा में रहता था। पिछले ढाई वर्ष से भागा चार नंबर में रह रहा था।

प्रेमी जोड़ा ने मंदिर में रचाई शादी

पटकी (ससे) : मुनीडीह ओपी अंतर्गत आमडीह बस्ती निवासी गजाधर महतो के २७ वर्षीय पुत्र सूरज महतो व बगल के लखारखवारी बस्ती के वैद्यनाथ महतो के १९ वर्षीय पुत्री प्रियंका कुमारी गत रविवार के रात दोनों ने भाग कर पुरुलिया (पश्चिमी बंगाल) में सोमवार को मंदिर में शादी रचा ली। मंगलवार को दोपहर में दोनों प्रेमी युगल बतौर पतिपत्नी मुनीडीह ओपी पहुंचे। सूचना पाकर दोनों के परिजन भी ओपी पहुंचे। लड़की के परिजन लड़की को समझाते हुए कहा घर चलो, तीन महीने बाद धूमधाम से पारिवारिक रीति रिवाज से शादी करा देंगे। वहीं लड़का-लड़की मानने को राजी नहीं है। दोनों स्नातक - २ ईयर के छात्र हैं। समाचार लिखे जाने तक दोनों के परिजन ओपी में जमे हुए थे।

गंगासतलज एक्सप्रेस में खपाया जा रहा अवैध पानी की बोतलें

धनबाद (कासं) : गंगासतलज एक्सप्रेस ट्रेन संख्या १३३०७ में आईआरसीटीसी के इंस्पेक्टर राकेश कुमार सिंह और आफताब हुसैन के साथ जमकर मारपीट की गई है। जानकारी के अनुसार दोनों अन्य स्टाफ के साथ ट्रेन की पैंट्री कार की जांच कर रहे थे। इस दौरान पैंट्री कार में पानी के बोतल की कई ऐसी पेटियां पाई गईं, जो रेलवे के द्वारा स्वीकृत नहीं है।

यह देखकर आईआरसीटीसी के अधिकारियों ने उक्त मार्के का पानी बोतल ट्रेन से नीचे उतरवाने के लिए कहा। इस क्रम में पैंट्री कार में कच्चे माल की आपूर्ति करनेवाले व्यक्ति रिंकू सिंह अपने ६७ साथियों के साथ ट्रेन में पहुंच गया और ट्रेन से पानी की बोतलें उतरवाने का विरोध करते हुए आईआरसीटीसी के इंस्पेक्टर और स्टाफ के साथ मारपीट की। रेल कर्मियों से मारपीट करने के बाद सभी मौके से फरार हो गए।

इधर, ट्रेन संख्या १५०२७ मौर्य एक्सप्रेस को पास कराने के दौरान ड्यूटी पर तैनात रेल पुलिस के एएसआई शिवजी राय को करीब २१:५५ बजे घटना की सूचना मिली। जिसके बाद एएसआई शिवजी राय ने गंगा-सतलज एक्सप्रेस पर प्लेटफॉर्म संख्या दो से सवार हुए। हालांकि तबतक ट्रेन खुल चुकी थी।

ट्रेन में जख्मी अवस्था में पड़े राकेश कुमार सिंह और मो आफताब ने रेल पुलिस को दिए गए बयान में बताया कि यात्रियों के द्वारा ट्रेन की पैंट्री कार में पानी बोतल में ओवरचार्जिंग की शिकायत प्राप्त हुई थी। इसकी जांच के लिए गंगा सतलज एक्सप्रेस ट्रेन की पैंट्री कार में गए थे। इस दौरान उनके साथ मारपीट की गई है। आफताब के बयान पर रेल पुलिस के एएसआई शिवजी राय ने घटना की लिखित जानकारी रेल थाना में दी है।

घटना के बाद रेल पुलिस की मदद से आईआरसीटीसी के इंस्पेक्टर राकेश कुमार सिंह और कर्मी आफताब हुसैन को इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां दोनों का इलाज चल रहा है। दोनों को मारपीट में काफी चोट आई है। वहीं इस संबंध में रेल डीएसपी गोविन्द प्रसाद गुप्ता ने बताया कि ट्रेन की पैंट्री कार में जांच करने गए पदाधिकारी और कर्मी के साथ मारपीट की गई है। मामले की लिखित शिकायत रेल थाना को दी गई है। प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अवर निरीक्षक पर सेल्समैन के साथ मारपीट करने आरोप

धनबाद (कासं) : धनबाद के एक्साइज विभाग में अवर निरीक्षक के पद पर पदस्थापित जितेंद्र कुमार पर भूली ओपी क्षेत्र अंतर्गत बुधनी हटिया स्थित सरकारी शराब दुकान के सेल्समैन ने मारपीट का आरोप लगाया है। सेल्स मैन ने मारपीट की वजह शराब में ओवर रेटिंग करने तथा नकली शराब बेचकर ३० हजार रु मंथली फिक्स करने का दबाव बनाया गया था। जब सेल्स मैन इसके लिए तैयार नहीं हुआ तो उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। घायल सेल्स मैन बिपिन सिंह, जितेंद्र सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने भूली ओपी पहुंचा। सेल्स मैन के साथ कई और शराब दुकान के सेल्स मैन भी समर्थन में आगे आए। इधर अवर निरीक्षक जितेंद्र सिंह के साथ आबकारी विभाग के कई पदाधिकारी भी भूली ओपी पहुंचे हैं। जितेंद्र सिंह ने अपने ऊपर लगे आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उन्होंने कहा ओवर रेटिंग एवं नकली शराब की बिक्री किए जाने की सूचना पर जांच करने उक्त काउंटर पर पहुंचे थे। फिलहाल दोनों ओर से लिखित शिकायत दर्ज करने की बात सामने आ रही है। शिकायत के आलोक में भूली पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

सड़क दुर्घटना में चार लोग घायल

बलियापुर (ससे) : भिखराजपुर में टेंपू पलटने से दो लोग घायल हो गए। घायलों को बलियापुर सीएचसी में प्राथमिक इलाज कराया गया। घायलों में बलियापुर निवासी शत्रुघ्न कुंभकार व बड़ादाहा निवासी संगीता देवी शामिल हैं। सभी टेंपू में सवार होकर स्टील गेट से बलियापुर आ रहा था। दोनों मजदूरी करने सुबह धनबाद गया हुआ था। शाम को घर वापस लौट रहा था।

डीएवी के बच्चों का उम्दा प्रदर्शन

बलियापुर (ससे) : राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिता में डी.ए.वी. सिंदरी के बच्चों ने किया उत्तम प्रदर्शन डी.ए.वी. नेशनल स्पोर्ट्स में मेडल विजेता बच्चों को प्राचार्य अशोक कुमार सिंह के द्वारा प्रार्थना सभा में किया गया सम्मानित डीएवी पब्लिक स्कूल सिंदरी ने दिल्ली एनसीआर में आयोजित डी.ए.वी. नेशनल स्पोर्ट्स में विजेता बच्चों को प्राचार्य अशोक कुमार सिंह के द्वारा प्रार्थना सभा में सम्मानित किया गया।

आरसेटी कार्यालय में बीसी की बैठक

बलियापुर (ससे) : आरसेटी कार्यालय ढांगी में बैंक ऑफ़ इंडिया आंचलिक कार्यालय के तत्वावधान में धनबाद अंचल के सभी बीसी की बैठक हुई। आंचलिक प्रबंधक विकास रंजन पटनायक के साथ बैंक आफ इंडिया के उप आंचलिक प्रबंधक दिनेश प्रसाद, मुख्य प्रबंधक एआरबी धनबाद अंचल के रामाशीष एवं एफआई हेड वरीय प्रबंधक अनुलता, आरसेटी के निदेशक अविनाश चंद्र एवं आरसेटी के पूर्व निदेशक, तत्कालीन संकाय सदस्य वीरेंद्र कुमार सिंह एवं उमाशंकर गुप्ता, कुमार सिंह, किशोर कुमार महतो, राजकुमार महतो आदि थे।

मोबाइल व पार्ट्स दुकान में हजारों की चोरी

कतरास (ससे) : कतरास थाना क्षेत्र के छाताबाद पुल के समीप रोड में मोबाइल दुकान और मोटरसाइकिल पार्ट्स दुकान में चोरों ने निशाना बनाया। जहां मोबाइल दुकान से २५ से ३० हजार की मोबाइल उड़ाने में सफल रहा। वहीं पार्ट्स दुकान से ५ हजार नकदी सहित कुछ समान को ले जाने में चोर सफल रहा। स्थानीय थाना में आवेदन दिया है पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। बताया जाता है कि सोमवार की रात्रि कतरास थाना क्षेत्र से महज ८०० मीटर की दूरी पर रिपेयरिंग मोबाइल दुकान के ऊपरी सीट को तोड़ कर दुकान के अंदर जाकर चोरी किया वही दूसरी पैट्स मोटरसाइकिल दुकान के दीवार को सेंधमारी कर दुकान में रखे नकदी रूपये को चोरी कर लिया।

आम जनता को मिले सरकारी योजनाओं का लाभ

बलियापुर (ससे) : प्रखंड कार्यालय सभागार में मंगलवार को पंचायत समिति मासिक बैठक में सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने प्रखंड अंचल कार्यालय के पदाधिकारी एवं पंचायत प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए विकास योजनाओं को धरातल पर पहुंचने की दिशा में कार्य करने की जरूरत बताया। ताकि आम जनता योजनाओं का पूरा लाभ ले सके।

भाजयुमो ने हेमंत सरकार का फूंका पुतला

धनबाद (कासं) : सीजीएल परीक्षा २०२३ का परिणाम रद्द करने की मांग एवं सीबीआई जाँच की मांग को लेकर मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया। भाजयुमो अध्यक्ष नित्यानंद मंडल की अध्यक्षता में रणधीर वर्मा चौक पर पुतला फूंका गया।

नित्यानंद मंडल ने कहा की सीजीएल परीक्षा परिणाम तत्काल सरकार रोके यह मामला कोर्ट में लंबित है। हेमंत सरकार झारखंड के छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं करें, और इस पूरे मामले को सीबीआई को सौंप कर सरकार जांच कराये। भाजयुमो छात्रों के इस आंदोलन में कदमकदम साथ है। सड़क से सदन तक आंदोलन जारी रहेगा। भाजपा अध्यक्ष श्रवण राय ने कहा हेमंत सरकार अपने कारनामें दिखाने शुरू कर दिया है।

भाजयुमो प्रदेश महामंत्री रूपेश सिन्हा ने कहा जब आयोग ने रोक लगा रखी थी तब एकाएक सीजीएल परीक्षा परिणाम आना संसय स्थापित करती है। भाजयुमो झारखंड के नवजवानों के साथ है। हेमंत सरकार के मनमानी का विरोध होगा। भाजपा जिला महामंत्री मानस प्रसून ने कहा आज सरकार का पुतला दहन हुआ। अगर रिजल्ट वापस नहीं लेगी तब क्रमबद्ध आंदोलन होगा। छात्रों को न्याय मिले। मौके पर महामंत्री तमाल राय, मुकेश पांडेय, पिंटू झा, अमलेश सिंह, राजाराम दत्ता, अवधेश साव, किशोर मंडल, रवि मिश्रा, उचित महतो, अमित विशाल, साकेत श्रीवास्तव, आनंद खंडेलवाल आदि मौजूद थे।

दोनों पक्षों पर प्राथमिकी दर्ज, दो आरोपी से पूछताछ

निरसा (ससे) : निरसा के गोपीनाथपुर कोलियरी में हुई झड़प मामले में दोनों पक्ष पर प्राथमिकी दर्ज हुई है। दो लोगों को हिरासत में ले लिया गया है। मुगमा क्षेत्र के गोपीनाथपुर कोलियरी में एमडीओ मोड परियोजना में वर्चस्व स्थापित करने को लेकर इंडिया गठबंधन एवं भाजपा समर्थकों के बीच खूब पत्थरबाजी और मारपीट हुई थे। इस मारपीट में पुलिसकर्मी समेत कई लोग घायल हुए थे। निरसा पुलिस ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले में अभी तक दो लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बाकी नामजदों और अज्ञात आरोपियों की तलाश जारी है।

सीओ रमेश दास ने उन्हें कोलियरी परिसर से बाहर ३०० मीटर की दूरी पर जगह चिन्हित कर पंडाल बनाने और धरना देने की बात कही। वहीं मौके पर उपस्थित निरसा विधायक अरुप चटर्जी ने कहा कि घोषित कार्यक्रम के तहत अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। जब तक प्रबंधन ९ सूत्री मांगों को लेकर वार्ता नहीं करता है तब तक कार्य भी बंद रहेगा।

बताया जाता है कि मंगलवार की सुबह इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता दोबारा से कोलियरी परिसर में धरना देने जा रहे थे। तभी निरसा सीओ रमेश दास द्वारा उन लोगों को कोलियरी परिसर में जाने से रोका गया। बताया गया कि क्षेत्र में धारा १६३ लागू कर दी गयी है, इसलिए आप लोग कोलियरी परिसर में धरनाप्रदर्शन नहीं कर सकते।

स्कूल में पुलिस पाठशाला का आयोजन

जोड़ापोखर (ससे) : मंगलवार को डिगवाडीह स्थित न्यू एंजेल्स होम स्कूल प्रांगण में पुलिस की पाठशाला का आयोजन किया गया जिसमें जोड़ापोखर थाना प्रभारी राजेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। स्कूल के निदेशक मोहम्मद परवेज अख्तर और प्राचार्य मोहम्मद आफताब आलम ने थाना प्रभारी को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित करते हुए कार्यक्रम का उद्घाटन किया। थाना प्रभारी ने बच्चों को अनुशासन में रहकर अपने जीवन का लक्ष्य को प्राप्त करने की सलाह देते हुए कहा कि १८ साल से पहले मोटर बाइक और मोबाइल का उपयोग ना करें जब भी अभिभावक के साथ मोटरसाइकिल पर सवार हो तो हेलमेट का उपयोग जरूर करें।

मोबाइल में पठनपाठन से संबंधित चीजें अगर देखना हो तो वह भी अभिभावक की निगरानी में ही करें। अनुशासन और कठिन परिश्रम से सब कुछ हासिल किया जा सकता है इसलिए, उन्होंने बच्चों को यह संदेश दिया कि खूब पढ़ें और खूब बढ़े और आगे चलकर समाज और देश दोनों की सेवा करें। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल के नोडल ऑफिसर मोहम्मद सगीर अख्तर, जैनब, संजीव,सोनू, सुमित और स्कूल के समस्त परिवार की अहम भूमिका रही।

ब्लॉक 2 की टीम 13 रन से विजयी

जोड़ापोखर (ससे) : मंगलवार को जेलगोरा स्टेडियम में बीसीसीएल अंदर क्षेत्रीय टी२० क्रिकेट टूर्नामेंट अंतर्गत दो सेमीफाइनल मैच खेले गए। पहला मैच ब्लॉक २ बनाम बरोरा एरिया के बीच हुआ। टॉस बरोरा एरिया ने जीता और पहले फील्डिंग करने का फैसला किया ब्लॉक २ की टीम ने २० ओवर में १५६ रन बनाकर ऑल आउट हो गई। ब्लॉक २ की तरफ से बैटिंग करते हुए पूरण कुमार महतो ने ४० रन, प्रिंस कुमार ने ३४ रन और कुलदीप प्रसाद ने १९ रन बनाए गए। बरोरा एरिया के तरफ से बोलिंग करते हुए राजकुमार उरांव ने तीन विकेट और धर्मेंद्र कुमार को दो विकेट प्राप्त हुआ। जवाबी पारी खेलते हुए बरोरा एरिया ने २० ओवर में चार विकेट खोकर मात्र १४२ रन ही बना पाई और इस तरह ब्लॉक २ ने यह मैच १३ रन से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। बरोरा के तरफ से बैटिंग करते हुए राजकुमार ने ४२ रन अभिजीत मंडल ने ४८ रन विवेक कुमार ने १९ रन बनाए ब्लॉक २ की तरफ से बोलिंग करते हुए उमेश प्रसाद ने दो विकेट प्राप्त किया। इस मैच में मैन ऑफ द मैच के अवार्ड ब्लॉक २ के पुराण महतो ने प्राप्त किया। आज का दूसरा मैच डब्लू.जे. एरिया बनाम इ.जे. एरिया के बीच खेला गया। टॉस डब्लू. जे.एरिया ने जीता और पहले बल्लेबाजी करते हुए डब्लू. जे एरिया ने १६ प्वाइंट ४ ओवर में ७५ रन बनाकर ऑल आउट हो गई। हेमंत सिंह ने २३ रन पंडित कुमार नवानी ने ११ रन बनाए। इ. जे एरिया के तरफ से बोलिंग करते हुए सिद्धार्थ सुमन ने तीन विकेट विनोद कुमार ने २ विकेट और किशलय कुमार ने दो विकेट प्राप्त किया। जवाबी पारी खेलते हुए इ.जे एरिया की टीम १४ ओवर में दो विकेट खोलकर १०२ रन बनाकर ८विकेट से यह मैच जीत लिया और फाइनल में प्रवेश किया। इ.जे एरिया के ओर से अनुज कुमार मंडल ने ३२ कंचन ने २६ रन बनाए, डब्लू. जे एरिया की ओर से बोलिंग करते हुए मिंटू कुमार ने एक विकेट और सनी राय ने एक विकेट प्राप्त किया। आज के मैन ऑफ द मैच इ. जे एरिया के अनुज कुमार मंडल को दिया गया। कल १०:०० बजे से ब्लॉक २.और इ. जे. एरिया के बीच जेलगोरा स्टेडियम में फाइनल मैच खेला जाएगा।

शहीद शशिकांत पांडेय को श्रद्धांजलि

पुटकी (ससे) : ग्रामीण एकता मंच के गोपालीचक ने मंगलवार को कोयलांचल के अमर शहीद शशिकांत पांडेय की ८वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। करकेन्द के गोपालीचक २ नम्बर स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने स्व. पांडेय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। ग्रामीण एकता मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष रंजीत सिंह ने अमर शहीद शशिकांत पांडेय को कोयलांचल का गौरव बताया। श्रद्धांजलि देने वालों में श्री सिंह के अलावा सुभाष पासवान, अनिल शर्मा, दिलीप सिंह, अनिकेत कुमार, नंदलाल चौधरी, राजेश भारती, नरेश भारती, गौरव पांडे, विकाश चौधरी, ज्वाला सिंह व अन्य थे।

बांग्लादेश के खिलाफ भारत सरकार करें सैनिक कार्रवाई

सिंदरी (ससे) : मंगलवार को सनातनी सभ्यता संस्कृति उत्थान समिति के तत्वावधान में बंगलादेश मृत सनातनी हिन्दुओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बांग्लादेश में सनातनी हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर अविलंब रोक लगाने हेतु भारत सरकार से सैनिक कार्रवाई करने की मांग की है।

श्रद्धांजलि सभा प्रतिरोध मार्च शहरपुरा शिव मंदिर से बाजार होते हुए भुंजा मोड़ से होते हुए वीर कुंवर सिंह चौक पर जुटकर नुक्कड़ सभा/नरसंहार के खिलाफ एकजुटता के साथ आवाज बुलंद करते हुए पक्ष विपक्ष से आह्वान किया गया की बंगलादेश में हो रहे अत्याचार पर अविलंब रोक लगाने हेतु एकीकृत एकजुट संदेश दें। श्रद्धांजलि सभा प्रतिरोध मार्च में शामिल हुए सनातनी सभ्यता संस्कृति उत्थान समिति अध्यक्ष प्रशांत कुमार दुबे, मंदिर सचिव दिनेश सिंह, नारी सेवा संघ की रंजना शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य अरविंद खत्री, संजु महतो, वरिष्ठ कांग्रेसी विदेशी सिंह, उमा शर्मा, बद्री सिंह, सुरेन्द्र नाथ सिंह समेत सभी उपस्थित लोगों ने एकजुट होकर मांग किए की भारत सरकार बांग्लादेश सरकार को सबक सिखाए।

बांग्लादेश को बांटकर सनातनी हिंदुओं के लिए सनातिस्तान बनाए। सभी भारतीय शांतिप्रिय सनातनी धर्मावलंबी बंगलादेशी सनातनी हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार से बहुत ही दुखी मर्माहत हैं। हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को अविलंब बन्द करवाते हुए बंगलादेश की सरकार और अविलंब सभी बंगलादेश में मौजूद आतंक परस्त सनातन विरोधियों पर कार्रवाई करे।

कार्यक्रम में प्रशांत कुमार दुबे, पूर्व पार्षद मंदिर सचिव दिनेश सिंह, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह, विदेशी सिंह, राघव तिवारी, संजु महतो, अरविन्द खत्री, संजय सिंह, बद्री सिंह, अभय शंकर पांडेय, बिनोद कुमार प्रसाद, उमा शर्मा, अनिता श्रीवास्तव, रंजना शर्मा, मिनु सिंह, सुप्रिया चौधरी, सोनी सिंह, सुप्रिया चौधरी, सरस्वती देवी, राजेन्द्र राय, शैलेन्द्र कुमार, भरत सिंह, भाजपा कोषाध्यक्ष रामजी सिंह, बद्री सिंह, नकुल सिंह, सुमन सिंह चौहान, हीरालाल गुप्ता, संतोष सिंह, विजय जयसवाल, उमेश प्रसाद, योगेन्द्र प्रसाद, रामजन्म मिश्रा, ओमेश्वर सिंह, राजेश प्रसाद, लखन प्रसाद, कृष्णा दुबे, विजय शर्मा, बलराम प्रसाद, गुड्डू यादव, आदित्य सिंह समेत सैकड़ों आक्रोशित लोगों ने नारा बुलंद करते हुए श्रद्धांजलि सभा प्रतिरोध मार्च में शामिल हुए।

संपादकीय

व्यापार घाटा बढ़ने की वजह से विदेशी भंडार पर बुरा असर

पिछले कुछ समय से विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट का रुख बना हुआ है। बीते सितंबर में विदेशी मुद्रा भंडार 704.89 अरब डालर के अपने सार्वकालिक ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था, मगर उसके बाद से अब तक करीब अड़तालीस अरब डालर की कमी दर्ज की जा चुकी है। शुक्रवार को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 3.23 अरब डालर की कमी दर्ज की गई। अब वह 654.86 अरब डालर पर पहुंच गया है। इस सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार की सभी आस्तियों में गिरावट दर्ज की गई। इससे पहले 15 नवंबर वाले हफ्ते में 1998 के बाद सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी। उस वक्त विदेशी मुद्रा भंडार 17.76 अरब डालर गिर कर 657.892 अरब डालर पर पहुंच गया था। इस तरह विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट की मुद्रा स्वाभाविक रूप से सरकार के लिए चिंता का विषय है।

उधर, डालर के मुकाबले रुपए की कीमत भी लगातार गिर रही है। पिछले महीने रुपए की कीमत गिर कर 84.41 के अपने सार्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गई थी। विशेषज्ञों का कहना था कि रिजर्व बैंक रुपए की कीमत में गिरावट को रोकने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार से डालर निकाल कर बेच रहा होगा।

विदेशी मुद्रा भंडार की मजबूती से न केवल आर्थिक संकट के समय सुरक्षा का भरोसा बना रहता है, बल्कि इससे अर्थव्यवस्था की बेहतरी का भी संकेत मिलता है। इसमें गिरावट की कई वजहें होती हैं। विदेशी मुद्रा भंडार में कमी से जाहिर होता है कि विदेशी निवेशक अपना हाथ खींच रहे हैं। नवंबर के तीसरे हफ्ते में भारी गिरावट दर्ज हुई तो उसकी बड़ी वजह यही थी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आते ही विदेशी निवेशकों ने अपने पैसे निकाल कर अमेरिका का रुख कर लिया। जाहिर है, इसका असर विकास परियोजनाओं पर पड़ता है। सरकार एक ओर तो प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ने का दावा करती है, दूसरी ओर उसके विदेशी मुद्रा भंडार में छीजन दर्ज हो रही है। विशेषज्ञों का यह कयास निर्मूल नहीं है कि रिजर्व बैंक ने विदेशी मुद्रा भंडार से डालर बेच कर रुपए की गिरती कीमत को रोकने का प्रयास किया। इसके अलावा, विदेशी भंडार पर सबसे सबसे बुरा असर व्यापार घाटा बढ़ने की वजह से पड़ता है। छिपी बात नहीं है कि तमाम दावों के बावजूद निर्यात घटा और आयात बढ़ा है। इस अंतर को रोकने के लिए सरकार ने घरेलू उत्पाद को प्रश्रय देने का प्रयास किया, मगर उसका बहुत लाभ नजर नहीं आया। हालांकि भारतीय विदेशी मुद्रा भंडार अभी इतना कमजोर नहीं है कि उसे लेकर चिंता की जाए। सरकार ने संसद में कहा भी कि अनेक अन्य देशों की तुलना में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार सुदृढ़ है। दुनिया का चौथा मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार है। मगर जिस तरह इन दिनों महंगाई का रुख ऊपर की तरफ बना हुआ है, विकास दर में असंतुलन दर्ज हो रहा है। प्रति व्यक्ति आय नहीं बढ़ पा रही, दुनिया के कई देशों में संघर्ष के चलते आपूर्ति शृंखला गड़बड़ हो गई है, सरकार अपने विकास लक्ष्य की तरफ बढ़ पाने में कुछ थकान महसूस करने लगी है, उसमें विदेशी मुद्रा भंडार का कमजोर होना मुश्किलें तो खड़ी कर ही सकता है। लंबे समय से निर्यात बढ़ाने की सलाह दी जा रही है। जब तक इस दिशा में बेहतरी नहीं आएगी, विदेशी मुद्रा भंडार की मजबूती को लेकर कोई दावा करना कठिन बना रहेगा।

लापरवाही से हो सकता है बड़ा खतरा

दिल्ली के विद्यालयों को बम से उड़ा देने की धमकियों का सिलसिला थम नहीं रहा है। शनिवार को एक बार फिर छह विद्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी ने एक ओर जहां सरकार के सामने चुनौती खड़ी कर दी है, वहीं आम लोगों के बीच इसका सीधा असर पड़ा है। ई-मेल के जरिए भेजी गई इन धमकियों में जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया है, उससे साफ है कि इसके पीछे कोई गहरी साजिश है। पिछले कुछ समय से इस तरह के धमकी भरे ईमेल भेजने का सिलसिला-सा बन गया है। मगर बीते एक हफ्ते में यह तीसरी घटना है, जिससे जाहिर है कि ऐसी धमकियों की अनदेखी या इनके प्रति लापरवाही नहीं बरती जा सकती। इनका मकसद लोगों में यह खौफ पैदा करना है कि उनके बच्चों के ऊपर खतरा मंडरा रहा है। हालांकि जांच के बाद सभी धमकियां फर्जी पाई गई, लेकिन सवाल है कि देश की राजधानी होने और आधुनिक तकनीकी के चरम विकास के दौर में इस तरह के अपराध और अपराधियों पर लगाम लगाना सरकार और पुलिस के लिए मुश्किल क्यों साबित हो रहा है। सरकार अक्सर साइबर सुरक्षा के लिए व्यापक तंत्र होने और आपराधिक घटनाओं पर हर स्तर से निगरानी करने तथा आरोपियों की धर-पकड़ को लेकर बढ़-चढ़ कर दावा करती रही है। मगर आए दिन ईमेल के जरिए स्कूलों को बम से उड़ा देने और व्यापक नुकसान पहुंचाने की धमकियां क्या बताती हैं? इसमें संलिप्त आरोपियों को तुरंत पकड़ कर उनके खिलाफ ठोस कार्रवाई होती तो ऐसा करने वाले अन्य गिरोहों या आपराधिक तत्त्वों के लिए एक संदेश होता। मगर ऐसा लगता है कि ऐसी धमकियों को सहज माना जाने लगा है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि इन धमकियों के फर्जी होने के बावजूद इससे आम लोगों के भीतर एक अनावश्यक भय पैदा होगा। डिजिटल दुनिया के विस्तार के साथ ज्यादातर लोगों की पहुंच इस तक बनी है और इससे कई सुविधाएं भी हुई हैं। मगर साथ ही साइबर अपराधों का एक नया संजाल खड़ा हुआ है, जिस पर समय रहते लगाम लगाना जरूरी है। अन्यथा ऐसी घटनाओं से उपजे खौफ के माहौल में आम लोगों का सहज रहना दूभर हो जाएगा।

आज का कार्टून

एक देश एक चुनाव लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने की दिशा में बढ़ता कदम

सितंबर 2023 में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय कमेटी बनाई गई और 65 बैठके कर 18626 पन्नों की रिपोर्ट इसी साल मार्च, 24 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पेश की गई। यदि इन सभी सिफारिशों को लागू किया जाता है तो 18 संसोधनों की आवश्यकता होगी। हांलाकि सरकार ने अभी एक हिस्से यानी कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ करने की दिशा में कदम बढ़ाती लग रही है। और माना जा रहा है कि 2029 के चुनाव नई व्यवस्था यानी कि एक देश एक चुनाव वन नेशन वन इलेक्शन से हो। हांलाकि इसके लिए चुनाव आयोग व सरकारों को काफी मशक्कत करनी पड़ेगी पर यदि एक बार यह सिलसिला चल निकलेगा तो इसे लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत ही माना जाएगा। राजनीतिक दलों द्वारा यह शंका व्यक्त की जा रही है कि इससे छोटे व स्थानीय दलों के अस्तित्व पर ही संकट आ जाएगा।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

17 दिसंबर को लोकसभा में केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा एक देश एक चुनाव से संबंधित विधेयक पेश करने के साथ ही देश में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होने की दिशा में एक कदम और बढ़ जाएगा। हांलाकि सरकार इस विधेयक को संसदीय समिति को भेजने की मंशा व्यक्त करती रही है ताकि इस पर सांसदीय समिति के माध्यम से गंभीर मंथन और चिंतन हो सके। हांलाकि अभी एक देश एक चुनाव की दिशा में बढ़ते कदमों में स्थानीय निकायों के चुनावों की प्रकिया बाकी है जिस पर सरकार ने अभी गंभीरता नहीं दिखाई है और उसका कारण भी है कि उस प्रस्ताव के विधेयक को विधानसभाओं से भी पारित करवाया जाना होगा। खैर लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होते हैं तो भले ही कांग्रेस सहित विपक्ष विरोध कर रहे हो पर माना जाना चाहिए कि यह सही दिशा में बढ़ता कदम होगा। ऐसा नहीं है कि भारतीय लोकतंत्र के लिए यह कोई नई बात हो बल्कि आजादी के समय से ही देश में एक साथ चुनाव कराने पर बल दिया जाता रहा है। 1952, 1957, 1962 और 1967 के चुनाव इसके उदाहरण है। 1968 से विधानसभाओं को भंग करने का जो सिलसिला चला उसने पूरे हालात ही बदल दिए और उसके बाद लोकसभा और विधानसभा के चुनाव अलग अलग होने लगे। केवल सहूलियत ही मानलो अन्यथा अलग अलग चुनावों के दुष्परिणाम अधिक ही सामने आते हैं। यह केवल चुनावों पर होने वाले सरकारी और गैरसरकारी खर्चों तक ही सीमित ना होकर अलग अलग चुनाव होने से एक नहीं अनेक समस्याओं का कारण बन रहे हैं।

लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव अलग अलग होने से करीब एक साल तक चुनी हुई सरकार पंगु ही बन कर रह जाती है। इसको राजस्थान सहित अन्य प्रदेशों के चुनावों से इस तरह से समझा जा सकता है। हांलाकि यह उदाहरण मात्र है और सभी प्रदेशों पर समान तरीके से लागू होता है। नवंबर दिसबंर में राजस्थान की विधानसभा के चुनाव होते हैं। सरकार बनते ही अपनी प्राथमिकता भी तय कर पाती है जब तक बजट की तैयारी में जुटना पड़ता है क्योंकि अब फरवरी में ही बजट सेशन होने लगे हैं। मई जून में लोकसभा के चुनाव के कारण अप्रेल से ही आचार संहित लगने की तलवार लटक जाती है और फिर करीब डेढ़ माह का समय आचार संहिता को समर्पित हो जाता है। इसके कुछ समय बाद ही या यों कहे कि परिवर्तित बजट से निपटते निपटते सरकार के सामने स्थानीय निकायों व पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव का समय हो जाता है और उसके कारण लंबा समय इन चुनावों के कारण आचार संहिता के भेंट चढ़ जाता है। इस बीच में कोई कोई ना कोई उप चुनाव आ जाते हैं तो उसका असर भी चुनी हुई सरकार को भुगतना पड़ता है। जैसे तैसे चौथा साल पूरा होने को होता है कि सरकार ताबड़तोड़ निर्णय करने लगती है और इनके क्रियान्वयन का समय आते आते चुनाव आचार संहिता लग जाती है। इस तरह से एक बात तो साफ हो जाती है कि पांच साल के लिए चुनी हुई लोकतांत्रिक सरकार का कमोबेस करीब एक साल का समय तो चुनाव आचार संहिताओं के ही भेंट चढ़ जाता है। यह तो केवल लोकतांत्रिक जनता द्वारा चुनी हुई सरकार के कार्यों के प्रभावित होने का एक उदाहरण मात्र है। अब अलग अलग चुनाव होने से चुनाव पर होने वाले सरकारी और गैर सरकारी खर्चों पर भी ध्यान दिया जा सकता है। 1952 के पहले चुनाव में सरकारी व गैरसरकारी जिसमें राजनीतिक दलों और चुनाव लड़ने वालों का खर्च भी शामिल है वह करीब 10 करोड़ के आसपास रहा। 2010 के आमचुनाव में 10 हजार करोड़ रु. का व्यय माना जा रहा है जो 2019 में 55 हजार करोड़ और 2024 के आमचुनावों में एक लाख करोड़ को छू गया है। इसमें चुनाव आयोग, प्रशासनिक व्यवस्थाओं के साथ ही राजनीतिक दलों, प्रत्याशियों द्वारा होने वाला खर्च शामिल है। हालांकि मोदी सरकार आने के बाद से ही 2014 से एक देश एक चुनाव पर चर्चा का सिलसिला चल निकला था। 2017 में नीति आयोग ने इसे उपयुक्त बताया और 2018 में संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए तत्कालीन राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने इसे सही दिशा बताया।

सितंबर 2023 में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय कमेटी बनाई गई और 65 बैठके कर 18626 पन्नों की रिपोर्ट इसी साल मार्च, 24 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पेश की गई। यदि इन सभी सिफारिशों को लागू किया जाता है तो 18 संसोधनों की आवश्यकता होगी। हांलाकि सरकार ने अभी एक हिस्से यानी कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ करने की दिशा में कदम बढ़ाती लग रही है। और माना जा रहा है कि 2029 के चुनाव नई व्यवस्था यानी कि एक देश एक चुनाव वन नेशन वन इलेक्शन से हो। हांलाकि इसके लिए चुनाव आयोग व सरकारों को काफी मशक्कत करनी पड़ेगी पर यदि एक बार यह सिलसिला चल निकलेगा तो इसे लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत ही माना जाएगा। राजनीतिक दलों द्वारा यह शंका व्यक्त की जा रही है कि इससे छोटे व स्थानीय दलों के अस्तित्व पर ही संकट आ जाएगा। इसके साथ ही वोटिंग पेटर्न प्रभावित होगा। चुनाव में कानून व्यवस्था बनाए रखने और चुनाव के लिए मशीनरी भी अधिक लगाने की बात की जाती है तो खर्चे व आधारभूत सुविधाओं यथा ईवीएम मशीन, वीवीपेट मशीन, उनके रखरखाव सहित अन्य आवष्यक संसाधनों की आवश्यकताओं को लेकर भी शंका व्यक्त की जा रही हैं। हालांकि जिस तरह से चुनाव आयोग ने संसाधनों का आकलन कर अपनी आवश्यकताएं सरकार को बता दी है उससे लगता है कि चुनाव आयोग भी वन नेशन वन इलेक्शन के लिए मानसिक रुप से पूरी तरह से तैयार है। 2029 के चुनाव में चुनाव आयोग द्वारा 7951 करोड़ रुपए का खर्च अनुमानित किया गया है। राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों सहित अन्य खर्च अलग होंगे। वन नेशन वन इलेक्शन के सकारात्मक पक्ष भी है और उन्हें हल्के में नहीं लिया जा सकता। वन नेशन वन इलेक्शन हमारे देश के लिए कोई नई बात नहीं है उसी तरह से दुनिया के अन्य देशों जर्मनी, जापान, दक्षिणी अफ्रीका, स्वीडन, इंडोनेशिया, फिलिपिंस आदि में भी एक साथ चुनाव होते रहे हैं। कोविंद कमेटी ने जर्मनी के चुनाव पेटर्न को बेहतर व अनुकरणीय भी माना है। खैर यह अलग बात है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि एक साथ चुनाव होने से संसाधन तो एक बार जुटाने होंगे पर उसके बाद व्यवस्था सुनिश्चित हो जाएगी। आजादी के 75 साल से भी अधिक समय हो जाने के बाद जिस तरह से मतदाताओं की उदासीनता देखी जा रही है वह निश्चित रुप से कम होगी। राजनीतिक दल भले ही आज विरोध कर रहे हैं पर एक साथ चुनाव से उन्हें भी कम मशक्कत व एक बार ही मशक्कत करनी होगी। प्रचार सामग्री से लेकर प्रचार अभियान को आसानी से संचालित किया जा सकेगा। योजनावद्ध प्रयासों से विधानसभा व लोकसभा प्रत्याशियों का एक साथ प्रचार अभियान संचालित हो सकेगा जिससे अलग अलग चुनाव होने से बार बार होने वाले व्यय में कुछ हद तक राजनीतिक दलों को भी कम खर्च करना पड़ेगा। चुनी हुई सरकारों को बार बार आचार संहिता के संकट से गुजरना नहीं पड़ेगा और सरकार को काम करने का अधिक समय मिल सकेगा। दोनों चुनाव एक साथ होने से भले ही पोलिंग बूथ अधिक बनाने पड़े, मशीनरी अधिक लगानी पड़े पर मतदाताओं और चुनाव कराने वाली मषीनरी के लिए भी सुविधाजनक होगा। एक बात यह भी कि असामाजिक तत्वों की गतिविधियां भी काफी हद तक कम हो सकेगी। इससे सरकारी संसाधनों की बचत, मानव संसाधन को बार बार नियोजित करने से होने वाले सरकारी कार्य में बाधा में बचत और प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रुप से बार बार चुनाव के स्थान पर एक साथ चुनाव होने से खर्चों में भी कमी आएगी। देखा जाए तो वन नेशन वन इलेक्शन लोकतंत्र और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को मजबूत करने की दिशा में बढ़ता कदम माना जा सकता है।

संघर्ष के बिना मनुष्य की बड़ी सफलता की कल्पना नहीं

आमतौर पर लोगों ने अपने गांव, कस्बे और शहर की सड़कों पर सुबह सूरज उगने से पहले भोर में कुछ युवाओं को तेज गति से दौड़ते हुए देखा होगा। खेत-खलिहानों में मेहनत करते किसानों और कारखानों की खट-खट चलती मशीनों के बीच बड़े ध्यान से अपने श्रम का हुनर बिखेरते मजदूर भी दिख जाते हैं। कलावंतों के रियाज और नृत्य साधना से वैसे लोग जरूर परिचित होंगे, जो इन विषयों से सरोकार रखते हैं। ये सब मौन साधक अपने-अपने हिस्से का संघर्ष जी रहे होते हैं।

नरेंद्र सिंह 'नीहार'

जीवन की प्रक्रिया का हिस्सा बने आगे बढ़ रहे हैं। ये सब यही सोचते हैं कि काम को पूरा करना जरूरी है, इसका परिणाम जो भी होगा, देखा जाएगा। व्यक्ति के संघर्ष की भाषा मौन होती है। संघर्ष जीवन का शाश्वत सत्य होता है। सफलता रूपी ताले की एक मात्र चाबी संघर्ष ही है। एक खास बात यह भी है कि संघर्ष कभी शोर मचाकर नहीं किया जाता है और न ही उसके ढोल पीटे जाते हैं। जिस तरह चमक के बिना सितारे, महक के बिना फूल, पानी के बिना नदियां, तार के बिना सितार, उसी प्रकार संघर्ष के बिना मनुष्य की बड़ी सफलता की कल्पना नहीं की जा सकती है। संघर्ष ही वह कसौटी है, जिस पर तप कर किसी को भी कुंदन बनना है। संघर्ष व्यक्ति को कटु और मधुर, सभी प्रकार के अनुभव प्रदान करता है। अपने और पराए की पहचान भी कराता है। बड़े-बड़े योद्धा, कर्मवीर, सफल उद्यमी और राजनीति के धुरंधर खिलाड़ी संघर्ष की उपज कहे जाते हैं। सिनेमा उद्योग के कई मशहूर कलाकारों की शुरूआती दौर में एक के बाद एक नाकाम फिल्में आईं, मगर उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। परिणाम बाद में लोगों ने खुद देखा कि बाद में वही फिल्म जगत के चमकते सितारे बने। ऐसे अनेकानेक उदाहरण हमें अपने आसपास भी मिल जाएंगे। आजकल की

फटाफट भागती और रेडीमेड होती जा रही जिंदगी में रातों रात मशहूर सितारा बनने, अमीर होने और दुनिया को मुट्ठी में करने के सपने देखने वालों की भरमार है। हालांकि बिना मेहनत के इस तरह उड़ान भरना एक दिवास्वप्न ही कहा जाएगा। सोशल मीडिया और यूट्यूब के दौर में कुछ ऐसे घटनाएं सामने भी आई हैं कि कोई अचानक ही मशहूर हो गया। मगर यह भी संभव है कि किसी ईमानदार यूट्यूबर की संघर्ष गाथा कुछ तीव्र रही होगी। हमें अपने भविष्य का रास्ता चुनकर समर्पण भाव के साथ लग जाना चाहिए। फिर कोई कुछ भी कहे, निरंतर लक्ष्य प्राप्ति तक रुकना नहीं चाहिए।

वर्तमान दौर में देश का बड़ा वर्ग दिग्भ्रमित-सा नजर आ रहा है। उसको नहीं पता कि क्या करना है। कई लोग दूसरों के पीछे लगकर अपना समय और श्रम दोनों व्यर्थ में गंवाते देखे जा सकते हैं। हमारी शिक्षा प्रणाली में दसवीं-बारहवीं के स्तर पर भविष्य की पढ़ाई के बारे में सलाह देने वाले और अच्छी दिशा दिखाने वालों की बड़ी आवश्यकता है। बच्चों की योग्यता, क्षमता, अभिरुचि और संसाधनों के लिहाज से उचित करिअर का चुनाव बेहतर चुनाव हो सकता है। शुरूआती प्रशिक्षण गरीब और मध्यम वर्गीय युवाओं के लिए संजीवनी बन सकती है। स्वरोजगार के क्षेत्र में आने के लिए भी पर्याप्त प्रशिक्षण और अनुभव की जरूरत है। इतना तय हो होने के बाद बारी आती है व्यक्ति के दमखम, धैर्य, लगन और परिश्रम की।

यही संघर्ष का काल होता है। समय, परिस्थिति और नियति किसी के संघर्ष को छोटा या बड़ा कर सकती हैं, पर डिगा नहीं सकते। व्यक्ति को निरंतर तपस्या में लीन रहना होगा। गंगा का कल-कल निनाद वही सुनेगा, जो वर्षों संघर्ष-साधना में लीन रहा हो। किसी विचारक ने कहा है कि सफलता शोर मचाकर आती है, पर उसकी तैयारी मौन साधकर की जाती है। यहां पर आत्मावलोकन या अपने प्रयत्नों की समीक्षा भी बहुत जरूरी हो जाती है। हमें यह जानने के लिए उत्सुक होना चाहिए कि हमारे प्रयास में कमी कहां पर रह गई। सीखने के लिए सदैव तत्पर रहने की जरूरत है। सफल लोगों से संवाद करना और मार्गदर्शन लेते रहना चाहिए। अपने अंदर सकारात्मक ऊर्जा कम न होने देना चाहिए। हम दूसरों की प्रगति पर ईर्ष्यालु न हो जाएं, यह ध्यान रहे तो हम अपना ही भला करेंगे। अपने आपको संयत रखना प्राथमिक कसौटी होना चाहिए।

ध्यान लगा कर कुछ बेहतर रचनाएं पढ़ने से व्यक्ति की सकारात्मक ऊर्जा और कर्मगति दोनों में आशातीत वृद्धि हो सकती है। अपनी मानसिक अवस्था के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना जरूरी है। कहा भी गया है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन और आत्मा का निवास होता है। हम योग, व्यायाम और खेलकूद से स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। पौष्टिक आहार नियमित रूप से लेते रहना और अपनी नींद का भी ध्यान रखना बहुत सारी दिक्कतों से बचा सकता है। एक निश्चित दिनचर्या और छोटे-छोटे लक्ष्य हमें बड़ी सफलता के द्वार तक ले जाएंगे।

हमारा यह मौन संघर्ष जब सफलता के सोपान चढ़ेगा, तब उसका नाद हम आसानी से सुन सकते हैं। यत्र-तत्र-सर्वत्र जय-जयकार होती है। स्वागत और अभिनंदन के कार्यक्रम रखे जाते हैं और विरुदावलियां गाई जाती हैं। यही मौन संघर्ष का मुखरित नाद होता है। जीवन को सही दशा और दिशा में रखने के लिए मौन संघर्ष बहुत जरूरी है। हम किसी योजना पर काम करते समय बहुत अधिक बोलने से बचें और हमारा पूरा ध्यान उसकी पूर्णता की ओर ले जाने पर रहे, तो कोई कारण नहीं कि हम अपने रास्ते और मंजिल को लेकर निश्चिंत हो सकते हैं।

आंगनबाड़ी सेविकाओं को मिला प्रशिक्षण

धनबाद (कासं) : पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के सभी बाल विकास परियोजनाओं के बैचवार प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को डीआरडीए सभागार मिश्रित भवन में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर की अध्यक्षता में आयोजित किया गया है।

जिसमें आंगनबाड़ी सेविकाओं को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा प्रशिक्षण दी जा रही है। यह कार्यक्रम दिनांक ५ दिसंबर शुरू हुआ है जो कि २१ दिसंबर तक चेलगा।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वस्थ बच्चे, उज्जवल भविष्य, शिक्षा में सुधार एवं समाज में बदलाव है। इसके तहत कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य बच्चों को स्वस्थ और पोषित बनाना है ताकि वे बेहतर ढंग से सीख सकें और अपने जीवन में सफल हो सकें तथा बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर भी जोर देता है, ताकि वे अपने भविष्य के लिए तैयार हो सकें। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में पोषण और शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना है।

मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर, सीडीपीओ, मास्टर ट्रेनर, सुपरवाइजर, सेविका समेत अन्य मौजूद रहें।

गुरु गोविंद सिंह स्कूल में खेलकूद प्रतियोगिता

धनबाद (कासं) : गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल धनबाद में मंगलवार को तीन दिवसीय अंतर सदन खेल समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ सुंदर स्वागत नृत्य गणेश वंदना से किया गया। तत्पश्चात चारों सदनों पवन, पानी, धरती, आकाश के सदन प्रमुख, प्राचार्य सुदीप ठाकुर, सीनियर को-ऑर्डिनेटर शिव कुमार के द्वारा गुब्बारा उड़ाकर खेल समारोह का आगाज हर्षोल्लास के साथ किया गया। क्रिकेट, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, वॉलीबॉल इत्यादि स्पर्धा में सदन के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का समापन गुरुवार को किया जाएगा। जिसमें विजेता सदन को पुरस्कृत किया जाएगा। प्राचार्य ने बच्चों के उत्साह को बढ़ाने के लिए अपने भाषण में कहा कि खेल बच्चों को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाता है। खेल को पूरे सौहार्द के साथ खेलना चाहिए।

इसके साथ ही मंगलवार को गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल धनबाद के कक्षा तीन से कक्षा पाँच तक के विद्यार्थियों को सीखने की भावना और ज्ञान पाने के उद्देश्य से जोड़ाफाटक स्थित गुरुद्वारा ले जाया गया। जहां बच्चों ने सिख गुरुओं की जीवनी को जाना और समझा। विद्यालय के प्राचार्य सुदीप ठाकुर ने कहा कि आज के इस प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में छात्रों को सफलता पाने के लिए केवल किताब पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है। छात्रों को इसके लिए शैक्षिक भ्रमण करवाने की भी आवश्यकता है। विद्यालय छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए कटिबंध है।

श्री राधा कृष्ण प्रेम मंदिर में भागवत कथा का आयोजन

गोविंदपुर (सत्रे) : राधा कृष्ण सेवा ट्रस्ट एवं श्री श्री राधा कृष्ण प्रेम मंदिर के तत्वावधान में ऊपर बाजार दुर्गा मंदिर परिसर में २३ दिसंबर से ३० दिसंबर तक भागवत कथा का आयोजन किया गया है।

कथा व्यास सुरेन्द्र हरिदास जी महाराज कथा करेंगे। इसकी तैयारी को लेकर मंगलवार को ऊपर बाजार दुर्गा मंदिर परिसर में बैठक हुई।

इसमें तैयारी पर विचार किया गया। २३ दिसंबर को तुलसी कलश यात्रा निकाली जाएगी और उसी दिन से दोपहर २ बजे से शाम ७ बजे तक कथा होगी। इस कथा को सफल बनाने में सेवादार प्रदीप बंसल, कांता बंसल, संजय अग्रवाल, अनिता अग्रवाल, प्रदीप साव, बबली देवी, सुरेश भगत, भोला गुप्ता, विवेकानंद पांडेय, संतोष पाठक, नारायण चन्द्र सेन, संदीप विश्वकर्मा, शिशिर भगत, पांडे, अशोक गुप्ता, मोहन बंसल, शरद अग्रवाल, प्रकाश विश्वकर्मा आदि मौजूद थे।

जांच अभियान में 1 ट्रैक्टर जब्त

बोकारो (सत्रे): उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न स्थानों पर खनिज लदे वाहनों की सघन जांच अभियान चलाया गया, जिसमें खेतको नदी घाट क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। जांच के क्रम में सेक्टर १२ थाना अंतर्गत जोशी कॉलोनी, पुलिस केंद्र के समीप अवैध रूप से स्टोन चिप्स खनिज का परिवहन करते हुए ०१ ट्रैक्टर को पकड़ा गया, जिसे जब्त करते हुए सेक्टर १२ थाना को सुपुर्द किया गया।

साथ ही, अंचल अधिकारी चंद्रपुरा से प्राप्त सूचना के आधार पर चंद्रपुरा थाना अंतर्गत स्टेशन रोड महालक्ष्मी इंटरप्राइजेज के समीप अवैध रूप से भंडारित स्टोन चिप्स एवं बालू खनिज को पकड़ा गया, जिसे विधिवत जब्त किया गया।उक्त अभियान में खान निरीक्षक जितेंद्र कुमार एवं सीताराम टुडु, पुलिस बल आदि मौजूद थे।

गरीबों के बीच कंबल वितरण की मांग

डुमरी (सत्रे): जिप सदस्य सुनीता कुमारी ने मंगलवार को एक प्रेस बयान जारी कर कहा है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में अब तक कंबल वितरण नहीं किया गया है जबकि पूर्व में ठंड प्रवेश करते ही जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण शुरू कर दी जाती थी।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तापमान ५ डिग्री तक पहुंच चुका है परंतु अब तक गरीबों के बीच कंबल वितरण नहीं की गई है,आखिर इसका क्या कारण है।

जिप सदस्य यह सवाल किया है कि क्या सरकार कि खजाना खाली हो गया है या फिर विभागीय लापरवाही किया जा रही है।

नेहरू युवा केन्द्र में खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

डुमरी (सत्रे): नेहरू युवा केन्द्र द्वारा मंगलवार को केबी उच्च विद्यालय डुमरी के मैदान में दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा नेता प्रशांत जायसवाल विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता दिनेश महतो, निर्मल जायसवाल मुखिया प्रतिनिधि असलम अंसारी आदि ने संयुक्त रूप से फीता काट कर एवं फुटबॉल में कीक मारकर किया।वहीं अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर अपने खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु अपनी शुभकामनाएं दी।खेलकूद का पहला मैच फुटबॉल का जेएससी पडरियाटांड़ और जेटी क्लब बाराडीह के बीच खेला गया जिसमें बाराडीह ०१ गोल से विजयी रहा।

दो दिवसीय इस खेलकूद प्रतियोगिता में बालक एवं बालिकाओं का फुटबॉल, कबड्डी, लम्बी कूद, दौड़ आदि विभिन्न खेल खेले जायेंगे। नवयुवकों संघ स्पोर्टिंग क्लब कुल्ही के सहयोग से आयोजित इस खेलकूद प्रतियोगिता में एनवाईके डुमरी ईकाई के अध्यक्ष केदार महतो कोषाध्यक्ष संतोष कुमार सचिव मौजीलाल महतो, करमचंद महतो, विनय कुमाकुमा, अरविन्द कुमार रेफरी हिरालाल महतो,राजेश सिंह आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

जिले के सभी प्रखंडों में मनेगा सुशासन सप्ताह

बोकारो (सत्रे): आगामी १९ दिसंबर से २४ दिसंबर तक सुशासन सप्ताह (गुड गवर्नेंस वीक) का आयोजन किया जाना है। जिले में इसके सफल आयोजन को लेकर मंगलवार को उप विकास आयुक्त (डीडीसी) गिरजा शंकर प्रसाद ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक किया। इस दौरान वीडियो संवाद (वीसी) के माध्यम से विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) एवं अंचल अधिकारी (सीओ) भी जुड़े रहें।

उप विकास आयुक्त (डीडीसी) ने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार १९ दिसंबर से २४ दिसंबर तक सुशासन सप्ताह का आयोजन किया जाना है। सुशासन सप्ताह के अंतर्गत प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम आयोजित होंगे। कहा कि सुशासन सप्ताह मनाने का उद्देश्य है कि आमजन की समस्याओं का तत्काल समाधान, ग्रामीणों को सरकार योजनाओं की जानकारी देना, अंतिम लाभार्थी तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करना है।

अभियान के तहत जिले के

सभी प्रखंडों और स्थानीय शहरी निकायों (नगर निगम चास/नगर पंचायत फुसरो) क्षेत्र में शिविर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारियों को सुशासन सप्ताह के सफल आयोजन को लेकर सभी तैयारियां एवं व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया।

कहा कि शिविर में इस दौरान केंद्र एवं राज्य सरकार और प्रशासन की ओर से चलाएं जा रहें विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी भी दी जाएगी।

इन शिविरों में राजस्व, समाज कल्याण, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य विभागों से संबंधित समस्याओं का निपटारा किया जाएगा। उप विकास आयुक्त (डीडीसी) जिला स्तर एवं प्रखंड स्तर पर आवेदनों का निष्पादन शत प्रतिशत सुनिश्चित किया जाएगा। इसकी मॉनिटरिंग का निर्देश दिया। उधर, उप विकास आयुक्त (डीडीसी) ने सामाजिक सुरक्षा के तहत संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं के लाभुकों का सत्यापन कार्य के प्रगति का भी समीक्षा किया। उन्होंने इस कार्य में तेजी लाने को कहा। सभी बीडीओ/सीओ को सत्यापन कार्य शत प्रतिशत २० दिसम्बर २०२४ तक पूरा करने का निर्देश दिया। जानकारी हो कि, जिले में #सामाजिक सुरक्षा विभाग के तहत संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं के लाभुकों की संख्या कुल २,२६,६९२ है। जिनका सत्यापन किया जाना है।

वहीं, प्रखंड/ अंचल कार्यालय में संचालित आधार शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार करने एवं छूटे हुए लोगों का आधार कार्ड बनाने, आधार में व्याप्त त्रुटि को दूर करने का निर्देश दिया। मौके पर सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा श्री पियूष, डीआइओ धनंजय कुमार, युआइडी डीपीएम शैलेंद्र मिश्र व अन्य उपस्थित थे।

संगठन को मजबूत बनाने पर चर्चा

धनबाद (कासं) : प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव

महतो कमलेश से झारखंड में संगठन को मजबूत बनाने पर और पार्टी में अनुशासन हर हाल में बना रहे इस पर विस्तृत रूप से चर्चा हुई।

उन्होंने कहा कि संगठन को प्रदेश से लेकर पंचायत स्तर तक मजबूत किया जाएगा तथा नए और उर्जावान लोगों को भी मौका दिया जाएगा। श्री महतो ने कहा कि पार्टी में किसी भी अस्तर पर अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उसके बाद प्रदेश अध्यक्ष और अनुशासन समिति के सदस्य युवा कांग्रेस के द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया जिसमें १८ दिसंबर को होने वाले राज भवन घेराव पर अपना-अपना विचार व्यक्त किया।

भारतीय सनातनी समाज ने निकाला जनाक्रोश मार्च

डुमरी (सत्रे): बांग्लादेश में हिन्दू परिवारों के साथ किये जा रहे बर्बरता एवं नरसंहार के विरुद्ध पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मंगलवार को भारतीय सनातन समाज के बैनर तले जन आक्रोश मार्च निकाली गई। सनातनी सह क्षेत्र की सामाजिक कार्यकर्ता बबिता जायसवाल के नेतृत्व में रांगामाटी रेलवे फाटक से निकला आक्रोश मार्च, इसरी चौक,बस स्टैंड, बेरमो मोड़ होते हुए बनांचल चौक तक गया। इस दौरान दर्जनों सनातनी महिला पुरुष शामिल थे।सभी अपने हाथों में भगवा झंडे एवं तख्ती लिये हुए बांग्लादेश के विरुद्ध नारेबाजी कर रहे थे।साथ ही केंद्र सरकार से बांग्लादेशी हिंदुओं के रक्षा के लिए कठोर कदम उठाने तथा व्यापारिक रिश्ते समाप्त करने की मांग कर

रहे थे। बनांचल चौक में आयोजित सभा में संबोधित करते हुए बबिता जायसवाल ने कहा कि हिंदू भाई बहनों पर जो अत्याचार आज बांग्लादेश में हो रहा है,वह मानवता को शर्मसार करने वाला है।कहा कि अब समय आ गया है कि हम सभी सनातनियों को एकजुट एवं संगठित होना होगा।

इस दौरान कृष्णनंदन मोदी, द्वारिका प्रसाद, महादेव साहू, राजेश शर्मा, रामदेव रविदास, बिनोद विश्वकर्मा, मिथुन जायसवाल, प्रियरंजन जायसवाल, रंजीत यादव, राजेश अग्रवाल, राजेश सोनी, महेश सोनी, चंदन जयसवाल, मनीष बरनवाल, दीपक सिन्हा, शिव स्वर्णकार, अमित जायसवाल, नकुल कुमार, मनोज चौधरी, राजकमल महतो,जगरनाथ ठाकुर, रेखा देवी आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

डीपीएस बोकारो ने जीता इंडिया स्कूल मेरिट अवार्ड

बोकारो (सत्रे): गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं विद्यार्थियों के समग्र उत्थान की दिशा में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो का प्रयास एक बार फिर रंग लाया। विद्यालय को इंडिया स्कूल मेरिट अवार्ड २०२४ से सम्मानित किया गया है। बेंगलुरु के 'द ताज' में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान विद्यालय को पुरस्कृत किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए इस अवार्ड के तहत दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो को सीबीएसई सिटी-वाइज कैटेगरी में एक वृहद सर्वे के पश्चात रैंक १ प्रदान किया गया।

शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने वाले संस्थान 'एजुकेशन टुडे' की ओर से देशभर के

१७६० विभिन्न विद्यालयों का सर्वे किया गया। इनमें सीबीएसई सिटी-वाइज कैटेगरी में बोकारो से एकमात्र डीपीएस बोकारो ने यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त किया। शैक्षणिक प्रतिष्ठा, नेतृत्व एवं गुणवत्ता प्रबंधन, अभिभावकों की सहभागिता, डिजिटल लर्निंग, शिक्षकों की उन्नति, सामुदायिक सेवा, भविष्य की तकनीक पर आधारित आधारभूत संरचनाओं तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास सहित कुल १५ मानकों के आधार पर डीपीएस बोकारो उक्त पुरस्कार के लिए सर्वे में खरा उतरा। मंगलवार को विद्यालय में आयोजित एक विशेष प्रार्थना-सभा के दौरान विद्यालय के उप प्राचार्य अंजनी भूषण ने प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार को यह महत्वपूर्ण पुरस्कार सुपुर्द किया। पुरस्कार की घोषणा के साथ ही विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

प्राचार्य डॉ. गंगवार ने इसे प्रत्येक विद्यार्थी, सभी शिक्षकों तथा विद्यालय परिवार के अन्य सभी सदस्यों के योगदान, परिश्रम, उनकी लगन व तत्परता का सकारात्मक परिणाम बताया। उन्होंने बेहतरी का यह सिलसिला आगे भी लगातार बरकरार रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी उपलब्धियां मील का पत्थर हैं, जो हमें और भी प्रतिबद्धता के साथ काम करने की प्रेरणा देती हैं।

झारखंड अंकगणित जीनियस प्रतियोगिता के विजेता बने सुजीत

चास,बोकारो (सत्रे): डीपीएस चास बोकारो के छात्रों ने प्रतिष्ठित अखिल भारतीय अंकगणित जीनियस प्रतियोगिता में विजेता बनकर एक बार फिर अपने स्कूल का नाम रौशन किया है। विद्यालय के चौथी कक्षा के सुजीत कुमार महथा ने अपनी असाधारण प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य चैंपियन के रूप में जीत हासिल की। इसके लिए उसे पुरस्कार स्वरूप १०,०००/- (दस हजार रुपये), प्रमाण-पत्र व ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता रांची में आयोजित की गई थी, जहाँ राज्य भर के विभिन्न स्कूलों के सैकड़ों प्रतिभागियों ने अपने गणितीय कौशल का प्रदर्शन किया।

डीपीएस चास, बोकारो के दो अन्य प्रतिभागियों जिसमें

दूसरी कक्षा के कियान ओझा, पाँचवीं कक्षा के आदर्श कुमार सिंह ने भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया था जिन्हें प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि छात्रों की प्रतिबद्धता और उनके शिक्षकों के मार्गदर्शन को दर्शाती है, जिन्होंने उन्हें इतने ऊंचे स्तर के लिए तैयार करने के लिए अथक प्रयास किया है।

इस अवसर पर विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस. मोहन ने छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए उनकी प्रशंसा की और कहा कि यह जीत छात्रों के अटूट दृढ़ संकल्प, शिक्षकों के समर्पण का एक प्रमाण है। यह सफलता उन्हें न केवल उच्च लक्ष्य रखने और उत्साह और आत्मविश्वास के साथ सीखने के लिए प्रोत्साहित करती है बल्कि यह अन्य छात्रों को भी उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करेगा।

विद्यालय की निदेशिका डॉ. मनीषा तिवारी ने भी छात्रों को बधाई देते हुए कहा, कि यह अविश्वसनीय उपलब्धि है। यह हमारे विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और दृढ़ता और उनके शिक्षकों के प्रयास को दर्शाता है। पूरे डीपीएस चास, बोकारो परिवार को इस उपलब्धि पर बेहद गर्व है, जो न केवल स्कूल को सम्मान दिलाता है बल्कि अन्य छात्रों के लिए भी उच्च लक्ष्य रखने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरणा का काम करता है।

नशे में धुत कार सवार ने 5 को रौंदा, 4 की मौत

आगरा (ईएमएस): यमुना एक्सप्रेसवे पर देर रात भीषण नशे में धुत कार सवारों ने चार लोगों को रौंद दिया। हादसे में चारों की मौत हो गई। वहीं हादसे से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। उसको भर्ती कराया गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सूचना पर तत्काल खंदौली टोल अथॉरिटी की टीम व थाना प्रभारी निरीक्षक खंदौली राकेश कुमार चौहान पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गये। पुलिस ने गंभीर रूप से घायल को आगरा के एस.एन हॉस्पिटल में भेज ४ मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कार्यालय नगर पंचायत, जामताड़ा
Email Id- Jamtaranagarpanchayat@gmail.com

!! आम–सूचना !!

एतद् द्वारा नगर पंचायत, जामताड़ा क्षेत्रान्तर्गत 113 होल्डिंग टैक्सधारियों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2023–24 तक टैक्स का भुगतान नहीं करने पर जामताड़ा नगर पंचायत द्वारा कई बार नोटिश के माध्यम से आपको सूचित किया गया है। जिसके बावजूद भी आपके द्वारा अबतक बकाया होल्डिंग टैक्स जमा नहीं किया गया है। 7 (सात) दिनों के अंदर होल्डिंग टैक्स भुगतान करना सुनिश्चित करेंगे, अन्यथा झारखण्ड नगरपालिका अधिनियम 2011 के धारा 184 के तहत् कार्रवाई की जाएगी साथ ही साथ आपके बैंक खाता को फ्रीज करते हुए आपके प्रॉपटी को सील भी किया जा सकता है। बकाया होल्डिंगधारकों की सूची निम्नवत् हैः–

Sl no	Demand No	Notice Type	Ward No	Holding No	Owner Name	Property Address	Amount
1	NOTICE193673	Third Notice	3	003000046000X4	SHEKH SARFUDDIN	JITU DANGAL, JAMTARA	113953
2	NOTICE183824	First Notice	10	0100000422000X1	ARTI CHOUDHARY	NEAR GANDHI MAIDAN, JAMTARA	99804
3	NOTICE183825	First Notice	11	0110000323000X1	JUGAAL KUMAR MANDAL	SAHANA, JAMTARA	86205
4	NOTICE193671	Second Notice	4	0040000013000A1	RANJIT PRASAD SAW	DHANDHRA DUMKA ROAD	54368
5	NOTICE193674	Second Notice	4	0050000234000X1	DINANATH MAHATO,KRIPASINDHU MAHATO,RAVINDRANATH MAHATO	DUMKA ROAD,JAMTARA	42609
6	NOTICE193714	Third Notice	13	0130000405000A1	SUBHASINI SOREN	COURT ROAD JAMTARA	40753
7	NOTICE190897	Third Notice	14	0140000117000A1	KEMLENDRA KISHOR SINGH	MATRI AASHARAM COURT ROAD	40741
8	NOTICE193666	Third Notice	2	0020000094000A4	SHEKH SURFUDDIN	NAMUPARA,JAMTARA	40380
9	NOTICE183844	Third Notice	11	0110000173000A1	RAJAT MAHATA	S.B.I ROAD JAMTARA	37680
10	NOTICE193719	Third Notice	14	0140000020000A5	ATAULLAH ANSARI	AZAD NAGAR JAMTARA	37680
11	NOTICE193721	Third Notice	14	0140000015000J1	PRATAP SINGH	JAMTARA	36481
12	NOTICE89756	Third Notice	14	0140000155000A1	SAMBHU NATH MANDAL	MATRI AASARAM	35189
13	NOTICE90043	Third Notice	7	0070000209000A1	KUMARI KALPANA DUTTA	KAISTHPARA JAMTARA	34545
14	NOTICE89787	Third Notice	13	0130000218000A1	RUKSHANA	PREMDHAM ROAD,JAMTARA	34522
15	NOTICE89799	Third Notice	13	0130000368000A1	MINA DEVI	COURT ROAD, NARAYANDHAM	34448
16	NOTICE190896	First Notice	1	0010000422000A1	MALTI DEVI	D A V SCHOOL ROAD, JAMTARA	33553
17	NOTICE193691	Third Notice	5	0050000013000A1	SUMATI DEVI	NEW PANDEYDIH JAMTARA	33434
18	NOTICE193685	Second Notice	8	0080000260000X1	DHRUB NARAYAN SARKAR	STATION ROAD JAMTARA	30814
19	NOTICE190894	First Notice	2	0020000236000A1	MAHADEV MANDAL	RAJPALLI	28934
20	NOTICE190898	First Notice	4	0040000201000X4	MEENA DEVI	DHANDRA JAMTARA	28928
21	NOTICE193676	Second Notice	4	0040000346000A4	RITA DEVI	DUMKA ROAD BY PASS JAMTARA	27431
22	NOTICE190913	Third Notice	14	0140000091000A1	JUTIKA RANI DUTTA	MATRI ASHARAM JAMTARA	27404
23	NOTICE190876	Third Notice	5	0050000273000A1	LALPARI DEVI	DUMKA ROAD DHANDARA	27203
24	NOTICE89781	Third Notice	13	0130000255000A1	VIJYA DEVI	PREMDHAM COURT ROAD,JAMTARA	26977
25	NOTICE193660	Third Notice	1	0010000410000A1	NAND GOPAL SINGH	RAJBARI (JAMTARA)	25494
26	NOTICE190883	Third Notice	7	0070000043000A1	KAUSHALYA RANA	KAYESTHPARA JAMTARA	25443
27	NOTICE190917	First Notice	5	0050000427000A4	RINA MANDAL	PANDEYDIH	23438
28	NOTICE90019	Third Notice	8	0080000192000X1	KRISHNA PRASAD SAH	HATIA ROAD JAMTARA	21333
29	NOTICE190927	First Notice	4	0040000246000X2	SHEKH SARFUDDIN	DUMKA ROAD	21265
30	NOTICE193705	Third Notice	13	0130000001000A1	MD ALAM	premdham	20995
31	NOTICE89800	Third Notice	13	0130000056000A1	SINGH SAMRAT	COURT ROAD JAMTARA	20957
32	NOTICE190942	Third Notice	9	0090000457000F4	GOVIND NARNOLIA	New town, Jamtara	18501.28
33	NOTICE183860	First Notice	4	0040000113000A1	MD ARMAN ALI	DHANDARA	15535
34	NOTICE219986	Third Notice	7	0070000327000X1	HARANATH GON	BAZAR ROAD	15447
35	NOTICE190918	Third Notice	8	0080000082000X1	DHRUBA DAS MISHRA	NEAR PHED OFFICE, STATION ROAD, P.S+DIST. - JAMTARA	14973.6
36	NOTICE190951	Third Notice	9	0090000127000A1	DIPTI SARKAR	NEW TOWN JAMTARA	13636.96
37	NOTICE87629	Third Notice	4	0040000307000A2	LAKHINDRA HEMBRAM	DHANDRA JAMTARA	13603
38	NOTICE183863	First Notice	4	0040000255000A1	FAGU CHOUDHARY	DHANDHARA	13424
39	NOTICE183846	Third Notice	14	0140000522000M0	SHILA DEVI	TILABAD JAMTARA	13400.8
40	NOTICE216991	Third Notice	6	0060000345000A1	RAMNATH SINGH	MAHUL DANGAL JAMTARA	12838.08
41	NOTICE216984	Third Notice	10	0100000214000X4	USHA BHANDARI	SARKHELDIH JAMTARA	12751.56
42	NOTICE183873	First Notice	4	0040000367000A5	INO RAI	DUMKA ROAD, DHANDHARA	12397
43	NOTICE193735	Third Notice	10	0100000182000A1	SUPRIYA KUMARI	JAMTARA	12305
44	NOTICE190960	Third Notice	11	0110000383000M0	NIRMAL KR DUBEY , AKSHAY KR DUBEY & SUNIL KR DUBEY	SAHANA,JAMTARA	11891.92
45	NOTICE214172	Third Notice	4	0040000193000X1	SURY NARAYAN PAL	BUS STANDE DUMKA ROAD	11748.38
46	NOTICE190931	Third Notice	8	0080000256000D3	ARDHENDU MISHRA	Station road ,P H E D GALI JAMTARA	11512
47	NOTICE214177	Third Notice	5	0050000289000A1	DHANESHWAR MANDAL	PANDEYDIH	11164.24
48	NOTICE190949	Third Notice	10	0100000318000A1	SAROJA DEVI	TEACHER COLONI, SARKHELDIH	11164.24
49	NOTICE193751	Third Notice	10	0100000305000A1	IRFAN ANSARI	SARKHELDIH JAMTARA	11080
50	NOTICE190961	Third Notice	13	0130000385000M0	BALESHWAR MANDAL, BIKAS KUMAR PANDEY , AKANAN RAO	PREMDHAM , JAMTARA	10881.04
51	NOTICE219994	Third Notice	9	0090000274000X1	BIHARI KUMAR NARNOLIA	NEW TOWN	10262.4
52	NOTICE190965	Third Notice	11	0020000053000X5	PURNI DEVI	SAHANA JAMTARA	9454
53	NOTICE219989	Third Notice	14	0140000366000X1	SADHAN KUMAR MAJEE	TILABAD	9235.04
54	NOTICE190966	Third Notice	3	0030000215000A4	DROPADI DEVI	JITU DANGAL NEAR CUMBIND BUILDING JAMTARA	9220.08
55	NOTICE183827	Third Notice	7	0070000350000X1	SHARWAN KUMAR NARNOLIA	HATIA ROAD JAMTARA	8739.04
56	NOTICE219993	Third Notice	9	0090000290000X1	BIHARI KUMAR NARNOLIA	NEW TOWN	8539.2
57	NOTICE219986	Third Notice	7	0070000327000X1	HARANATH GON	BAZAR ROAD	8241.92
58	NOTICE216962	Third Notice	4	0040000336000A1	MITHILA DEVI	DHANDHARA JAMTARA	8216.64
59	NOTICE190929	Third Notice	9	0090000080000A1	KISHOR KUMAR NARNOLIA	NEW TOWN,JAMTARA	8009.6
60	NOTICE216941	Third Notice	3	0030000021000A5	SOHEL KHAN	JITUDANGAL	7941.28
61	NOTICE216968	Third Notice	9	0090000271000X1	UMA SHANKAR NARNOLIA	NEW TOWN	7635.6
62	NOTICE220004	Third Notice	9	0090000081000A1	KALYANI DEVI	NEW TOWN JAMTARA	7541.74
63	NOTICE219997	Third Notice	10	0100000165000X1	MEENA DEVI	SARKHELDIH JAMTARA	7449.52
64	NOTICE216956	Third Notice	9	0090000282000A1	PRASUN KUMAR GHOSH	NEW TOWN JAMTARA	7437.6
65	NOTICE214196	Second Notice	12	0120000079000A1	CHAMPA DEVI	Gaichand	7434.72
66	NOTICE193726	Third Notice	4	0040000187000M0	BISHWAJEET MANDAL	DHANDHRA JAMTARA	7172.96
67	NOTICE216953	Third Notice	9	0090000464000A4	SITA RANI SINGH	New town	7136
68	NOTICE219999	Third Notice	2	0020000522000M0	KALPANA RAJHANS	NAMUPARA(JAMTARA)	7040
69	NOTICE193727	Third Notice	7	0070000255000A1	RAJESH KUMAR BARMAN	KAYASTHAPARA	7008.48
70	NOTICE216955	Second Notice	5	0050000393000D1	SUMATI DEVI	PANDEDIH JAMTARA	6991.2
71	NOTICE216952	Third Notice	12	0120000215000A4	GANGA RAM MANDAL	GAICHHAND,JAMTARA	6953.92
72	NOTICE216942	Third Notice	3	0030000742000X5	DURGA PRASAD SINGH	DIRASAL JAMTARA	6950.56
73	NOTICE216958	Third Notice	9	0090000013000A1	TRIPTI DUTTA	NEW TOWN AAMBAGAN	6889.04
74	NOTICE216951	Third Notice	9	0090000061000A1	SANJIV KUMAR DUTTA	AAM BAGAN NEW TOWN JAMTARA	6818.4
75	NOTICE216969	Second Notice	7	0070000251000A1	RAJESH SEKSARIA&VIKRAM SEKSARIA	KAYESTHPARA JAMTARA	6799.84
76	NOTICE220010	Third Notice	4	0040000510000A4	UMA PRASANNA MAHTO	Dumka Road Dhandhara	6758.8
77	NOTICE216972	Second Notice	10	0100000018000A1	KARMI DEVI	SARKHELDIH	6691.04
78	NOTICE216936	Third Notice	1	0010000253000A1	SUBHADRA DEVI	NEW COLONY(RAJBARI)	6660.88
79	NOTICE216959	Third Notice	9	0090000322000A1	USHA KIRAN SINGH	NEW TOWN JAMTARA	6635.28
80	NOTICE216946	Third Notice	11	0110000325000A1	MUKESH KUMAR MANDAL	SAHANA MANDAL PARA	6603.72
81	NOTICE193730	Third Notice	3	0030000891000D1	RINKU DEVI	SRIRAMPUR	6529.52
82	NOTICE216948	Third Notice	1	0010000183000A1	KISHOR RAWANI	RAJBARI JAMTARA	6447.92
83	NOTICE216947	Third Notice	12	0120000621000M0	Manindra Narayan singh	Gaichhand	6446.48
84	NOTICE220021	Third Notice	10	0100000415000A1	RABINDRA NATH RAUT	NEAR ALLAHABAD BANK JAMTARA	6425.04
85	NOTICE220018	Third Notice	1	0010000195000A1	BHAWANI DEVI	D C KOTH ROAD	6425.04
86	NOTICE193733	Third Notice	14	0140000243000A1	LALU SAW	MIHIJAM ROAD TILA BAD JAMTARA	6388
87	NOTICE193734	Third Notice	5	0050000287000A1	ABLA DEVI	JAMTARA	6381.14
88	NOTICE193732	Third Notice	1	0010000030000A8	MARIYAM BIBI	RAJBARI JAMTARA	6378.4
89	NOTICE193740	Third Notice	11	0110000302000A1	ARTI DEVI	JAMTARA	6247.6
90	NOTICE193752	Third Notice	8	0080000104000X1	MAHABIR MITTAL	BAZAR ROAD	6158.72
91	NOTICE214229	Third Notice	12	0120000005000A1	MAGA RAM DUTT	GAICHHAND	6154.24
92	NOTICE193739	Third Notice	10	0100000127000A1	ASMA KHATOON	RAKHBAN,JAMTARA	6135.36
93	NOTICE216975	Third Notice	2	0020000007000A1	BUTAN MANDAL	NAMUPARA	6046.16
94	NOTICE220026	Third Notice	4	0040000221000A1	MD ISHA	DHANDARA DUMKA ROAD JAMTARA	5986.64
95	NOTICE193736	Third Notice	6	0060000376000X1	KARIM KHAN	MOHULDANGAL,JAMTARA	5872.92
96	NOTICE216954	Third Notice	8	0080000211000X4	RAM NATH SINGH	BAZAR ROAD	5862.48
97	NOTICE216945	Third Notice	9	0090000422000F2	SHIV SHANKAR NARNOLIA	NEW TOWN JAMTARA	5816
98	NOTICE193738	Third Notice	8	0080000018000A1	KALPANA MISHRA	BAZAR ROAD JAMTARA	5700
99	NOTICE193743	Third Notice	2	0020000083000A1	BINOD PARSAD SINGH	NAMUPARA JAMTARA	5693.68
100	NOTICE193750	Third Notice	6	0060000015000A8	MD FIROZ ANSARI	MAHUL DANGAL JAMTARA	5692.56
101	NOTICE217034	Third Notice	2	0020000101000A1	ASHA DEVI	RAJBARI RAKSHA KALI MANDAI	5652.48
102	NOTICE216918	Second Notice	6	0060000063000A1	MD IMTIYAZ	MOHULDANGAL	5642.38
103	NOTICE214236	Second Notice	14	0140000161000A1	BIMLA DEVI	TILABAD JAMTARA	5638
104	NOTICE214248	Second Notice	11	0110000012000A1	PHANI BHUSHAN MISHRA	SAHANA JAMTARA	5615.92
105	NOTICE193746	Third Notice	4	0040000285000A1	BHUDEV MANDAL	DHANDRA DUMKA ROAD	5592.56
106	NOTICE193744	Third Notice	4	0040000337000A1	BUGALI DEVI	JAMTARA	5590.24
107	NOTICE193753	Third Notice	4	0040000243000X1	N,PREMSILA DEVI	DUMKA ROAD DHANDARA JAMTARA	5587.84
108	NOTICE193756	Third Notice	6	0060000036000A1	TARNI BAURI	MOHUL DAGAL	5584.56
109	NOTICE193754	Third Notice	8	0080000047000A1	JAYANTI MISHRA	BAZAR ROAD JAMTARA	5584.56
110	NOTICE193755	Third Notice	13	0130000337000A5	LATE SITA DEVI	PAUL BAGAN (COURT ROAD)	5551.92
111	NOTICE214231	Third Notice	9	0090000183000A1	BIJEN CHANDRA SINGH	NEW TOWN JAMTARA	5509.6
112	NOTICE216965	Third Notice	5	0050000223000X1	ASHA DEVI	DUMKA ROAD,NEAR BUS STAND	5468.84
113	NOTICE193760	Third Notice	1	0010000037000A4	NAGESHWAR PRASAD RAY	RAJBARI,NEAR RAKSHA KALI MANDIR	5461.68
				TOTAL			1864953

PR 342211 (Urban Development and Housing) 24-25 (D)

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर पंचायत,जामताड़ा

23 से शुरू होगी नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा

पटना (एजेंसी): बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार २३ दिसंबर से बिहार यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं। सीएम नीतीश की यात्रा को लेकर रोड मैप तैयार कर लिया गया है। हालांकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यात्रा को पहले महिला संवाद यात्रा नाम दिया गया था और १५ दिसंबर से इस यात्रा की शुरुआत होनी थी, लेकिन सीएम की ये यात्रा अब २३ दिसंबर से शुरू होगी और इसका नाम प्रगति यात्रा रखा

गया था। मुख्यमंत्री की पहले चरण की यात्रा २३ दिसंबर से शुरू होगी जो २८ दिसंबर तक चलेगी। मुख्यमंत्री यात्रा के पहले दिन पश्चिम चंपारण जाएंगे और रात्रि विश्राम बाल्मीकि नगर में करेंगे। वहीं दूसरे दिन २४ दिसंबर को पूर्वी चंपारण में यात्रा करेंगे और फिर पटना लौट जाएंगे। मुख्यमंत्री उसके बाद फिर २६ दिसंबर को शिवहर और सीतामढ़ी में यात्रा करेंगे और पटना वापस आ जाएंगे फिर २७ दिसंबर को मुख्यमंत्री मुजफ्फरपुर में यात्रा करेंगे और फिर पटना लौटेंगे। वैसे ही मुख्यमंत्री शनिवार यानी २८ दिसंबर को वैशाली जाएंगे और वैशाली के बाद फिर पटना लौटेंगे। मुख्यमंत्री के इस यात्रा का नाम प्रगति यात्रा दिया गया है, इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री विभिन्न योजनाओं का समीक्षा भी करेंगे।

सीएम नीतीश कुमार के इस यात्रा को लेकर बिहार में सियासी बाजार गरम था. तेजस्वी यादव लगातार ये बात कह रहे थे कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यात्रा से सरकारी खजाने का दुरुपयोग किया जा रहा है. तमाम राजनीति के बाद नीतीश कुमार की ये यात्रा शुरू होने जा रही है। नीतीश कुमार की इस यात्रा को प्रगति यात्रा के नाम से जाना जाएगा जिसकी शुरुआत २३ दिसंबर से होने जा रहा है।

सीएम नीतीश का योगी स्टाइल, पटना में चला बुलडोजर

पटना (एजेंसी) : बिहार की राजधानी पटना के स्लम बस्ती पर प्रशासन का बुलडोजर ताबड़तोड़ चल रहा है. राजधानी में लगातार अतिक्रमण के खिलाफ जिला प्रशासन अभियान चला रहा है। इसी कड़ी में कमला नेहरू नगर में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया. जिसमें लगभग हजारों छोटे-छोटे झोपड़ी को प्रशासन ने बुलडोजर के जरिए ध्वस्त कर दिया.

कमला नेहरू नगर में हजारों परिवार पिछले कई वर्षों से रहते आ रहे है. उनका आरोप है कि प्रशासन ने किसी भी तरह का नोटिस नहीं दिया और ना ही इसके लिए अलग व्यवस्था की है. जिनके घरों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है उन्होंने कहा कि प्रशासन ने कभी नोटिस नहीं दिया और ना ही वैकल्पिक व्यवस्था दी है। नका कहना है कि उत्तर प्रदेश में सीएम योगी का बुलडोजर चल रहा है और उसी तरीके से यहां भी बुलडोजर चलाया जा रहा है. वहीं, अतिक्रमण हटाओ अभियान को लीड कर रहे मजिस्ट्रेट वेद प्रकाश गुप्ता ने बताया की राजधानी में सभी जगह पर अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यहां पर भी बिहार सरकार का कार्यालय बना है, जिसको लेकर जमीन आवंटन किया गया है. सरकारी भूमि पर यह लोग कह रहे हैं. कई बार इन लोगों को नोटिस भी दिया गया है. वैकल्पिक व्यवस्था भी है, लेकिन यह लोग यहां से नहीं हटे, जिसके बाद उनके घरों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है।

बिहार के सबसे बड़े घोटाले को लेकर यूपी में गिरफ्तारी

पटना (एजेंसी): बिहार के सबसे बड़े और चर्चित घोटाले में शामिल सृजन घोटाला में बड़ा कार्रवाई की गई है. सीबीआई ने भागलपुर को ऑपरेटिव सोसायटी में तत्कालीन सब डिविजनल ऑफिसर पद पर तैनात रहे सतीश झा को गिरफ्तार किया है. सतीश झा को यूपी के गाजियाबाद से गिरफ्तार किया गया है. बता दें कि गाजियाबाज से गिरफ्तार सतीश सृजन घोटाले के किंगपिन मनोरमा देवी का करीबी था. इससे पहले मनोरमा देवी की बहू रजनी प्रिया को भी दिल्ली से सटे साहिबाबाद से गिरफ्तार किया गया था. बता दें कि १९०० करोड़ के सृजन घोटाले में अब तक कई लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. सीबीआई ने २५ अगस्त २०१७ को सृजन घोटाला केस में जांच शुरू की थी. इस घोटाले में एनजीओ के खाते में ट्रांसफर की गई राशि का बंदरबांट हुआ था. बता दें कि २००४ में ही सृजन घोटाले की नींव साल रख दी गई थी. जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ती गई, वैसे-वैसे घोटाले की राशि भी बढ़ती गई. इस घोटाले में कई नामचीन चेहरे भी सामने आ गए. घोटाले की मास्टरमाइंड मनोरमा देवी के निधन के बाद उनके आरोपी बेटे अमित कुमार और बहू रजनी प्रिया पर सीबीआई की कार्रवाई जारी है. इसी बीच अब मनोरमा देवी के करीबी सतीश झा को गिरफ्तार किया गया है. बता दें कि सृजन महिला विकास सहयोग समिति को महिलाओं के स्वयं सहायता समूह के रूप में निबंधित की गई थी.

रेलवे बोर्ड जनवरी में करेगा नई समय सारणी जारी

पटना,(ईएमएस): पूर्व मध्य रेलवे की आधा दर्जन से ज्यादा ट्रेनें सुपरफास्ट से बन जाएगी एक्सप्रेस। इन ट्रेनों की गति कम कर दी गई है और स्टॉपेज बढ़ गए हैं। इसलिए जनवरी २०२५ में नई समय सारिणी में इनका सुपरफास्ट का दर्जा छिन सकता है। रेलवे बोर्ड इस पर विचार कर रहा है। पूर्व मध्य रेलवे के कई ट्रेनों की रफ़्तार और ठहराव में बदलाव के कारण, उन्हें सुपरफास्ट का दर्जा खोना पड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रेलवे बोर्ड जनवरी २०२५ में नई समय सारिणी जारी करेगा। इसमें इन ट्रेनों से सुपरफास्ट का दर्जा छिन सकता है। इससे यात्रियों को फायदा ही होगा क्योंकि उन्हें सुपरफास्ट का अतिरिक्त किराया नहीं देना होगा।

नवंबर २०२४ में रेलवे बोर्ड ने सभी जोन और मंडलों से ट्रेनों के समय और ठहराव की जानकारी मांगी थी। यह जानकारी मिलने के बाद अब बोर्ड नई समय सारिणी पर काम कर रहा है। रेलवे जून और अक्टूबर में समय सारिणी में बदलाव करता है, लेकिन २०२४ में ऐसा नहीं हुआ। इसलिए अब २०२५ में बड़े बदलाव की उम्मीद की जा रही है। सुपरफास्ट ट्रेनों की न्यूनतम गति ९० किमी प्रति घंटा होनी चाहिए, लेकिन बढ़ते ठहराव के कारण इन ट्रेनों की गति घटकर ७०-७५ किमी प्रति घंटा रह गई है। यही कारण है कि इनसे सुपरफास्ट का दर्जा छिन सकता है।

संभल में 46 साल बाद मंदिर मिलने से एक्शन में योगी सरकार

संभल (ईएमएस) : उत्तर प्रदेश के संभल में मुस्लिम बहुल इलाके में ४६ साल बाद मंदिर मिलने के बाद मंदिर में मंगलवार को भी पूजा हुई। मंदिर के सामने खुदाई करने के बाद एक कुआं भी मिला है, जिसमें भगवान की कई खंडित मूर्तियां भी मिली हैं। सीएम योगी ने इस मंदिर के बारे में कहा कि १९७८ के दंगों के बाद इलाके से हिंदुओं का पलायन हुआ। इस दौरान उन्होंने कुओं का भी जिक्र करते हुए समाजवादी पार्टी के विधायकों से पूछा कि संभल में २२ कुएं क्यों पाट दिए गए।

इसके अलावा संभल में अतिक्रमण हटाओ अभियान भी चल रहा है। दरअसल संभल में बिजली विभाग की टीम जांच करने पहुंची, तब पता चला कि कई घरों में धार्मिक स्थलों से बिजली चोरी हो रही है। जब कर्मचारियों ने इस लेकर कार्रवाई की बात कही, तब पूरी टीम को स्थानीय लोगों का

विरोध करना पड़ा। मामले में १२०० से ज्यादा केस दर्ज किए गए थे, जिसके बाद संभल में स्थानीय प्रशासन तीन दिन से बुलडोजर एक्शन कर रहा है।

संभल के नखासा इलाके के मुस्लिम बाहुल्य इलाके में ४६ साल बाद खुले मंदिर में मंगलवार सुबह हनुमान जी की पूजा अर्चना की गई। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस दौरान हनुमान जी की प्रतिमा पर सिंदूर का चोला चढ़ाया गया। इस मंदिर को फूलों से सजाया गया।

इस शिव मंदिर के पास स्थित मकानों का प्रशासन ने ब्यौरा मांगा है। मंदिर के पिछले हिस्से में स्थित मकान के अंदर जाकर जांच पड़ताल की थी। उन्होंने कहा था कि इसके अतिक्रमण को हटाया जाएगा। एएसपी ने कहा था कि मकान मालिक ने खुद ही अतिक्रमण को हटाने के लिए कहा है। मकान की नपाई की जा रही है और इसके बाद अवैध निर्माण पर की जाएगी। मंदिर में परिक्रमा होती थी या नहीं इस बात की जांच हो रही है।

इस बीच मंदिर के पास वाले मकान का अतिक्रमण हटाया जा रहा है। मकान मालिक मतीन खुद अपने घर के छज्जे को तुड़वा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने कहा था कि जो भी मकान का हिस्सा हमारा आगे निकला हुआ है हम खुद ही हटवाएंगे, इसमें हमें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने अपने बच्चों से भी ज्यादा मंदिर का ध्यान रखा है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो

शुद्धि - पत्र

इस प्रमण्डलान्तर्गत आमंत्रित ई–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– RDD/SD/ BOKARO/ 52/2024-25, जिसका पी० आर० संख्या– 341254 Rural Development (24-25)D है, को संशोधित कर ई–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– RDD/SD/BOKARO/54/2024-25 किया गया है, जिसका पी० आर० संख्या– 341661 Rural Development (24-25)_D है, में अपरिहार्य कारणवश तिथि निम्न प्रकार से संशोधित किया जाता है –

1. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि– 19.12.2024
2. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय–दिनांक 19.12.2024 से दिनांक 26.12.2024 को अपराह्न 05:00 बजे तक।
3. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय– दिनांक 28.12.2024 अपराह्न 02:00 बजे।

निविदा की शेष शर्तें यथावत् रहेंगी।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।

PR.NO.342250 Rural Development(24-25):D

कार्यालयः वन प्रमंडल पदाधिकारी, जामताड़ा वन प्रमंडल, जामताड़ा
Court Road, Jamtara, Jharkhand-815351
E-mail :- dfo-jamtara@gov.in

जामताड़ा वन प्रमंडल, जामताड़ा अन्तर्गत जामताड़ा एवं नारायणपुर वन प्रक्षेत्र के कार्यालय प्रांगण परिसर में विभिन्न प्रजाति के काष्ठ भंडारित है। वन क्षेत्र पदाधिकारी, जामताड़ा एवं नारायणपुर का मोबाईल नं0– 6203116930 एवं स्थल का जी0पी0एस0 N- 23°57'45.4" E- 86°47'32.6" / N- 24°3'15" E- 86°36'7" है। "जहाँ है, जिस स्थिति में है" के आधार पर कुल– 09 लॉटों की बिक्री हेतु आम नीलामी के लिए तिथि निर्धारित की गई जो निम्नवत है :–

क्र0	वन प्रक्षेत्र का नाम	वनागार का विवरण	आम निलामी की तिथि	आम निलामी का समय	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
1	जामताड़ा	जामताड़ा वन क्षेत्र कार्यालय जामताड़ा	07.01.2025	11 बजे पूर्वाह्न	
2	नारायणपुर	नारायणपुर वन क्षेत्र कार्यालय नाला	08.01.2025	11 बजे पूर्वाह्न	

नीलामी की शर्तें

1. नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति का GST अन्तर्गत निबंधन होना चाहिए।
2. नीलामी में गेट मनी के रूप में 5000/– (पाँच हजार रूपये) नगद अथवा बैंक ड्राफ्ट (जो कि Divisional Forest Officer, Jamtara Forest Division, Jamtara के पदनाम से निर्गत एवं जामताड़ा में भुगतेय), पैनकार्ड तथा जी0एस0टी0 निबंधन की छायाप्रति उपलब्ध कराने के पश्चात नीलामी में भाग लेंगे।
3. सर्वोपरी बोली लगानेवाले व्यक्ति को नीलामी में क्रय मूल्य का 20 प्रतिशत राशि तुरन्त जमा करना अनिवार्य होगा। अवशेश राशि जो बैंकर्स चेक अथवा बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से जमा करेंगे, जिसके संबंध में अलग से पत्र निर्गत कर सफल क्रेता को सूचना दी जाएगी।
4. नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति किसी भी दिन जामताड़ा एवं नारायण्पुर प्रक्षेत्र कार्यालय प्रांगण परिसर में लॉटों का अवलोकन कर सकते हैं। लॉट विवरणी प्रमंडलीय कार्यालय, जामताड़ा एवं नारायणपुर प्रक्षेत्र कार्यालय से सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।
5. लकड़ियों के क्रय मूल्य के अतिरिक्त अन्य कर (CGST, SGST तथा आयकर) क्रेता द्वारा अलग से जमा कर संबंधित प्रमाण–पत्र प्रमंडलीय कार्यालय, जामताड़ा में जमा करेंगे।
6. प्रमंडलीय कार्यालय, जामताड़ा द्वारा क्रेता से क्रय मूल्य एवं सेस की राशि बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से प्राप्त की जायेगी।
7. निलामी में भाग लेनेवाले सफल व्यक्ति 30 (तीस) दिनों के अन्दर पूरी राशि एवं GST तथा अन्य कर नियमानुसार एक मुश्त में जमा करना होगा।
8. सफल व्यक्ति को GST कर रिटर्न में D.F.O Jamtara **GSTIN No.- 20RCHJ00332D1D7** के पक्ष में रिवर्स चार्ज में प्रविष्टि (Entry) करना होगा। रिर्टन की प्रति प्रमंडलीय कार्यालय, जामताड़ा में जमा करने के पश्चात लकड़ी को विमुक्त किया जायेगा।
9. नीलामी में भाग लेने वाले सफल व्यक्ति द्वारा निर्धारित समय के अन्तर्गत पूरी राशि एवं अन्य कर जमा नही करने पर उनके द्वारा जमा किया गया अग्रधन/प्रतिभूति की राशि बिना कोई कारण बताये राज्यसात (Forfeit) कर लिया जायेगा।

नीलामी की तिथि में परिवर्त्तन एवं रद्द करने की शक्ति वन प्रमंडल पदाधिकारी, जामताड़ा वन प्रमंडल, जामताड़ा को होगा।

(राहुल कुमार),
भा0व0से0
वन प्रमंडल पदाधिकारी,
जामताड़ा वन प्रमंडल

PR 342244 Forest, Environment and Climate Changes(24-25).D

पूर्व मध्य रेल

विविध वैद्युतिक कार्य हेतु ई–निविदा सूचना विद्युत (सामान्य) विभाग के लिये खुली निविदायें

मंडल रेल प्रबन्धक (विद्युत) पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :–

ई–निविदा संख्या : ईएल/30/खुली/2024–25, **क्र.सं. :** 1, **कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि :** अन्य संबंधित कार्यों के साथ–साथ रिले रूम में उपलब्ध एसी की आउटडोर यूनिट के लिए टाइमर, कवर्ड शेड का प्रावधान एवं धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर लिफ्टों के लिए आपातकालीन कॉल बेल का प्रावधान। (कार्य समापन अवधि : नौ माह)। **क्र.सं. :** 2, **कार्य के लिए प्राक्कलित राशि :** रू. 88,59,813.62, **क्र.सं. :** 3, **बिड सिक्युरिटी :** रू. 1,77,200.00

ई–निविदा संख्या : ईएल/31/खुली/2024–25, **क्र.सं. :** 1, **कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि :** धनबाद कोचिंग डिपो में स्वचालित कोच वॉशिंग प्लांट (ए सी डब्ल्यू पी) की स्थापना और कमीशनिंग से संबंधित विद्युतीय कार्य। (कार्य समापन अवधि : छः माह)। **क्र.सं. :** 2, **कार्य के लिए प्राक्कलित राशि :** रू. 16,24,389.38, **क्र.सं. :** 3, **बिड सिक्युरिटी :** रू. 32,500.00

ई–निविदा संख्या : ईएल/32/खुली/2024–25, **क्र.सं. :** 1, **कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि :** (ए) बरवाडीह गहन परीक्षण यार्ड में परीक्षण सुविधाओं में सुधार से सम्बंधित वैद्युतिक कार्य (बी) धनबाद डिवीजन में पतरातू और पाथरडीह में माल वैगन रखरखाव सुविधाओं के उन्नयन और वृद्धि से सम्बंधित शेष वैद्युतिक कार्य (सी) बरवाडीह में ओवर हेड कंडक्टर, ट्रांसफॉर्मर और अन्य एक्सेसरीज के बदलाव के द्वारा बिजली आपूर्ति प्रणाली की पुनर्स्थापना। (कार्य समापन अवधि : छः माह)। **क्र.सं. :** 2, **कार्य के लिए प्राक्कलित राशि :** रू. 81,57,410.68, **क्र.सं. :** 3, **बिड सिक्युरिटी :** रू. 1,63,200.00

• **ई–निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय :** ई–निविदा बंद होने की तिथि 09.01.2025 को 11:00 बजे। ई–निविदा खुलने की तिथि 09.01.2025 को 11:30 बजे के बाद। • **वेबसाईट का विवरण :** वेबसाईट : **www.ireps.gov.in.** ई–निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत)
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/01703/डीएचएनजीएच/ईजीईएन/टी/24–25/72

युवक को युवती की मदद करना पड़ा महंगा

कासगंज (ईएमएस) : कासगंज में एक युवक ने यूपी पुलिस पर जबरदस्ती उसकी दूसरी शादी कराने का आरोप लगाया है। युवक का कहना है वह पहले से शादीशुदा है उसकी पत्नी और ५ साल की बेटी है। जब पत्नी को दूसरी शादी की बात पता चली तो वह नाराज होकर मायके चली गई। अब पत्नी आत्महत्या करने की धमकी दे रही है। यह मामला कासगंज के सोरों थाना क्षेत्र का है। पीड़ित युवक ने पुलिस पर जबरन उसकी दूसरी शादी कराने का आरोप लगाते शिकायत दर्ज कराई है। उसका कहना है कि पुलिसवालों की वजह से वह फंस गया है, उसकी शादीशुदा जिंदगी में बर्बाद होती नजर आ रही है।

101 रेलकर्मी अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार के लिए चयनित

हाजीपुर, (ईएमएस): भारतीय रेल द्वारा १०१ कर्मचारियों और अधिकारियों को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार देने का फैसला लिया गया है। चयनित कर्मचारी एवं अधिकारियों को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव २१ दिसंबर को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में सम्मानित करेंगे।

चयनित अधिकारियों और कर्मचारियों को नवाचार, आय में वृद्धि हेतु उल्लेखनीय प्रयास, उत्पादकता में वृद्धि के लिए समर्पण और आयात पर निर्भरता को कम करने एवं स्वदेशी तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने, रेल परिचालन, सुरक्षा और संरक्षा तथा रेलवे की परिसंपत्तियों के बेहतर संरक्षण हेतु अद्वितीय प्रयास करने के लिए अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार देने का फैसला लिया गया है। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार हेतु इस वर्ष पूर्व मध्य रेल के ०१ अधिकारी एवं ०४ कर्मचारियों का चयन किया गया है। धनबाद मंडल के वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक अन्जय तिवारी, सोनपुर मंडल में प्वाइंट्समैन पद पर कार्यरत श्याम सुंदर प्रसाद, डीडीयू में मुख्य वाणिज्य पर्यवेक्षक के पद पर कार्यरत संजीव कुमार, धनबाद मंडल में सीनियर

सेक्शन इंजीनियर (ड्राइंग एंड डिजाइन) पद पर कार्यरत कुंज बिहार लाल तथा धनबाद मंडल में लेखा सहायक प्रवीण रंजन को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित होने का गौरव हासिल हुआ है।

धनबाद मंडल के वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक अन्जय तिवारी की देश के प्रमुख ऊर्जा संयत्रों को उनकी मांग के अनुरूप कोयला की लोडिंग के लिए रेकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने, माल लदान में धनबाद मंडल की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने, परिसंपत्तियों के बेहतर रख-रखाव के साथ-साथ ट्रेनों के सुचारू परिचालन में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सोनपुर मंडल में प्वाइंट्समैन पद पर कार्यरत श्याम सुंदर प्रसाद अपनी जिम्मेवारियों के प्रति हमेशा सजग रहते हुए संरक्षित रेल परिचालन में अपना अहम योगदान दे रहे हैं। इसी तरह डीडीयू में मुख्य वाणिज्य पर्यवेक्षक पद पर कार्यरत संजीव कुमार ने रेल राजस्व में वृद्धि हेतु वित्त वर्ष २०२३-२४ में ज्यादा से ज्यादा व्यापारियों को रेल के माध्यम से माल की बुकिंग हेतु प्रोत्साहित किया। धनबाद मंडल में सीनियर सेक्शन इंजीनियर (ड्राइंग एंड डिजाइन) पद पर कार्य करते हुए कुंज बिहार लाल का महुरिया-दुधीनगर, अनपरा रोड-कृष्णशिला आदि रेलखंडों पर छोटे/बड़े रेल पुलों, एलएचएस आदि के ड्राइंग/डिजाइन में अहम भूमिका रही है । धनबाद मंडल में लेखा सहायक पद पर कार्यरत प्रवीण रंजन को भी रेल मंत्री द्वारा उनके उल्लेखनीय कार्य प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा।

दो दिग्गज नेताओं ने जन सुराज से दिया इस्तीफा

पटना (एजेंसी): बिहार की ४ विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में करारी हार के बाद चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं. उनकी पार्टी जनसुराज को एक दिन में दो बड़े झटके लगे हैं. दो कद्दावर नेताओं ने जन सुराज पार्टी से इस्तीफा दे दिया है.

पहले पूर्व सांसद मुनाजिर हसन ने पीके का साथ छोड़ा और फिर थोड़ी देर में पूर्व केंद्रीय मंत्री देवेंद्र प्रसाद यादव ने इस्तीफा देने की घोषणा कर दी. दोनों नेताओं ने निजी वजहों से इस्तीफा देने की बात कही है. उन्होंने कहा कि वे कोर कमेटी से इस्तीफा दे रहे हैं. दोनों ने इस्तीफे की कॉपी प्रशांत किशोर को भेजा है.

देवेन्द्र यादव और मोनाजिर

हसन के कोर कमिटी छोड़ देने से जन सुराज का बनता माय (मुस्लिम-यादव) समीकरण का एक मजबूत स्तम्भ टूट गया है. लगभग १५० सदस्यों की कोर कमेटी में मोनाजिर हसन को भी जगह दी गई थी लेकिन अब उन्होंने इस पर सवाल खड़े करते हुए कमेटी से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मनोज भारती को भेजा है. वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री देवेंद्र प्रसाद यादव ने भी अपना इस्तीफा दिया है. बताया जा रहा है कि उन्होंने भी नाराज होकर जन सुराज का साथ छोड़ा है.

देवेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि ४५ साल के राजनीतिक जीवन में उन्होंने कभी सिद्धांत से समझौता नहीं किया है. आगे भी सिद्धांत से समझौता नहीं करेंगे. देवेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि समाजवाद उनके खून में है और जब तक राजनीति में हैं, समाजवाद का झंडा बुलंद करता रहूंगा. उन्होंने आगे कहा कि मैंने जन सुराज के कोर कमेटी से इस्तीफा दिया है. कुछ वैचारिक मतभेदता थी, इसीलिए कोर कमेटी से अपने आप को अलग करने का फैसला किया है.

संदीप घोष व रंजीत मंडल को मिली जमानत

जोड़ापोखर (ससे) : वारदात के ९० दिनों के बाद भी संदीप घोष और अरिजीत मंडल के खिलाफ सीबीआई चार्जशीट दाखिल नहीं कर पाई। इस कारण कोर्ट ने जमानत दे दी। अरिजीत मंडल जेल से रिहा हो गए हैं। जमानत मिलने के बाद झारखंड राज्य कमिटी के वरिष्ठ सदस्य कामरेड -के.पी.सिंह के नित्रित में दर्जनों पुरूष महिला बच्चे सभी लोग हाथ में तख्ती लेकर डिगवाडीह एसयूसीआई कार्यालय में विरोध प्रदर्शन किया।

ममता बनर्जी एवं मोदी के खेलाफ़ नारेबाजी की सभी आरोपी को फांसी दो के नारे लगाए। के.पी.सिंह ने कोर्ट के फैसले पर टिप्पणी करते हुए कहा कि कोर्ट के फैसले से यह साफ हो गया है कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) सही तरीके से जांच नहीं कर रही है अगर सही तरीके से जांच करती तो प्राचार्य संदीप घोष और पूर्व एसएचओ अभिजीत मंडल को जमानत नहीं मिलती। कोर्ट ने दोनों को २००० रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी। सीबीआई के कार्य पर कई सवालिया निशान खड़े हो रहे है। अगर इसी तरह रहा तो लोगों का न्याय पर विश्वाश उठने लगेगा। बताते चले की ९ अगस्त को आर जी कार मेडिकल कॉलेज में ड्यूटी के दौरान एक चिकित्सक से कथित बलात्कार और उसकी हत्या करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने में देरी का आरोप है, वहीं घोष पर मामले में सबूतों से छेड़छाड़ करने का आरोप है। इसी मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो यानी सीबीआई ने दोनों को गिरफ्तार किया था।

कोर्ट ने दोनों को २००० रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी जिसको लेकर आज पूरे देश में विरोध हो रहा है। विरोध प्रदर्शन में मुख रूप से उपस्थित केपी सिंह, राम लाल महतो, अनिल बाउरी, अनिता बाउरी, अप्पू खान, सत्यजीत बाउरी, सुनीता बाउरी, रामप्रवेश यादव, मोतीलाल हेमरम, जितेंद्र बाउरी, जगदीश महतो थे।

आईएएस संजीव हंस के करीबियों की करोड़ों की संपत्ति जब्त

पटना(ईएमएस): ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आईएएस अधिकारी संजीव हंस और उनसे जुड़े करीबी लोगों की सात अचल संपत्तियों को जब्त किया है। को इसकी जानकारी दी गई। ईडी के अनुसार २३.७२ करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। बिहार ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव रहे संजीव हंस के खिलाफ धनशोधन का मामला बिहार पुलिस की विशेष सतर्कता इकाई की प्राथमिकी से जुड़ा है।

बता दें कि ईडी ने संजीव हंस को पटना से जबकि पूर्व विधायक गुलाब यादव को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। इस पूरे मामले में आईएएस अधिकारी संजीव हंस की पत्नी से भी पूछताछ की जा चुकी है। इसके पहले ईडी की टीम ने गुड़गांव और दिल्ली समेत संजीव हंस एवं अन्य के लगभग १३ ठिकानों पर छापेमारी की थी। लगातार धनशोधन के मामले में कार्रवाई और जांच जारी है।

ईडी की ओर से कहा गया है कि धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत नागपुर (महाराष्ट्र) में तीन भूखंड, दिल्ली में एक फ्लैट और जयपुर (राजस्थान) में तीन फ्लैट कुर्क करने के लिए एक अंतरिम आदेश जारी किया गया, जिन्हें संजीव हंस के करीबी सहयोगियों के नाम पर उनके (हंस) द्वारा आपराधिक गतिविधियों से अर्जित आय का उपयोग करके हासिल किया गया था. जब्त की गई कुल २३.७२ करोड़ रुपये की संपत्ति प्रवीण चौधरी और पुष्पराज बजाज सहित अन्य की है। यह कार्रवाई पीएमएलए एक्ट २००२ के प्रावधानों के तहत की गई है। सोमवार को ईडी ने पटना के पीएमएलए कोर्ट में संजीव हंस, पूर्व विधायक गुलाब यादव, पुष्पराज, सदाब और तीन कंपनियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। साथ ही अभियुक्तों से पूछताछ, जब्त दस्तावेज और गवाहों के बयान भी सौंपे गए हैं। अब कोर्ट की ओर से सुनवाई की तिथि तय होगी और आरोपितों को समन भेजा जाएगा।

मंत्रिमंडल में जगह न मिलने से नाराज हुए छगन भुजबल

नासिक,(ईएमएस): महाराष्ट्र की महायुति सरकार में एनसीपी नेता छगन भुजबल को मंत्रिमंडल में जगह न मिलने के बाद सियासी हलचल है। भुजबल ने अपनी नाराजगी खुले तौर पर जाहिर कर कहा, जहां नहीं चैना, वहां नहीं रहना।

नागपुर सत्र छोड़कर भुजबल नासिक लौट गए, जहां उन्होंने अपने समर्थकों और समता परिषद के नेताओं से विचार-विमर्श की बात कही। भुजबल का कहना है कि जब वे राज्यसभा जाना चाहते थे, तब पार्टी ने उन्हें मौका नहीं दिया और अब विधानसभा का सदस्य होने के बावजूद राज्यसभा सीट की पेशकश करना ठीक नहीं। भुजबल ने कहा कि यह उनके क्षेत्र के मतदाताओं के साथ अन्याय होगा, जिन्होंने उन्हें जीतकर विधानसभा भेजा है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा में 17865 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश

लखनऊ (ईएमएस): उत्तर प्रदेश विधानमंडल का शीतकालीन सत्र का मंगलवार को दूसरा दिन है। विधानसभा की कार्यवाही सुबह ११ बजे शुरू हो गई है। इस दौरान विपक्ष ने योगी सरकार से कई मुद्दों पर सवाल किए और सरकार के मंत्रियों ने इसका जवाब दिया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने १७८६५ करोड़ का अनुपूरक बजट सदन में किया पेश। ये द्वितीय अनुपूरक बजट है। बजट का आकार- १७ हजार ८६५.७२ करोड़ है। मूल बजट ७ लाख ३६ हजार ४३७.७१ करोड़ का २.४२ प्रतिशत है। वहीं, ७९०.४९ करोड़ के नए प्रस्ताव है।

अनुपूरक बजट सरकार तब पेश करती है, तब पहले से स्वीकृत बजट में अतिरिक्त खर्च की आवश्यकता होती है। यह बजट उन खर्चों को शामिल करने के लिए भी पेश होता है जिसे अनुमानित बजट में शामिल नहीं किया गया था या नई योजनाओं या नीतियों के कारण जरूरी हो गए हैं। सदन में अनुपूरक बजट पेश करने से पहले मंगलवार सुबह इसे कैबिनेट से मंजूरी दिलाई गई। अनुपूरक बजट में मुख्य फोकस नगर विकास की योजनाओं, बुनियादी ढांचे का विकास, महाकुंभ से जुड़ी मूलभूत सुविधाएं, जनता से सीधे जुड़े विभागों के कार्य, औद्योगिक विकास, स्वास्थ्य और परिवहन रहेगा।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने वन नेशन वन इलेक्शन पर कहा कि देश को लंबे समय से इस कानून का इंतजार है देशवासी चाहते हैं कि देश में एक साथ चुनाव हो यह देश के लिए बेहद जरूरी है, बनारस में भी मुस्लिम बहुल इलाके में मंदिर मिलने के बाद डिप्टी सीएम पाठक ने कहा प्रदेश में कानून व्यवस्था का राज कायम करना हमारी प्राथमिकता है।

तेज रफ्तार बोलेरो ने पति-पत्नी व दो मासूमों को कुचला, मौत

मुरादाबाद (ईएमएस): यूपी के मुरादाबाद जिले में दिल्ली हाईवे पर पाकबड़ा थाने के सामने बोलेरो ने सड़क किनारे खड़े पति-पत्नी और उनके दो मासूम बच्चों को कुचल दिया। चारों की मौके पर ही मौत हो गई। बाद में अनियंत्रित बोलेरो ट्रक से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। प्राप्त विवरण के मुताबिक मंगलवार दोपहर बाद फुरकान (३०) निवासी काशीपुर थाना गंज रामपुर अपनी पत्नी सीमा (२८) और दो मासूम बच्चों के साथ सड़क किनारे खड़े थे। वह पैसे मांगकर अपना जीवन यापन करते थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही बोलेरो ने अचानक उन्हें कुचल दिया। टक्कर मारते ही चारों हवा में उछलकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद बोलेरो अनियंत्रित होकर आगे खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर के बाद जोरदार आवाज सुनाई दी। इसे सुनकर थाने में काम कर रही पुलिस भी दौड़कर बाहर आई। ट्रक से टकराने के बाद बोलेरो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर भारी संख्या में भीड़ जमा हो गई और जाम लग गया।

पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतकों में फुरकान, उनकी पत्नी सीमा और दो बच्चे शामिल हैं। बोलेरो में सवार घायल देवेंद्र मिश्रा (सीतामढ़ी, बिहार) और सुनीता रानी (डिडौली, अमरोहा) को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेजा गया है।

क्यों मोदी सरकार 3.0 में वक्फ संशोधन के बाद एक देश, एक चुनाव बिल को भी जेपीसी को भेजा

नई दिल्ली (ईएमएस): देश में चुनाव सुधार की दिशा में मोदी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मोदी सरकार ने संसद में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' यानी एक देश एक चुनाव से जुड़े विधेयक को पेश किया। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'संविधान (१२९वां संशोधन) विधेयक २०२४'लोकसभा में पेश किया, इस बिल को कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों ने बिल में खामियां गिनाकर संविधान के संघीय ढांचे के खिलाफ बताया है। इसके बाद केंद्रीय कानून मंत्री मेघवाल ने विधेयक पर व्यापक विचार-विमर्श के खातिर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने का प्रस्ताव किया।

एक देश एक चुनाव संशोधन विधेयक पास करने के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत की ज़रूरत होगी, जबकि दूसरे विधेयक को सामान्य बहुमत से ही पास हो सकता है। केंद्र को इसके लिए संविधान में जरूरी संशोधन करना होगा और इसके लिए उसे दो तिहाई बहुमत की जरूरत होगी। इसके बाद अगर राज्यों की सहमति की जरूरत पड़ी, तब विपक्षी दलों के नेतृत्व वाले राज्य अड़चन पैदा कर सकते है।

केंद्र में २०१४ से मोदी सरकार बनने के बाद यह दूसरी बार जब किसी विधेयक को जेपीसी को भेजा गया है। इसके पहले वक्फ संसोधन बिल को सरकार ने जेपीसी में भेजा था और अब 'एक देश, एक चुनाव' से जुड़े विधेयक को भेजे जाने का प्रस्ताव किया है। मोदी सरकार सत्ता में तीसरी बार आने के बाद अहम विधेयक के लिए क्यों जेपीसी का रूट पकड़ रही है?

दरअसल २०२४ के लोकसभा चुनाव में बीजेपी का नंबर गेम बिगड़ गया है। बीजेपी के २४० लोकसभा सदस्य हैं, इसकारण जेडीयू, टीडीपी और शिवसेना की बैसाखी के सहारे सरकार बनानी पड़ी है। लोकसभा के कुल ५४३ सीटों में बीजेपी के अगुवाई वाले एनडीए के पास अभी २९२ सीटें हैं। दो तिहाई बहुमत के लिए ३६२ का आंकड़ा जरुरी है। वहीं, राज्यसभा की २४५ सीटों में एनडीए के पास अभी ११२ सीटें हैं, वहीं ६ मनोनीत सांसदों का भी उसे समर्थन है। जबकि विपक्ष के पास ८५ सीटें हैं। दो तिहाई बहुमत के लिए १६४ सीटों की जरूरत है।

वन नेशन वन इलेक्शन का विरोध करने वाली सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस, सपा, टीएमसी, आम आदमी पार्टी, आरजेडी, शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (एसपी), जेएमएम और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग सहित १५ दल विरोध में है। बीजेपी के अगुवाई वाले एनडीए के घटक दलों के साथ वाईएसआर कांग्रेस, टीआरएस और बीजेडी जैसे दल समर्थन में है। इसके बावजूद मोदी सरकार के लिए एक देश एक चुनाव को विधेयक को दो तिहाई बहुमत के साथ पास कराने के लिए विपक्षी दलों के समर्थन के बिना संभव नहीं है। वहीं मोदी सरकार ने भले ही एक देश एक चुनाव से जुड़े बिल को जेपीसी में भेजा हो, लेकिन वहां भी उसका ही दबदबा है।

जेपीसी में लोकसभा और राज्यसभा सांसदों को संख्या के आधार पर सदस्य शामिल होते हैं। लोकसभा में और राज्यसभा दोनों ही जगह पर बीजेपी के सबसे ज्यादा सांसद हैं। इसके बाद जेपीसी में सबसे ज्यादा सदस्य बीजेपी है।

B.I.T. SINDRI
P.O.-SINDRI INSTITUTE
DIST; DHANBAD (JHARKHAND) PIN: 828123

e-tender Notice -
BIT/Poly/10/2024-25/Ele1
Reference Number: BIT/Poly/10/2024-25/Ele1
Dated :- 16-12-2024
Tender ID: 2024_DHTE_96735_1

1	Name & address of office Inviting tender	Director, B.I.T., Sindri, P.O. Sindri Institute, Sindri, Dhanbad, Jharkhand -828123
2	Name or work	Supply of Electrical Engineering Lab Equipments for different Govt. Polytechnic 1
3	Document download start date	19.12.2024
4	Document download end date	03.01.2025
5	Bid submission end date	03.01.2025
6	Bid opening date	04.01.2025

Bidders must bid through e-tenders portal.
B.I.T. Sindri, Dhanbad wishes to purchase Laboratory Equipments for different Govt. Polytechnics in Jharkhand. Further details can be seen on **website:-** https://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Director, B.I.T., Sindri

PR.NO.342261 Science & Technology(24-25):D

B.I.T. SINDRI
P.O.- SINDRI INSTITUTE
DIST; DHANBAD (JHARKHAND) PIN: 828123

e-tender Notice -
BIT/Poly/22/2024-25/Min4
Reference Number: BIT/Poly/22/2024-25/Min4 Dated :- 16-12-2024
Tender ID: 2024_DHTE_96759_1

1	Name & address of office Inviting tender	Director, B.I.T., Sindri, P.O. Sindri Institute, Sindri, Dhanbad, Jharkhand - 828123
2	Name or work	Supply of Mining Engineering Lab Equipments for different Govt. Polytechnic 4
3	Document download start date	19.12.2024
4	Document download end date	03.01.2025
5	Bid submission end date	03.01.2025
6	Bid opening date	04.01.2025

Bidders must bid through e-tenders portal.
B.I.T. Sindri, Dhanbad wishes to purchase Laboratory Equipments for different Govt. Polytechnics in Jharkhand. Further details can be seen on website:- https://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Director,
B.I.T., Sindri

PR 342238 Science & Technology (24-25)_D

B.I.T. SINDRI
P.O.-SINDRI INSTITUTE
DIST; DHANBAD (JHARKHAND) PIN: 828123

e-tender Notice -
BIT/Poly/13/2024-25/Ele4
Reference Number: BIT/Poly/13/2024-25/Ele4 Dated :- 16-12-2024
Tender ID: 2024_DHTE_96742_1

1	Name & address of office Inviting tender	Director, B.I.T., Sindri, P.O. Sindri Institute, Sindri, Dhanbad, Jharkhand -828123
2	Name or work	Supply of Electrical Engineering Lab Equipments for different Govt. Polytechnic 4
3	Document download start date	19.12.2024
4	Document download end date	03.01.2025
5	Bid submission end date	03.01.2025
6	Bid opening date	04.01.2025

Bidders must bid through e-tenders portal.
B.I.T. Sindri, Dhanbad wishes to purchase Laboratory Equipments for different Govt. Polytechnics in Jharkhand. Further details can be seen on website:- https://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Director,
B.I.T., Sindri

PR 342255 (Science & Technology) 24-25 (D)

झारखण्ड सरकार कार्यालय, असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, धनबाद
सदर अस्पताल परिसर कोर्ट मोड़ धनबाद–826001
फोन नम्बर–9431711098 ई-मेल cs.dhanbad@gmail.com

ई–निविदा सूचना

Tender No: - 01/2024-25 Date : 16-12-2024

आउटसोर्सिंग के आधार पर धनबाद जिलान्तर्गत विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों के लिए आउटसोर्सिंग के आधार पर पारामेडिकल तकनिकी एवं गैर तकनिकी कर्मियों की आवश्यकता है। पंजीकृत आउटसोर्सिंग एजेन्सी से ई–निविदा दिनांक–06.01.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	आउटसोर्सिंग के आधार पर एजेन्सी के चयन हेतु
1	बेबसाईट पर निविदा प्रकाशन होने की तिथि	20.12.2024(The intending bidder may visit website: www.Jharkhandtenders.gov.in
2	Pre bid meeting for discussion on various technical issues regarding terms & conditions for providing manpower.	On 24.12.2024 at 03:00 PM at Civil Surgeon cum Chief Medical Officer, Dhanbad. All the intending bidders must attend the pre bid discussion meeting for clarification of their queries & requirements of Authority No claims will be considered after pre bid meeting and finalization of tender documents.
3	Date of Start for Submission of online e-tenders	30-12-2024 From 10:00AM
4	ई–निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	06.01.2025 at 05:00PM
5	Bid Opening Date (Technical)	11.01.2025 at 11:00 AM
6	अग्रधन की राशि	Tender Document में देखा जा सकता है।
7	ई–निविदा हेतु आवेदन शुल्क की राशि	Submit Bidding Document Fee (Non-Refundable) Rs 5000/- (Five thousand) submission through Bank Draft. [Civil Surgeon cum C.M.O. Dhanbad)
8	निविदा आमंत्रित करनेवाले पदाधिकारी का नाम, पता एवं मोबाईल संख्या	Civil Surgeon cum chief Medical Officer, Dhanbad 9431711098
9	हेल्पलाईन निविदा से संबंधित दूरभाष संख्या	8789292759/7004191182

Further details can be seen on website: www.jharkhandtenders.gov.in
Civil Surgeon cum Chief Medical Officer, Dhanbad- Email ID- cs.dhanbad@gmail.com

पी0आर0नं0–342038Health Med Edu and Family Welfare (24-25).D को इस हद तक संशोधित समझा जाय।

असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, धनबाद।

PR.NO.342213 Health Med Edu and Family Welfare(24-25):D

B.I.T. SINDRI
P.O.-SINDRI INSTITUTE
DIST; DHANBAD (JHARKHAND) PIN: 828123

e-tender Notice -
BIT/Poly/20/2024-25/Min2
Reference Number: BIT/Poly/20/2024-25/Min2 Dated :- 16-12-2024
Tender ID: 2024_DHTE_96756_1

1	Name & address of office Inviting tender	Director, B.I.T., Sindri, P.O. Sindri Institute, Sindri, Dhanbad, Jharkhand - 828123
2	Name or work	Supply of Mining Engineering Lab Equipments for different Govt. Polytechnic 2
3	Document download start date	19.12.2024
4	Document download end date	03.01.2025
5	Bid submission end date	03.01.2025
6	Bid opening date	04.01.2025

Bidders must bid through e-tenders portal.
B.I.T. Sindri, Dhanbad wishes to purchase Laboratory Equipments for different Govt. Polytechnics in Jharkhand. Further details can be seen on website:- https://jharkhand tenders.gov.in

Sd/-
Director,
B.I.T., Sindri

PR 342242 Science & Technology(24-25)#D

कार्यालय, जिला परिषद धनबाद।

:: आवश्यक सूचना ::

जिला परिषद धनबाद की सम्पन्न बोर्ड की बैठक में वैकल्पिक व्यवस्था होने तक दैनिक पारिश्रमिक पर कम्प्यूटर ऑपरेटर, खानसामा, माली, अनुसेवक, चालक, सफाई कर्मी एवं रात्रि प्रहरी रखने का पूर्णतः अस्थायी रूप से निर्णय लिया गया है। उक्त निर्णय के आलोक में इच्छुक एवं अहर्ताधारी व्यक्तियों से निम्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किये जाते हैः–

क्र	पद का नाम	पदों की संख्या	शैक्षणिक योग्यता	कार्य अनुभव
01	कम्प्यूटर ऑपरेटर	01	इण्टर उत्तीर्ण एवं मान्यता प्राप्त संस्थान से ADCA (Advance Diploma in Computer Application)	किसी भी संस्थान में एक वर्ष तक कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद पर हिन्दी एवं अंग्रेजी टंकण संबंधी कार्य करने का अनुभव प्रमाण–पत्र
02	खानसामा	02	दसवीं उत्तीर्ण	पाक कला में कार्य का दक्ष
03	माली	02	दसवीं उत्तीर्ण	बगीचा में कार्य करने/बागवानी का दक्ष
04	अनुसेवक	04	दसवीं उत्तीर्ण	साईकिल/मोटर साईकिल चलाने में दक्ष
05	चालक	03	दसवीं उत्तीर्ण	अनुज्ञप्तिधारी एवं 01 वर्ष तक का वाहन चलाने का अनुभव प्रमाण–पत्र
06	सफाई कर्मी	04	दसवीं उत्तीर्ण	——

आवेदक अपना आवेदन जिला परिषद कार्यालय, धनबाद में दिनांक **31.12.2024** तक कार्यालय अवधि में जमा कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। कर्मी हेतु योग्यता एवं अहर्ता निम्न प्रकार है :–

1. आवेदक शारीरिक रूप से स्वस्थ हों एवं उनके विरूद्ध किसी प्रकार का वाद माननीय न्यायालयों में लंबित न हो। इस आशय का प्रमाण पत्र एवं शपथ पत्र समर्पित करना अनिवार्य होगा।
2. दिनांक **31.12.2024** तक आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिकतम आयु 30 वर्ष तक मान्य होगा। इस आशय का प्रमाण पत्र एवं शपथ पत्र समर्पित करना अनिवार्य होगा। उम्र प्रमाण पत्र का साक्ष्य देना अनिवार्य होगा।
3. नियुक्त कर्मियों को पारश्रिमिक के रूप में श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड द्वारा निर्धारित अद्यतन न्यूनतम दैनिक मजदूरी दर का भुगतान किया जाएगा एवं इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार का भत्ता/अन्य राशि देय नहीं होगा।
4. आवेदक धनबाद जिला के निवासी होना चाहिए साक्ष्य के रूप में सक्षम स्तर से प्रदत्त आवासीय प्रमाण–पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।
5. अन्य जानकारी जिला परिषद कार्यालय से कार्य दिवस में कार्यालय अवधि में प्राप्त किया जा सकता है।

आवेदन पत्र का प्रारूप

1. आवेदक का नाम –
2. पिता/पति का नाम –
3. स्थायी पता –
4. पत्राचार का पता –
5. जन्म तिथि –
6. शैक्षणिक योग्यता –
7. अनुभव –
8. जाति/आवासीय प्रमाण पत्र –
9. मोबाईल नं0 (यदि हो तो) –

स्वअभिप्रमाणित पासपोर्ट साईज फोटो

उम्मीदवार द्वारा की जाने वाली घोषणा

मैं एतद् द्वारा घोषणा करता/करती हूँ कि मेरे द्वारा विज्ञापन में दिये गये प्रस्ताव/शर्तों को पढ़ लिया गया है। आवेदन पत्र में मेरे द्वारा दी गयी सूचना मेरी जानकारी में सही है एवं इसके तथा इसके किसी अंश के असत्य होने अथवा अपूर्ण पाये जाने पर मेरे विरूद्ध विधिसम्वत् कार्रवाई की जा सकती है तथा मेरी उम्मीदवारी रद्द/निरस्त या समाप्त की जा सकती है। इस पर मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी।

आवेदक का हस्ताक्षर एवं तिथि

ह0/–
कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, धनबाद।

PR 342265 (Rural Work Department) 24-25 (D)

लोगों की समस्याओं का हल करना जिला प्रशासन की

रांची (एजेंसी): डीसी मंजूनाथ भजन्त्री ने मंगलवार को अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में लोगों से मुलाकात करते हुए जन समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना. उन्होंने आए मुलाकातियों से एक-एक कर सभी की समस्याओं को सुनते हुए सभी समस्याओं का निराकरण जल्द से जल्द कराने का आश्वासन दिया.

साथ सभी सम्बंधित पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जन समस्या का निराकरण कराना आप सबकी जिम्मेदारी हैं. इसमें किसी प्रकार कि कोताही नही बर्दाश्त की जाएगी. डीसी संवाद में विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि विभिन्न विभागों से संबंधित थे. सभी शिकायतकर्ता की समस्याओं को सुनने के बाद डीसी

ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए जल्द से जल्द समाधान करें. उन्होंने विशेष रूप से कहा कि लोगों की समस्याओं का हल कराना जिला प्रशासन कि पहली प्राथमिकता।

टाना भगतों ने भी डीसी के समक्ष रखी समस्याएं

डीसी संवाद में आए कुछ समस्या के निष्पादन के लिए ऑन स्पॉट सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए. शिकायत का निवारण कराने के लिए बड़ी संख्या में टाना भगत ने उपायुक्त रांची से मुलाक़ात करते हुए अपनी कई समस्या उनके पास रखी. जिसपर उनके द्वारा उन्हें आश्वासन देते हुए कहा कि उनकी समस्या का निराकरण जरूर करेंगे.

डीसी से कई जिला परिषद, वार्ड पार्षद, उप मुखिया ने मुलाक़ात कर उनके समक्ष कई मांगे रखी. जिसमें मुखिया द्वारा ग्रामसभा नही कराने, कार्यकारिणी कि बैठक नही होने और अन्य बातें उनके सामने रखी गई. जिसपर उनके द्वारा उनकी बातों को गंभीरता से सुनते हुए सभी मांगो को गंभीरतापूर्वक सुना. साथ उनसभी से अबुआ आवास के सम्बन्ध में भी जानकारी लिया.

कार्य में लापरवाही बरतने पर एसएसपी ने महिला थाना प्रभारी को सस्पेंड किया, कोतवाली प्रभारी को हटाने की अनुशंसा

रांची (एजेंसी): कार्य में लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एसएसपी चंदन सिन्हा ने कड़ी करवाई की है.

अपर बाजार स्थित मारवाड़ी कन्या विद्यालय में लड़कियों के साथ छेड़खानी मामले में जब स्कूल प्रबंधन के द्वारा कोतवाली थाना और महिला थाना को सूचना दी गयी थी तो वहां के कर्मियों और पदाधिकारी ने संवेदनशीलता नहीं दिखाई. इस लापरवाही के लिए एसएसपी ने महिला थाना प्रभारी पिंकी साव

को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है.

बरियातू थाना के एएसआई शंकर ठाकुर और मुंशी शशि कुमार को निलंबित किया

एसएसपी ने कोतवाली थाना प्रभारी रंजीत कुमार सिन्हा के निलंबन और विभागीय के कार्यवाही की अनुशंसा डीआईजी से की है. इसके पहले एसएसपी ने १४ दिसंबर को बरियातू थाना के एएसआई शंकर ठाकुर और मुंशी शशि कुमार को इसलिए निलंबित किया था क्योंकि एक मोबाइल गुम होने की शिकायत लेकर आवेदिका बरियातू थाना गयी थी तो उन दोनों ने आवेदिका का आवेदन न लेकर मामला का क्षेत्राधिकार लालपुर थाना का बताते हुए लालपुर थाना जाने की सलाह दी थी.

हाईकोर्ट ने इंस्पेक्टर हरिदेव प्रसाद व सब इंस्पेक्टर राजीव रंजन को दी एक महीने की सजा और 50 हजार जुर्माना

रांची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट ने जगन्नाथपुर थाना के तत्कालीन प्रभारी और फिलहाल पाकुड़ जिले में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हरिदेव प्रसाद व सब इंस्पेक्टर राजीव रंजन को एक महीने जेल की सजा दी है. साथ ही अदालत ने दोनों पुलिस अधिकारियों पर ५०-५० हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है. दरअसल रांची के रहने वाले इरशाद नाम के युवक ने जगन्नाथपुर के तत्कालीन थाना प्रभारी और सब इंस्पेक्टर राजीव रंजन के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी. याचिका में कहा गया था कि इरशाद पर चोरी का मामला दर्ज होने के बाद बिना कानूनी प्रक्रिया का पालन किए

उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया और उसे पुलिस कस्टडी में प्रताड़ित भी किया गया. इरशाद की ओर से दाखिल याचिका पर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की कोर्ट में सुनवाई हुई.

झारखंड में अब प्रखंड स्तर पर लगेगा पशु बाजारः मंत्री शिल्पी

रांची (एजेंसी): कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि बहुत जल्द प्रखंड स्तर पर पशु बाजार की शुरुआत होगी. इसका उद्देश्य वाजिब दर पर अच्छे नस्ल के गाय या दूसरे पशु किसानों को उपलब्ध कराना होगा. इसे लेकर विभाग योजना से संबंधित कैलेंडर भी जारी होगी. पशु बाजार में पशु की खरीद बिक्री को पारदर्शी बनाने के लिए पशु रेट चार्ट भी जारी किया जायेगा. वह मंगलवार को अपने विधानसभा क्षेत्र मांडर के भ्रमण के दौरान कहीं. उन्होंने मांडर विधानसभा क्षेत्र के करो, बंडिला, महुआ, जारी व कैम्बो में मिल्क कलेक्शन एवं चिलिंग प्लांट का निरीक्षण किया. इस दौरान झारखंड मिल्क फेडरेशन के पदधारी भी मौजूद थे. मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने करो मिल्क कलेक्शन एवं चिलिंग प्लांट के निरीक्षण के दौरान सफाई के साथ सुरक्षा का ध्यान रखने का निर्देश दिया. इस प्लांट में अधिक मात्रा में दूध का कलेक्शन होता है. निरीक्षण के दौरान किसानों ने कैटल फीड के लिए मेधा दाना के दर में ५ रुपया तक कमी करने की मांग दोहराई. मंत्री ने विभागीय अधिकारियों से चारा काटने की मशीन को लेकर भी जानकारी ली, साथ ही किसानों को चारा काटने की मशीन कैसे उपलब्ध हो इसे लेकर निर्देशित भी किया. निरीक्षण के दौरान गाय वितरण में अनियमितता की बात भी किसानों के द्वारा कही गई.

पशुपालन विभाग के द्वारा ९० फीसदी सब्सिडी पर एसटी/ एसी व विधवा को पशु देने की योजना है. जबकि सामान्य के लिए ये सब्सिडी ७५ फीसदी है. किसानों का आरोप है कि बाजार मूल्य से अधिक दर तय कर सब्सिडी का लाभ उन्हें दिया जाता है. मंत्री ने किसानों को आश्वस्त किया कि अब ऐसा नहीं होगा.

मौलाना आजाद बैडमिंटन टूर्नामेंट के विजेता बने मिमशाद व इरशाद

रांची (एजेंसी): मॉर्निंग ग्रुप के तत्वावधान में खेले जा रहे मौलाना अबुल कलाम आजाद बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल मैच में मिमशाद और इरशाद की जोड़ी चैंपियन बनी है. पिछले साल के उप विजेता डॉ शीरान अली और उनके जोडीदार असजद खान ने शानदार शुरुआत करते हुए लगातार बढ़त बनाए रखा. दूसरी और मिमशाद व इरशाद की जोड़ी अपनी ऊर्जा बचाए रखा. पहला सेट गंवाने के बाद मिमशाद व इरशाद की जोड़ी दूसरे संघर्ष पूर्ण सेट में वापसी करते हुए मैच को तीसरे सेट में पहुंचा दिया. जबकि डॉ शीरान व असजद की जोड़ी दूसरे सेट में ही मैच खत्म करने की पूरी कोशिश की, लेकिन एक चूक मैच को तीसरे और निर्णायक सेट में पहुंचा दिया.

तीसरे सेट के मैच शुरू होते ही मिमशाद व इरशाद की जोड़ी बढ़त बनाना शुरू किया, जबकि डॉ शीरान व असजद की जोड़ी भी मैच में वापसी करने की पूरी कोशिश की, लेकिन युवा जोश के आगे डॉ शीरान व असजद की एक न चली और तीसरा सेट मिमशाद व इरशाद ने जीत कर ट्रॉफी अपने नाम किया. इसके पूर्व आज पहले तीसरे व चौथे स्थान के लिए हुए मैच में सुशांत देव व परवेज खान की जोड़ी ने अतीक अहमद कुस्सु व पार्टनर यूनुस खान को सीधे दो सीटें में हरा कर तीसरा स्थान हासिल किया.

मुख्य अतिथि के रूप में शामिल सासन ग्रुप के चेयरमैन मो सरफराज अहमद ने विजेता जोड़ी को ट्रॉफी देकर उनका हौसला बढ़ाया. विशिष्ट अतिथि शाह उमैर, मो आफताब, अनवर खान, पूर्व विधायक जय प्रकाश गुप्ता, समाज सेवी सह मॉर्निंग ग्रुप के संरपरस्त विजय साहू, मुख्य सरपरस्त मो हलीमुद्दीन, अध्यक्ष अकिलुर्रहमान ने तमाम खिलाड़ियों को मेडल व ट्रॉफी देकर उनका हौसला बढ़ाया. मोर्निंग ग्रुप की ओर से सम्मानित अतिथियों को बुके शाल मेमन्टो देकर सम्मानित किया गया.

रेलवे डीआरएम से मिले विधायक नवीन जयसवाल

रांची (एजेंसी): हटिया विधायक नवीन जयसवाल मंगलवार को रांची डिवीजन के डीआरएम जसमीत सिंह बिंद्रा से मिले. विधायक ने बिरसा चौक के निकट तोड़े गए झोपड़पट्टी के लोगों के लिए पुनर्वास की मांग की. उन्होंने डीआरएम से कहा कि वहां के लोग दशकों से रह रहे थे.

रेलवे ने अपने विस्तार योजना के तहत उनलोगों का घर तोड़ दिये.

उनमे से अधिकांश दैनिक मजदूरी कर अपना जीवनयापन कर रहे थे. ऐसे में राज्य सरकार से समन्वय बैठाकर रेलवे को उनके पुनर्वास की व्यवस्था करनी चाहिए.

नवीन जयसवाल ने डीआरएम को पीठियाटोली की समस्याओं से भी अवगत कराया. उन्होंने नगड़ी महतो टोली एवं पीठिया टोली में अंडर पास बनाने की मांग की. जिससे वहां निवास कर रहे हजारों परिवारों को आवागमन में सुविधा हो सके. जिसे डीआरएम ने स्वीकार कर अधिकारियों को स्थान चयन करने के लिए सर्वे करने का निर्देश दिया.

झारखंड पुलिस वायरलेस मुख्यालय में पीपिंग सेरेमनी का आयोजन

रांची (एजेंसी): झारखंड पुलिस वायरलेस मुख्यालय, लाइन तलाब रोड के समागार में मंगलवार को डीजी प्रशांत सिंह के द्वारा झारखंड पुलिस वायरलेस संवर्ग के कुल २४ नवप्रोन्नत पुलिस निरीक्षक (ऑपरेटर) पदाधिकारियों का पीपिंग समारोह का आयोजन किया गया. बता दें कि यह प्रोन्नति छः वर्षों के बाद हुई है. जिससे कर्मचारियों में काफी खुशी की लहर है. इस मौके पर डीआईजी अश्विनी कुमार सिन्हा, एसपी हरविन्दर सिंह, डीएसपी महेश प्रजापति सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे.

बंदगांव में जरूरतमंदों के बीच बांटे गए कंबल व स्वेटर

रांची (एजेंसी): सामाजिक संस्था श्रीरामकृष्ण सेवा संघ की ओर से बंदगांव के लुम्बई स्थित कन्या आश्रम में मंगलवार को जरूरतमंदों के बीच कंबल, स्वेटर समेत अन्य गर्म कपड़े बांटे गये. सेवा कार्य में लायंस क्लब ऑफ हिनू के विनोद प्रकाश के सौजन्य से कंबल का सहयोग किया गया. संस्था के सदस्यों ने आश्रम में रह रहे बुजुर्ग महिला-पुरुषों को कंबल एवं बच्चों को स्वेटर, जूता-मोजा बांटा. ठंड के मौसम में कंबल व गर्म कपड़े पाकर आश्रम के बच्चे, बुजुर्ग समेत आसपास के जरुरतमंद काफी खुश हुए. संस्था की ओर से महिलाओं को साड़ियां बांटी गई. साथ ही सभी को भोजन भी कराया गया. समाजसेवी आलोक मजूमदार ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा सबसे बड़ा मानव धर्म है. उन्होंने अन्य संस्थाओं से भी पीड़ित मानवता के सेवार्थ सहयोग करने की अपील की. मौके पर तनय शीट, दीपा दत्ता, सोहनी मजूमदार, गोपा बागची, आलोक सिन्हा, सुक्रत भट्टाचार्य, डॉ स्मिता डे, विवेक राय, स्वपन डे मौजूद थे.

एक देश एक चुनाव, देशहित में है : रक्षा राज्य मंत्री

रांची (एजेंसी): मंगलवार को लोकसभा में एक देश एक चुनाव बिल स्वीकृत होने पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह को बधाई दी है. मंत्री ने कहा कि यह बिल देशहित में है, हर ५ वर्ष में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव होते हैं, वहीं देश में हर वर्ष अलग-अलग समय पर विधानसभा चुनाव होते हैं. एक समय चुनाव होने पर देश के राजकोष की बचत होगी. चुनाव के समय राज्यों में आचार संहिता लागू हो जाते हैं, परिणाम आने तक यह लागू रहता है. ऐसे में विकास परियोजनाओं में देरी होती है. एक देश एक चुनाव से विकास कार्य में इसका लाभ होगा. चुनाव के समय सरकारी काम में भी व्यवधान होता है. ऐसे में साल में एक ही बार में इस तरह की आवश्यकता पड़ेगी और विकास कार्य में रुकावट नहीं आयेगी इसलिए एक देश एक चुनाव देश के हित में है.

पृष्ठ एक का शेषांश

एक देश-एक चुनाव का---

एक राष्ट्र, एक चुनाव अव्यावहारिक है और बिल्कुल भी संभव नहीं है। सरकार को इस प्रस्ताव के पीछे का उद्देश्य स्पष्ट करना चाहिए। कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने कहा कि संसद में सरकार को बिल के लिए दो-तिहाई बहुमत (३०७) चाहिए था, लेकिन सिर्फ २६३ वोट मिले। इसके विरोध में १९८ वोट पड़े। ये बिल जरूरी बहुमत नहीं जुटा सका है। एक देश-एक चुनाव पर ३२ राजनीतिक दलों ने अपना समर्थन दिया है। इनमें जगन मोहन रेड्डी की वायएसआरसीपी, के चंद्रशेखर राव की बीआरएस और पलानीसामी की एआईएडीएमके जैसी पार्टियां शामिल हैं। ये तीनों पार्टियां किसी भी अलायंस का हिस्सा नहीं हैं। वहीं, १५ पार्टियों ने इसका विरोध किया है। इसमें कांग्रेस के अलावा शिवसेना (यूबीटी), समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके जैसी पार्टियां शामिल हैं। पूर्व राष्ट्रपति और समिति के अध्यक्ष रामनाथ कोविंद ने एक राष्ट्र, एक चुनाव के बारे में कहा कि जिस दिन हमारी अर्थव्यवस्था १० प्रतिशत-११ प्रतिशत तक बढ़ेगी, हमारा देश दुनिया की तीसरी-चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की कतार में होगा। भारतीय जनसंख्या के विकास के लिए यह मॉडल सक्षम है। अन्य पहलुओं में भी, इस मॉडल को अपनाना राष्ट्र के लिए सहायक होगा।

महाकुंभ 2025 को लेकर---

को आसान बनाना और श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा का अनुभव कराना है। महाकुंभ २०२५ में रेलवे का यह कदम श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत साबित होगा और यात्रा को सुगम बनाएगा।

झारखंड का 1.36 लाख---

प्रधानमंत्री को पत्र लिखे जाने के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा ने विधानसभा चुनाव से पहले इसे बड़ा मुद्दा बनाया था. राज्य भर में बड़े-बड़े होर्डिंग लगवाये थे, जिसमें केंद्र से १.३६ लाख करोड़ रुपये की मांग की गयी थी. झामुमो यह कहती रही है कि अगर केंद्र सरकार यह रुपये दे देती है, तो झारखंड में गरीबों पर खर्च किया जायेगा. गांव-गांव तक सरकारी योजनाओं का जाल बिछाया जायेगा.

पाक अधिकृत कश्मीर---

लागू नहीं होते थे। तभी जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आर्टिकल ३७० का विरोध किया था। जनसंघ के नेता मुखर्जी ने कहा था कि एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चल सकते है। उन्होंने बलिदान दिया और श्रीनगर की जेल में संदिग्ध स्थिति में उन्होंने अंतिम सांस ली।

नड्डा ने कहा कि पश्चिमी पाकिस्तान से आए व्यक्ति भारत में प्रधानमंत्री और उप प्रधानमंत्री बने। इसमें मनमोहन सिंह, आई के गुजराल और लाल कृष्ण आडवाणी शामिल थे। लेकिन पीओके से आया हुआ व्यक्ति जम्मू कश्मीर की पंचायत का चुनाव तक नहीं लड़ सकता था, यह आर्टिकल ३७० की देन थी। उन्होंने कहा कि ५ अगस्त २०१९ को आर्टिकल ३७० को इतिहास बना दिया गया। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं कि उनकी सूझबूझ के कारण आज जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन गया। नड्डा ने कहा कि अगले वर्ष २५ जून २०२५ को आपातकाल लगाने के ५० वर्ष पूरे हो जाएंगे। इस दिन को लोकतंत्र विरोधी दिवस के रूप में मनाया जाएगा। कांग्रेस यदि आपातकाल को गलत मानती है तब कांग्रेस भी इसमें शामिल हो, इस बात का हम आह्वान करते हैं।

विपक्ष पर हमलावर नड्डा ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर आपका योगदान है। उन्होंने कहा कि चीन ने भारत की ३८,००० वर्ग किलोमीटर भारत भूमि कब्जा कर ली, क्योंकि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने रक्षा तैयारियों की अनदेखी की थी।

मोहन भागवत ने कहा---

पर कहा था कि मणिपुर एक साल से शांति की राह देख रहा है.पिछले १० साल से राज्य में शांति थी, लेकिन अचानकवहां गन कल्चर बढ़ गया. इस समस्या को प्राथमिकताके आधार पर सुलझाया जाना चाहिए.

शंभू बॉर्डर खोलने पर---

ने शंभू बॉर्डर तुरंत खोलने का आदेश देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि पंजाब और हरियाणा सरकार किसानों को हाईवे छोड़कर किसी दूसरी जगह प्रदर्शन शिफ्ट करने या कुछ समय के लिए स्थगित करने के लिए मनाए। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने किसान नेता डल्लेवाल की सेहत पर भी चिंता जताई थी। कोर्ट ने पंजाब सरकार को निर्देश दिया था कि वह डल्लेवाल को फौरन मेडिकल सुविधा उपलब्ध करवाएं। डल्लेवाल से अनशन तुड़वाने के लिए कोई जबरदस्ती न की जाए।

फिट इंडिया साइक्लिंग का आयोजन, पूर्व ओलंपियन हुए शामिल

रांची (एजेंसी): भारत सरकार के फिट इंडिया साइक्लिंग अभियान के तहत रांची में भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा फिट इंडिया साइक्लिंग का आयोजन मंगलवार की सुबह किया गया.

इसके तहत साई के प्रशिक्षुओं, प्रशिक्षकों अतिथियों तथा अन्य खिलाड़ियों ने मोरहाबादी बिरसा स्टेडियम का बाहर से चक्कर लगाया और लगभग साढ़े तीन किलोमीटर की साइकिल रैली की. १९८४ के

हॉकी ओलंपियन मनोहर टोपनो ने फ्लैग ऑफ किया.

भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान सुमराय टेटे और जैप दो की कमांडेट आईपीएस सरोजिनी लकड़ा ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए साइक्लिंग में हिस्सा लिया. फिट इंडिया के तहत साई द्वारा किए गए इस आयोजन का उद्देश्य फिटनेस, पयार्वरण की सुरक्षा तथा साइकिल के इस्तेमाल को बढ़ावा देने का संदेश देना था. इस मौके पर साई के सहायक निदेशक करण साधवानी, सुनील कुमार, विश्वनाथ सिंह, सुरेंद्र कुमार, एसबी महापात्रा, सौमिक विश्वास, प्रभाष चंद्र झा, अजय कुकरेती आदि मौजूद थे.

जनजातीय और क्षेत्रीय नृत्य हमारी संस्कृति की आत्मा हैः मोनिका टुटी

रांची (एजेंसी): रांची विश्वविद्यालय के अंतर्महाविद्यालय जनजातीय एवं क्षेत्रीय नृत्य महोत्सव सह प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का दो दिवसीय भव्य आयोजन पांच परगना किसान कॉलेज, बुंडू में किया गया. इस महोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि मोनिका रानी टुटी (उप निदेशक, जनजातीय शोध अनुसंधान संस्थान, रांची) ने किया. उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा कि जनजातीय और क्षेत्रीय नृत्य हमारी संस्कृति की आत्मा है. ऐसे आयोजनों से न केवल युवा पीढ़ी में अपनी परंपराओं के प्रति गर्व की भावना जागृत होती है, बल्कि यह हमारे समाज को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाने का भी एक सशक्त माध्यम है. विषय प्रवेश और स्वागत भाषण डॉ. बिनीता कुमारी, प्राचार्य, पीपीके कॉलेज ने दिया.

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की परंपरा के अनुसार मुंडारी विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुआ. इसके बाद सिद्धू कॉलेज, बिरसा कॉलेज खूंटी, गोस्नर कॉलेज, जनजातीय भाषा स्नातकोत्तर विभाग से मुण्डारी एवं कुड़ुख विभाग सभी ने अपनी पारंपरिक एवं भावभीनी प्रस्तुति से समां बांध दिया. पांच परगना किसान कॉलेज द्वारा प्रस्तुत छऊ नृत्य अत्यंत मनमोहक था.

महोत्सव में झारखंड के पारंपरिक परिधान, शिल्पकला, खाद्यान्न और वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें जनजातीय जीवनशैली और उनके रीति-रिवाजों की झलक देखने को मिली. यह महोत्सव केवल मनोरंजन का साधन नहीं था, बल्कि जनजातीय और क्षेत्रीय संस्कृतियों के संरक्षण एवं संवर्द्धन की दिशा में एक प्रभावी कदम भी था.

पहले दिन के कार्यक्रम में सम्मानित अतिथियों में प्रो. मुकुल कुमार (पूर्व प्राचार्य, पीपीके कॉलेज), प्रो. हंस कुमार, प्रो. भूतनाथ प्रमाणिक तथा पीपीके कॉलेज के तमाम विद्वान सहायक प्राध्यापक और विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्रोफेसर व छात्र छात्राएं शामिल थे. निर्णायक मंडल में जुरा होरो, अरुण कुमार तिग्गा और कॉर्नेलियस मिंज शामिल थे. कार्यक्रम के अगले दिन बचे हुए कॉलेजों की प्रस्तुति के उपरांत जनजातीय विषय पर राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त विद्वानों की संगोष्ठी एवं पुरस्कार वितरण किया जाएगा.

सर्दियों में वेजिटेरियंस के लिए बेस्ट सूप, सेहत और गर्माहट का बेहतरीन मेल

सर्दियों के मौसम में सेहत का ख्याल रखना बेहद जरूरी हो जाता है। ठंड के कारण लोग जल्दी बीमार पड़ जाते हैं, और इम्यूनिटी को मजबूत बनाए रखना एक चुनौती बन जाती है। ऐसे में हेल्दी सूप एक शानदार विकल्प हो सकता है। नॉनवेज खाने वालों के पास सूप के कई विकल्प होते हैं, लेकिन वेजिटेरियन के पास थोड़े कम। आज हम आपको सर्दियों में वेजिटेरियन के लिए कुछ खास और हेल्दी सूप के बारे में बताएंगे जो सेहत के लिए फायदेमंद होने के साथ-साथ स्वादिष्ट भी हैं।

टमाटर का सूप : इम्यूनिटी बूस्टर

टमाटर का सूप विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो सर्दी-जुकाम से बचाने में मदद करता है। इसे गर्म-गर्म परोसने पर गले में खराश और बंद नाक से राहत मिलती है। टमाटर को उबालकर पीस लें, उसमें लहसुन, अदरक, और हल्का मक्खन डालें। स्वाद बढ़ाने के लिए काली मिर्च और नमक का उपयोग करें।

गोल्डन चने का सूप

चने का सूप प्रोटीन से भरपूर होता है और शरीर को ऊर्जा देता है। हल्दी के साथ बनने वाला यह सूप एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर है। उबले हुए चनों को मसालों के साथ पकाएं। इसमें हल्दी, जीरा और धनिया पाउडर मिलाएं। इसे मिक्सर में हल्का ब्लेंड करें और गरम-गरम परोसें।

भुना हुआ बटरनट स्क्वैश सूप

यह सूप विटामिन ए और फाइबर का अच्छा स्रोत है। इसका क्रीमी स्वाद बच्चों और बड़ों को बेहद पसंद आता है। बटरनट स्क्वैश को भूनकर उसमें अदरक, लहसुन, और क्रीम मिलाएं। इसे ब्लेंड कर लें और गार्निश के लिए थाइम का इस्तेमाल करें।

गरम मसाला के साथ दाल का सूप

प्रोटीन और फाइबर से भरपूर यह सूप सर्दियों में शरीर को गर्माहट प्रदान करता है। गरम मसालों के साथ इसका स्वाद बढ़ जाता है। दाल को प्रेशर कुकर में पकाएं, उसमें गरम मसाला, अदरक और लहसुन का तड़का लगाएं। इसे गरमा-गरम रोटी या ब्रेड के साथ परोसें।

मोरक्कन दाल और क्विनोआ सूप

यह सूप क्विनोआ और मसूर दाल के गुणों से भरपूर है। इसमें मसालेदार स्वाद के साथ भरपूर पोषण होता है। दाल और क्विनोआ को मसालों के साथ पकाएं। ऊपर से धनिया पत्ती और नींबू का रस डालें।

सर्दियों में सूप के फायदे

इम्यूनिटी बूस्ट करता है : सूप में मौजूद विटामिन और मिनरल्स इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं।

गले और नाक की समस्या : गर्म सूप भाप के रूप में गले की खराश और बंद नाक से राहत देता है।

ऊर्जा प्रदान करता है : सूप जल्दी पचता है और शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है।

हाइड्रेशन : सूप शरीर में तरल पदार्थों की कमी को पूरा करता है।

सर्दियों में बीमारियों से बचने और शरीर को गर्माहट देने के लिए रोजाना एक हेल्दी सूप का सेवन करना बेहद फायदेमंद है। ऊपर बताए गए सूप न केवल स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं, बल्कि वे स्वादिष्ट भी हैं। इस सर्दी, इन सूप्स को अपनी डाइट में शामिल करें और सेहतमंद रहें।

भूलकर भी दूसरों के घर से न लेकर आएं ये तीन चीजें, हंसता-खेलता परिवार हो जाएगा बर्बाद

ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में लाई जाने वाली वस्तुएं व्यक्ति की ऊर्जा को प्रभावित करती हैं। नकारात्मक ऊर्जा से बचने के लिए टूट-फूट, पुराने या अजनबी सामान से बचना चाहिए। सही वस्तुएं घर में लाकर जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए जा सकते हैं।

ज्योतिष और शास्त्रों में बताई गई बातों से जीवन में आ रही समस्याओं को हल किया जा सकता है। इन शास्त्रों के अनुसार व्यक्ति के आसपास की वस्तुएं उसकी मानसिक और शारीरिक स्थिति पर प्रभाव डालती हैं। ऐसे में किसी के घर से कुछ खास चीजें लाना न केवल आपके जीवन को प्रभावित कर सकता है, बल्कि यह नकारात्मक ऊर्जा का कारण भी बन सकता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में लाई जाने वाली वस्तुएं व्यक्ति की ऊर्जा को प्रभावित करती हैं। जब किसी वस्तु का मालिक बदलता है, तो उसकी ऊर्जा भी बदल जाती है। यह व्यक्ति के जीवन में समस्याएं पैदा कर सकती है। विशेष रूप से उन वस्तुओं को कभी भी न लें, जो नकारात्मक ऊर्जा से भरपूर होती हैं।

उदाहरण के तौर पर टूट-फूट वाली चीजें, पुराने बर्तन और अजनबी या टूटे-फटे सामान से बचना चाहिए। इन्हें घर में लाकर आप अपनी जीवनशैली में समस्याओं को बढ़ावा दे सकते हैं। इसलिए, अगर आप किसी के घर से कोई सामान ले रहे हैं तो यह तय करें कि वह

सकारात्मक ऊर्जा से भरा हो और किसी तरह से नकारात्मक प्रभाव न डाले।

चप्पल

किसी रिश्तेदार के यहां जाते समय यह ध्यान रखें कि उसकी चप्पल न पहनें। वास्तु शास्त्र के अनुसार नकारात्मक ऊर्जा सबसे पहले पैरों से ही निकलती है। ऐसे में जब हम दूसरों की चप्पल पहनते हैं, तो उसकी नकारात्मक ऊर्जा आपके अंदर प्रवेश कर सकती है।

छाता

दूसरों का छाता कभी उपयोग कर घर नहीं लाना चाहिए। यह आपके ग्रहों की स्थिति को बिगाड़ सकता है। आप अगर भूलकर दूसरों का छाता घर लेकर आ गए हैं, तो इस बात का ध्यान रखें कि छाता घर के अंदर न लेकर आएं। इसका उपयोग कर वापस कर देना चाहिए।

फर्नीचर

किसी के घर पर रखा हुआ फर्नीचर अपने यहां नहीं लाना चाहिए। यह नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है, जिसके वास्तु दोष का खतरा बढ़ जाता है। ऐसा करने से आपके परिवार की खुशियां छिन जाएंगी और आप बर्बादी के कगार तक पहुंच सकते हैं।

गेहूं और गेहूं का आटा हमारे भोजन का एक मुख्य हिस्सा है, जिसे रोजाना इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन ज्यादा गेहूं का सेवन सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। हाल के वर्षों में, गेहूं एलर्जी एक सामान्य समस्या बनकर उभरी है। गेहूं में मौजूद ग्लूटेन कई लोगों के लिए पाचन और त्वचा संबंधी परेशानियों का कारण बनता है। यह लेख आपको बताएगा कि ज्यादा गेहूं खाने से कौन-कौन सी समस्याएं हो सकती हैं और इसे कैसे नियंत्रित किया जाए।

ज्यादा गेहूं खाने से हो सकते हैं ये 7 नुकसान, कैसे रखें अपनी सेहत का ध्यान

पाचन तंत्र से जुड़ी समस्याएं

ज्यादा गेहूं का आटा खाने से पेट में गैस, सूजन, डायरिया, अपच और कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। फाइबर की अधिक मात्रा पाचन तंत्र को ओवरलोड कर सकती है, जिससे यह सुचारू रूप से काम नहीं कर पाता। लंबे समय तक ऐसी समस्या रहने पर यह इरिटेबल बाउल सिंड्रोम (इबीएस) का कारण भी बन सकता है। क्या करें?अपनी डाइट में ग्लूटेन-फ्री अनाज जैसे ज्वार, बाजरा, और मक्का को शामिल करें। पेट साफ रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। धीरे-धीरे फाइबर की मात्रा को बैलेंस करें।

त्वचा संबंधी समस्याएं

गेहूं के ज्यादा सेवन से स्किन पर दाने, खुजली, लाल चकत्ते, सूजन, और एक्जिमा जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यह गेहूं में मौजूद प्रोटीन या ग्लूटेन के कारण हो सकता है। लंबे समय तक ऐसी समस्याएं स्किन के नेचुरल बैरियर को कमजोर कर सकती हैं। स्किन एलर्जी होने पर तुरंत एलर्जी टेस्ट कराएं। त्वचा को ठंडे पानी से धोएं और एंटी-एलर्जिक क्रीम का इस्तेमाल करें। डर्मेटोलॉजिस्ट से नियमित परामर्श लें। तैलीय और मसालेदार खाने से बचें, क्योंकि यह समस्या को बढ़ा सकता है।

सांस लेने में दिक्कत

गेहूं की एलर्जी से नाक बंद होना, बार-बार छींक आना, घरघराहट, और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण हो सकते हैं। यह तब भी हो सकता है जब गेहूं का आटा हवा में फैले और सांस के जरिए शरीर में जाए। लंबे समय तक ऐसी समस्याएं अस्थमा का कारण बन सकती हैं। गेहूं के आटे को संभालते समय मास्क पहनें। घर में नियमित रूप से सफाई करें और ह्यूमिडिटी को नियंत्रित रखें। ऐसी समस्या होने पर तुरंत एलर्जी विशेषज्ञ से संपर्क करें। सांस की तकलीफ को रोकने के लिए योग और प्राणायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

ब्रेन फॉग और थकान

ज्यादा गेहूं का सेवन थकावट, सुस्ती, ध्यान केंद्रित न कर पाना, और मानसिक स्पष्टता में कमी का कारण बन सकता है। यह लक्षण ग्लूटेन-सेंसिटिविटी या गेहूं एलर्जी से जुड़े हो सकते हैं। लंबे समय तक ब्रेन फॉग की स्थिति डिप्रेशन या एंग्जायटी का कारण बन सकती है। अपनी डाइट में ग्लूटेन-फ्री डाइट को अपनाएं। मस्तिष्क को एक्टिव रखने के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर फूड्स खाएं। रोजाना कम से कम 7-8 घंटे की गहरी नींद लें। ध्यान और मेडिटेशन का अभ्यास करें।

सिरदर्द और माइग्रेन

गेहूं में मौजूद ग्लूटेन कुछ लोगों में सिरदर्द और माइग्रेन का कारण बनता है। खासतौर पर ज्यादा गेहूं खाने से ब्लड शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव हो सकता है, जो न्यूरो समस्याओं को बढ़ा सकता है। नियमित रूप से हाइड्रेटेड रहें और प्रोसेस्ड फूड्स से बचें। माइग्रेन की समस्या होने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें। सिरदर्द को रोकने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करें और तनाव कम करें। आहार में मैग्नीशियम से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें।

गले में सूजन और खुजली

गेहूं खाने के बाद गले में सूजन, खुजली, या झुनझुनी महसूस होना गेहूं एलर्जी का संकेत हो सकता है। यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहने पर ओरल एलर्जी सिंड्रोम का कारण बन सकती है। तुरंत गेहूं और उससे बनी चीजों का सेवन बंद करें। गले की सूजन कम करने के लिए गुनगुने पानी में नमक डालकर गरारे करें। डॉक्टर से संपर्क करें और एलर्जी टेस्ट कराएं। अपने आहार में पौष्टिक और एलर्जी-मुक्त फूड्स शामिल करें।

व्यवहार में बदलाव

गेहूं एलर्जी से कुछ लोगों में चिड़चिड़ापन, गुस्सा, भावनात्मक अस्थिरता, और डिप्रेशन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खासकर महिलाओं में यह हार्मोनल असंतुलन का कारण बन सकता है। तनाव कम करने के लिए योग और ध्यान को अपनाएं।अपने आहार में बाजरा, ज्वार और रागी जैसे पौष्टिक विकल्प शामिल करें। नियमित रूप से मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ की सलाह लें। सकारात्मक सोच को बनाए रखने के लिए फैमिली और फ्रेंड्स के साथ समय बिताएं।

क्या करें अगर आपको गेहूं से एलर्जी हो?

एलर्जी की पहचान करें : अगर आपको ऊपर बताए गए लक्षण महसूस होते हैं, तो डॉक्टर से एलर्जी टेस्ट करवाएं।

डाइट में बदलाव करें : गेहूं को डाइट से हटाएं और उसके विकल्प चुनें जैसे ज्वार, बाजरा, मक्का आदि।

पोषक आहार लें : गेहूं छोड़ने से शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो सकती है, इसलिए अधिक फल, सब्जियां, और नट्स खाएं।

प्लानिंग करें : बिना सोचे-समझे आहार न बदलें। न्यूट्रीशनिस्ट से परामर्श लें ताकि आपकी डाइट संतुलित रहे।

गेहूं हमारे भोजन का मुख्य हिस्सा है, लेकिन इसका ज्यादा सेवन कई स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकता है। एलर्जी के लक्षणों को पहचानना और सही कदम उठाना बेहद जरूरी है। संतुलित डाइट और सही विकल्प अपनाकर आप स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकते हैं।

खतरे की घंटी है

गाढ़ा खून, पतला करने के बेस्ट देसी नुस्खे

आपने बहुत से लोगों के मुंह से कहते सुना होगा कि उनका खून गाढ़ा है। यह एक ऐसी समस्या है जो अपने साथ एक नहीं, कई हैल्थ प्रॉब्लम्स लेकर आती है। खून गाढ़ा होगा तो शरीर में सही तरीके से ब्लड सर्कुलेशन नहीं होगा। खून के थक्के बनने शुरू हो जाएंगे और थक्का बनने से स्ट्रोक की संभावना बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। हार्ट अटैक ब्रेन क्लॉट जैसी कई दिक्कतें हो सकती हैं इसलिए इस ओर ध्यान देना बहुत जरूरी है। सर्दियों में यह समस्या अधिक होती है। अपनी डाइट में कुछ बदलाव करके और डाक्टरी सलाह लेकर आप गाढ़े खून को पतला कर सकते हैं। चलिए इससे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी आपके साथ साझा करते हैं।

खून गाढ़ा क्यों होता है?

बिगड़ा लाइफस्टाइल और खान पान से जुड़ी गलत आदतें आपके खून को गाढ़ा कर सकती है जिन्हें हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या है उनका खून गाढ़ा हो सकता है। जो लोग पानी व लिक्विड डाइट कम लेते हैं, जिसे डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) की समस्या हो।

डायबिटीज के मरीज का खून गाढ़ा हो सकता है।

धूम्रपान और एल्कोहल का अधिक सेवन करने से खून गाढ़ा हो सकता है।

जेनेटिक डिसऑर्डर्स (जैसे फैक्टर + लेडन म्यूटेशन)

मोटापा भी इसकी वजह है।

कुछ दवाइयों का साइड इफेक्ट

हार्मोनल असंतुलन होने पर खून गाढ़ा हो सकता है।

आपका खान-पान अनहेल्दी है।

फिजिकल एक्टिविटी ना के बराबर करने वाले

खून गाढ़ा होने के कुछ लक्षण

खून गाढ़ा होने की कुछ सामान्य निशानियां और लक्षण हैं, जो यह संकेत देते हैं कि रक्त का प्रवाह ठीक से नहीं हो रहा है हालांकि ये लक्षण व्यक्ति के स्वास्थ्य, उम्र और गाढ़े खून की गंभीरता पर निर्भर करते हैं।

थकावट और कमजोरी: अगर लगातार थकान और कमजोरी महसूस हो रही है तो क्योंकि गाढ़ा खून कोशिकाओं तक ऑक्सीजन और पोषक तत्व पहुंचाने में बाधा डालता है, जिससे लगातार थकान और कमजोरी महसूस होती है।

सुन्न होना या झुनझुनी महसूस होना: हाथों, पैरों या अंगुलियों में सुन्नता या झुनझुनी महसूस होना इस बात का संकेत हो सकता है कि खून का प्रवाह ठीक से नहीं हो रहा।

सिरदर्द और चक्कर आना: खून गाढ़ा होने से मस्तिष्क तक पर्याप्त ऑक्सीजन और रक्त नहीं पहुंचता, जिससे सिरदर्द और चक्कर आने की समस्या हो सकती है।

धुंधलापन या कम दिखना: आंखों की रक्त वाहिकाओं में खून का संचार सही से ना होने पर धुंधलापन और बाधित या अचानक दृष्टि की समस्या हो सकती है।

सीने में दर्द या भारीपन: गाढ़े खून के कारण हृदय को रक्त पंप करने में अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे सीने में दर्द या भारीपन महसूस हो सकता है।

सांस लेने में कठिनाई: खून का थक्का बनने पर फेफड़ों तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंचती, जिससे सांस लेने में दिक्कत हो सकती है।

त्वचा का लाल या नीला पड़ना: गाढ़ा खून त्वचा तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंचा पाता, जिससे त्वचा का रंग लाल, नीला या फीका दिख सकता है।

पैरों में सूजन और दर्द: खासकर पैरों में, खून के प्रवाह में रुकावट के कारण सूजन, दर्द या भारीपन महसूस हो सकता है। यह डीप वेन थ्रोम्बोसिस का संकेत हो सकता है।

तेज या अनियमित दिल की धड़कन: गाढ़े खून के कारण हृदय पर अधिक दबाव पड़ता है, जिससे दिल की धड़कन तेज या अनियमित हो सकती है।

बार-बार ब्लड क्लॉट्स बनना: शरीर के विभिन्न हिस्सों में बार-बार खून के थक्के बनना गाढ़े खून की प्रमुख निशानी है। यह काफी खतरनाक भी साबित हो सकती है।

हाथ-पैर ठंडे रहना: गाढ़े खून के कारण अंगों तक रक्त और ऑक्सीजन की कमी हो सकती है, जिससे हाथ और पैर ठंडे महसूस हो सकते हैं। सर्दी में यह परेशानी अधिक हो सकती है।

पाचन खराब: पेट में भारीपन, अपच या पेट दर्द की समस्या भी गाढ़े खून से जुड़ी हो सकती है क्योंकि इससे पाचन तंत्र को पर्याप्त रक्त नहीं मिलता।

नोट : यदि आप इनमें से कोई भी लक्षण अनुभव कर रहे हैं, तो यह आवश्यक है कि आप डॉक्टर से संपर्क करें। खून गाढ़ा होने की समस्या गंभीर हो सकती है और इसे अनदेखा करना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। ब्लड टेस्ट और अन्य डायग्नोस्टिक टेस्ट से समस्या का सही कारण जाना जा सकता है।

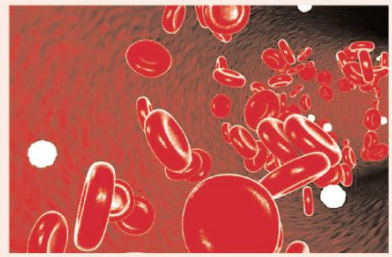

भारत के इस राज्य में है प्राचीन समय का अमूल्य खजाना

सनातन धर्म को प्रदर्शित करती मंदिर और मूर्तियां आकर्षण का केंद्र

छत्तीसगढ़ में पुरातात्विक महत्व के कई ऐतिहासिक और प्रसिद्ध स्थल हैं. उनमें से एक है सरगुजा का महेशपुर गांव, दुनिया की सबसे पुरानी थियेटर और शिलालेखों के लिए फेमस रामगढ़ के पास रेण नदी का तटीय क्षेत्र 8वीं शताब्दी से 13वीं शताब्दी के बीच कला और संस्कृति के अभूतपूर्व विकास का गवाह बना.

प्राचीन काल के टूटे-फूटे अवशेष सरगुजा जिले के महेशपुर और कलवा-देवगढ़ में फैले हुए हैं. शैव, वैष्णव और जैन धर्म से जुड़ी कलाकृतियां और प्राचीन टीलों की संख्या के लिहाज से महेशपुर आर्कियोलॉजिकल व्यू से बहुत महत्वपूर्ण है. छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ कई पुरातात्विक स्थल हैं. राज्य का प्राकृतिक स्वरूप और यहां छिपे हुए पुरातात्विक रहस्य लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं. इस जगह पत्थरों को तराश कर बनाई गई मंदिर और हजारों ऐसी मूर्तियां है जो सनातन धर्म को प्रदर्शित करती है.

अब तक आर्कियोलॉजिस्ट और आर्कियोलॉजिकल डिपार्टमेंट के द्वारा महेशपुर में चार टीलों की खुदाई की जा चुकी है. उन टीलों में कई मंदिरों और शिव-पार्वती की मूर्तियों के अवशेष मिले हैं. सरगुजा के उदयपुर क्षेत्र का रामगढ़, महेशपुर का इलाका भगवान राम के वन गमन और उनके वनवास के दिनों की यादों से जीवंत है. स्थानीय लोककथाओं के अनुसार जमदग्नि ऋषि की पत्नी रेणुका यहां रेण नदी के रूप में बहती हैं.

सरगुजा आने वाले सैलानियों के लिए ये स्थान आकर्षण का केंद्र हो सकता है, अंबिकापुर से रायपुर मार्ग से करीब 45 किलोमीटर की दूरी पर उदयपुर नाम का कस्बा है, इस कस्बे से ही महेशपुर जाने का मार्ग है. उदयपुर से करीब 12 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद आप महेशपुर पहुंच जायेंगे. पुरातत्व विभाग ने 2008-09 भी यहां खुदाई की थी, जिसमें अवशेषों का खजाना मिला था. इस स्थान पर पुरातत्व संग्रहालय भी बना है, लेकिन अवशेषों के संरक्षण की खास व्यवस्था नहीं है. साहित्यकार संतोष दास बताते है की उदयपुर से 12 किलोमीटर की दूरी पर महेशपुर नाम की जगह है, यहां 8 वीं से 13 वीं शताब्दी के पुरातात्विक अवशेष देखने को मिलते है, बहुत बड़ी संख्या में यहां पुरातात्विक अवशेष है, पर्यटकों के लिए ये काफी आकर्षक जगह है.

ग्रामीण बताते है की यहां अभी भी जमीन के नीचे हजारों की संख्या में अवशेष दबे हुए है, पुरातत्व विभाग को यहां फिर से खुदाई करानी चाहिये, सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए की ये धरोहर संरक्षित हो सके और सरगुजा में पर्यटन की संभावना बढ़ सके.

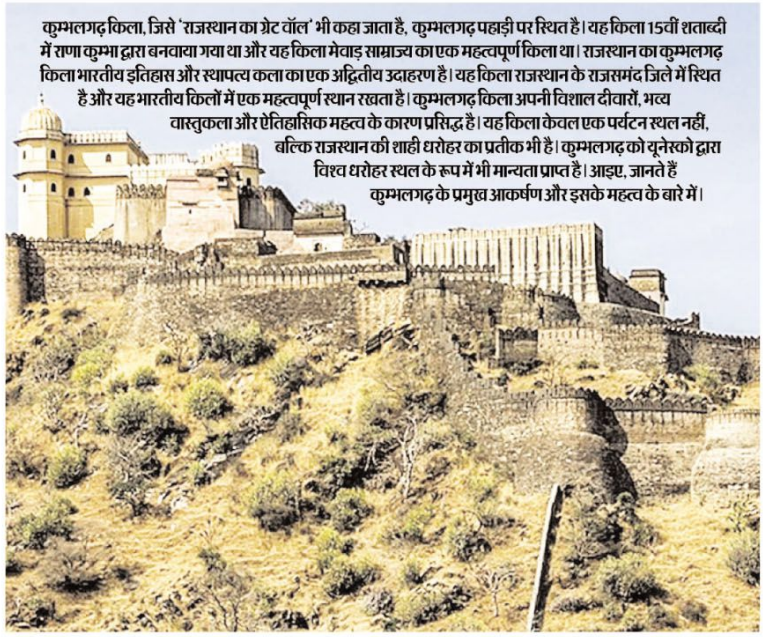

कुम्भलगढ़ किला, जिसे 'राजस्थान का ग्रेट वॉल' भी कहा जाता है, कुम्भलगढ़ पहाड़ी पर स्थित है। यह किला 15वीं शताब्दी में राणा कुम्भा द्वारा बनवाया गया था और यह किला मेवाड़ साम्राज्य का एक महत्वपूर्ण किला था। राजस्थान का कुम्भलगढ़ किला भारतीय इतिहास और स्थापत्य कला का एक अद्वितीय उदाहरण है। यह किला राजस्थान के राजसमंद जिले में स्थित है और यह भारतीय किलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। कुम्भलगढ़ किला अपनी विशाल दीवारों, भव्य वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व के कारण प्रसिद्ध है। यह किला केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि राजस्थान की शाही धरोहर का प्रतीक भी है। कुम्भलगढ़ को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल के रूप में भी मान्यता प्राप्त है। आइए, जानते हैं कुम्भलगढ़ के प्रमुख आकर्षण और इसके महत्व के बारे में।

कुम्भलगढ़ पर्यटन स्थल : राजस्थान का ऐतिहासिक किला और धरोहर

1. कुम्भलगढ़ किला

कुम्भलगढ़ किला, जिसे 'राजस्थान का ग्रेट वॉल' भी कहा जाता है, कुम्भलगढ़ पहाड़ी पर स्थित है। यह किला 15वीं शताब्दी में राणा कुम्भा द्वारा बनवाया गया था और यह किला मेवाड़ साम्राज्य का एक महत्वपूर्ण किला था। किले की दीवारें लगभग 36 किलोमीटर लंबी है, जो इसे दुनिया की दूसरी सबसे लंबी किलावाली दीवार बनाती है, केवल चीन की दीवार के बाद। कुम्भलगढ़ किले का किला परिसर बहुत विशाल है और इसमें कई महल, मंदिर और जलाशय हैं। किले की दीवारों पर चढ़कर आप कुम्भलगढ़ और आसपास के क्षेत्र का शानदार दृश्य देख सकते हैं।

2. बड़ी सीढ़ियाँ

कुम्भलगढ़ किले की विशाल दीवारों के आसपास बड़ी सीढ़ियाँ हैं, जिन पर चढ़ते हुए पर्यटक किले के विभिन्न हिस्सों को देख सकते हैं। इन सीढ़ियों से किले के भीतर के अन्य महलों और संरचनाओं का दृश्य अद्भुत होता है। किले की दीवारों पर बनी मजबूत संरचना यह दर्शाती है कि किले का निर्माण युद्ध की दृष्टि से बहुत ही मजबूत और प्रभावशाली था।

3. कुम्भलगढ़ किला के महल

कुम्भलगढ़ किले में कई महल स्थित हैं, जिनमें सबसे प्रमुख महल राणा कुम्भा महल है। इस महल का वास्तुशिल्प राजपूत शैली का अद्भुत उदाहरण है। इस महल में राजपूत शाही परिवार के लिए शानदार कक्ष, जलाशय और रिवर्मिंग पूल भी बनाए गए थे। महल के अंदर एक संग्रहालय भी है, जहाँ कुम्भलगढ़ किले के इतिहास और यहां रहने वाले शासकों के बारे में जानकारी मिलती है।

4. कुम्भलगढ़ के मंदिर

कुम्भलगढ़ किले के भीतर कई मंदिर स्थित हैं, जो किले की ऐतिहासिकता और धार्मिक महत्व को दर्शाते हैं। इनमें से कुछ प्रसिद्ध मंदिरों में लक्ष्मी नारायण मंदिर और सिद्धनाथ मंदिर है। इन मंदिरों में प्राचीन मूर्तियों और शिल्पकला का अद्भुत उदाहरण देखने को मिलता है। ये मंदिर दर्शाते हैं कि कुम्भलगढ़ सिर्फ एक किला ही नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण स्थल था।

5. कुम्भलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य

कुम्भलगढ़ किले के आसपास स्थित कुम्भलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य, एक शांतिपूर्ण और प्राकृतिक स्थल है। यहाँ की घने जंगलों में विभिन्न प्रकार के जीव-जंतु और पक्षी पाए जाते हैं। पर्यटक यहाँ जैव विविधता का आनंद ले सकते हैं और जंगली जीवन के करीब जा सकते हैं। अभयारण्य में ट्रैकिंग और अन्य साहसिक गतिविधियाँ भी उपलब्ध हैं।

6. कुम्भलगढ़ किले का सूर्यास्त

कुम्भलगढ़ किला सूर्यास्त के समय बेहद सुंदर नजर आता है। किले की दीवारों पर चढ़कर सूर्यास्त का दृश्य देखना एक अद्भुत अनुभव होता है। यह दृश्य न केवल मनोहक है, बल्कि यह पर्यटकों को शांति और सुकून का अनुभव भी कराता है।

7. कुम्भलगढ़ में फेस्टिवल्स और इवेंट्स

कुम्भलगढ़ किले में समय-समय पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, महोत्सव और प्रदर्शन आयोजित किए जाते हैं। यहाँ का कुम्भलगढ़ महोत्सव एक प्रमुख उत्सव है, जिसमें राजस्थान की पारंपरिक संगीत, नृत्य और शिल्पकला का प्रदर्शन किया जाता है। यह महोत्सव किले के ऐतिहासिक महत्व को फिर से जीवित करता है और पर्यटकों को एक शानदार सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है।

कैसे पहुंचे कुम्भलगढ़?

हवाई मार्ग : कुम्भलगढ़ का निकटतम एयरपोर्ट उदयपुर में स्थित है, जो कुम्भलगढ़ से लगभग 85 किलोमीटर दूर है। उदयपुर से टैक्सी या बस द्वारा कुम्भलगढ़ पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग : कुम्भलगढ़ का निकटतम रेलवे स्टेशन नाथद्वारा रेलवे स्टेशन है, जो कुम्भलगढ़ से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित है। आप नाथद्वारा स्टेशन से कुम्भलगढ़ के लिए टैक्सी ले सकते हैं।

सड़क मार्ग : कुम्भलगढ़ सड़क मार्ग से भी अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। उदयपुर, राजसमंद और अन्य प्रमुख शहरों से कुम्भलगढ़ के लिए बसें और टैक्सियाँ उपलब्ध हैं।

सर्वोत्तम समय

कुम्भलगढ़ घूमने का सर्वोत्तम समय अक्टूबर से मार्च के बीच होता है, जब मौसम ठंडा और सुखद रहता है। गर्मियों में यहाँ का तापमान बहुत बढ़ सकता है, इसलिए इस मौसम में यात्रा करने से बचना चाहिए सबसे अच्छे वेकेशन पैकेज कुम्भलगढ़ किला राजस्थान का एक अद्भुत पर्यटन स्थल है, जो ऐतिहासिकता, वास्तुकला, और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है। यहाँ का किला, मंदिर, वन्यजीव अभयारण्य और सूर्यास्त के दृश्य पर्यटकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करते हैं। कुम्भलगढ़ ना सिर्फ एक ऐतिहासिक स्थल है, बल्कि यह शांति, सुंदरता और रोमांच का भी एक बेहतरीन मिश्रण है। अगर आप राजस्थान की समृद्ध धरोहर को जानने के इच्छुक हैं, तो कुम्भलगढ़ एक बेहतरीन यात्रा स्थल है।

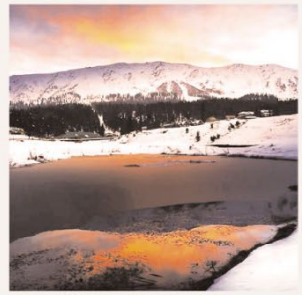

कश्मीर को भी टक्कर देती हैं भारत की ये शानदार जगहें

कश्मीर अपनी खूबसूरती के लिए पूरी दुनिया में फेमस है। लेकिन कश्मीर के अलावा हमारे देश में कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनको मिनी कश्मीर कहा जाता है। ऐसे में आप भी इन जगहों पर पहुंचकर जन्नत का दीदार कर सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर को जन्नत कहा जाता है। ऐसे में अधिकतर लोग जन्नत यानी की जम्मू-कश्मीर के दीदार के लिए जाते है। खूबसूरती के मामले में यह जगह किसी हसीन जन्नत से कम नहीं है। इसलिए इस जगह पर सिर्फ भारत से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी लोग मौज-मस्ती के लिए पहुंचते हैं। कश्मीर अपनी खूबसूरती के लिए पूरी दुनिया में फेमस है। लेकिन कश्मीर के अलावा हमारे देश में कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनको मिनी कश्मीर कहा जाता है।

ऐसे में आप भी इन जगहों पर पहुंचकर जन्नत का दीदार कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भारत की ऐसी की कुछ अद्भुत और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको मिनी कश्मीर के नाम से जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में मौजूद तोष को भी कश्मीर नाम से जाना जाता है। हिमाचल के कुल्लू जिले में स्थित तोष में हर महीने हजारों की संख्या में पर्यटक घूमने के लिए आते हैं।

समुद्र तल से करीब 2 हजार मीटर से अधिक ऊंचाई पर मौजूद तोष गांव खूबसूरती के मामले में जम्मू-कश्मीर से कम नहीं है। बर्फबारी के दौरान यह जगह कश्मीर की तरह लगती है। बर्फबारी के दौरान यह गांव बर्फ की चादर से ढक जाता है।

औली

उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थिति औली एक ऐसी जगह है, जहां पर घूमने का सपना सभी का होता है। यहां पर बड़े-बड़े देवदार के पेड़, ऊंचे-ऊंचे पहाड़, झील-झरने और घास के मैदान औली की सुंदरता को बढ़ाने का काम करते हैं।

इस हिल स्टेशन की खूबसूरती और बर्फबारी इस कदर फेमस है कि इसको उत्तराखंड का कश्मीर भी कहा जाता है। इसको मिनी कश्मीर के नाम से जाना जाता है। औली में बर्फबारी के दौरान यहां पर काफी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यहां के नजारे बिलकुल कश्मीर की तरह लगते हैं। यहां पर एडवेंचर एक्टिविटी करने का अपना ही मजा होता है।

मेचुका वैली

सिर्फ उत्तराखंड या हिमाचल प्रदेश में ही खूबसूरत जगहें नहीं है, बल्कि आपको देश के नॉर्थ ईस्ट इंडिया में भी मनमोहक जगहें देखने को मिलती है। देश के इस हिस्से में कई अद्भुत और शानदार जगहें है, जो जम्मू-कश्मीर को भी टक्कर देने का काम करती हैं।

बता दें कि अरुणाचल प्रदेश में स्थित मेचुका वैली एक ऐसी शानदार जगह है, जिसको नॉर्थ ईस्ट का कश्मीर माना जाता है। यहां पर घास के मैदान, मनमोहक पहाड़ और झील-झरने इस जगह की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। मेचुका वैली में जब बर्फ पड़ती है, तो पूरी वैली सफेद रंग में रंगी दिखती है। यहां के नजारे कश्मीर से कम नहीं होते हैं।

मुनस्यारी

समुद्र तल से करीब 2 हजार मीटर से भी अधिक ऊंचाई पर स्थित मुनस्यारी बेहद खूबसूरत और मनमोहक जगह है। यह जगह उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में पड़ती है। यह उत्तराखंड के टॉप हिल स्टेशन्स में से एक है। यहां पर काफी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

मुनस्यारी अपनी खूबसूरती के लिए काफी फेमस है। इसको मिनी कश्मीर भी कहा जाता है। बर्फबारी के दौरान यह हिल स्टेशन बर्फ की चादर से ढक जाता है और यह इस दौरान यहां पर बर्फबारी का आनंद लेने के लिए काफी पर्यटक पहुंचते हैं। वहीं एडवेंचर प्रेमियों के लिए यह जगह किसी जन्नत से कम नहीं है। मुनस्यारी में रनो ट्रैकिंग पूरे भारत में फेमस है।

पश्चिम बंगाल की खूबसूरती को बढ़ाती हैं ये समुद्र तटीय जगहें

पश्चिम बंगाल देश का एक ऐसा राज्य है, जो हिमालय पर्वत से लेकर बंगाल की खाड़ी तक फैला है। इसलिए यहां पर हर साल लाखों की संख्या में देसी और विदेशी पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

पश्चिम बंगाल देश का एक प्रमुख और बेहद खूबसूरत राज्य है। यह भारत का तीसरा और सबसे ज्यादा आबादी वाला राज्य है। क्षेत्रफल के हिसाब से यह देश का 13वां सबसे बड़ा राज्य माना जाता है। यह देश का एक ऐसा राज्य है, जो हिमालय पर्वत से लेकर बंगाल की खाड़ी तक फैला है। इसलिए यहां पर हर साल लाखों की संख्या में देसी और विदेशी पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। पश्चिम बंगाल में सैमसिंग, सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग, संदकफू और कलिम्पोंग जैसे हिल स्टेशन्स के बारे में तो हर कोई जानता है।

लेकिन पश्चिम बंगाल में मौजूद खूबसूरत समुद्र तटीय जगहों के बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पश्चिम बंगाल में स्थित समुद्र तटीय जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जो राज्य की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती है। ऐसे में आप भी इन जगहों पर घूमने के लिए पहुंच सकते हैं।

दीघा

अगर पश्चिम बंगाल में किसी शानदार और फेमस समुद्र तटीय जगहों पर घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले दीघा पहुंचते हैं। यह जगह कोलकाता से करीब 164 किमी दूर बंगाल के टॉप डेस्टिनेशन में शामिल है।

दीघा बीच को समुद्र की हसीन लहरों के लिए जाना जाता है। यहां पर हर दिन हजारों की संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। इस बीच की खूबसूरती मुंबई या गोवा बीच से कम नहीं है। यहां पर विदेशी पर्यटक भी पहुंचते हैं। इस बीच पर आप सूर्योदय और सूर्यास्त के भी मनमोहक नजारे देख सकते हैं।

शंकरपुर

बंगाल की खाड़ी के पास स्थित शंकरपुर राज्य का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। दीघा से करीब 15 किमी की दूरी पर यह खूबसूरत जगह स्थित है।

बता दें कि यह बेहद शांत जगह है, जहां पर आप सुकून के दो पल बिता सकते हैं। यह बंगाल के सबसे साफ-सुथरे बीचेज में से एक माना जाता है। शंकरपुर में एक तरफ समुद्र की लहरें और दूसरी तरफ सफेद रेत देखने को मिलेगी। इसके साथ ही आप यहां पर शानदार और मजेदार वॉटर स्पोर्ट्स का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

ताजपुर

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से करीब 172 किमी दूर ताजपुर एक बेहद खूबसूरत और फेमस समुद्र तटीय जगह है। यह बेहद खूबसूरत जगह राज्य के मंदारमणि और शंकरपुर के बीच स्थित है।

सैलानियों को ताजपुर बीच सबसे ज्यादा आकर्षित करता है। आप इस बीच से राज्य की खूबसूरती को करीब से निहार सकते हैं। ताजपुर में भारत की सबसे डीप सी बंदरगाह का निर्माण किया जा रहा है। आपको यहां का सनसेट और सनराइज का बेहद शानदार नजारा मिस नहीं करना चाहिए।

मंदारमणि

बता दें कि कोलकाता से करीब 171 किमी और दीघा से 30 किमी दूर मंदारमणि गांव स्थित है। यहां पर भारी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

इस गांव में मंदारमणि बीच राज्य के सबसे ट्रेंडी बीच रिट्रीट में से एक माना जाता है। यहां का शांत माहौल और मनमोहक नजारा पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां पर आप वॉटर एक्टिविटी का भी लुत्फ उठा सकते हैं। सर्दियों में घूमने के लिहाज से यह एक बेस्ट जगह है।

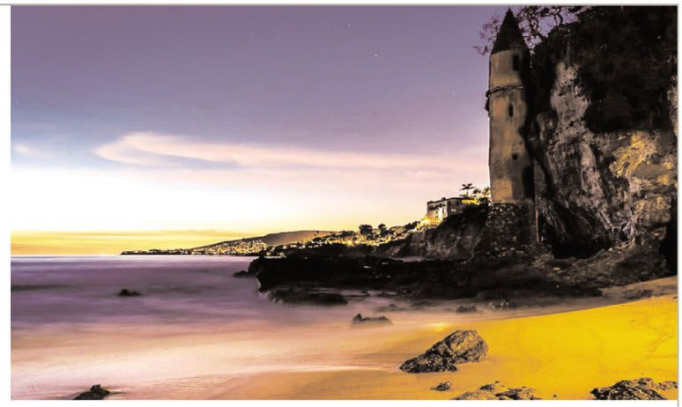

संक्षिप्त समाचार

खाई में गिरी कार, एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत

ढाका एजेंसी। अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत के बाबाजी जिले में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। यह हादसा तब हुआ जब एक तेज रफ्तार कार ड्राइवर के नियंत्रण से बाहर होकर सड़क से पलट गई और गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में एक ही परिवार के 6 लोगों की जान चली गई। प्रांतीय सूचना एवं संस्कृति विभाग ने बताया कि हादसे में कार सवार सभी 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। ये सभी एक ही परिवार के सदस्य थे। घटना ने पूरे इलाके में शोक का माहौल पैदा कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार की रफ्तार बहुत अधिक थी, जिससे ड्राइवर ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। अनियंत्रित कार पलटकर सड़क से नीचे खाई में जा गिरी। हादसे में कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। अफगानिस्तान में सड़क दुर्घटनाएं आम हैं, जिनमें तेज रफ्तार और सड़कों की खराब हालत मुख्य कारण माने जाते हैं। यह हादसा उन दुर्घटनाओं में एक और दुखद घटना जोड़ता है, जो हर साल कई लोगों की जान ले लेती हैं।

पुतिन को झटका: स्कूटर बम विस्फोट में रूसी परमाणु सुरक्षा बल चीफ व उनके सहायक की मौत

मस्कऊ एजेंसी। रूस के न्यूक्लियर, जैविक और रासायनिक सुरक्षा बलों के प्रमुख , लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरीलोव, मंगलवार को एक बम विस्फोट में मारे गए। जै रूस की जांच समिति ने बताया बम एक इलेक्ट्रिक स्कूटर में छिपाया गया था । लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरीलोव, जो रूस की न्यूक्लियर, रासायनिक और जैविक सुरक्षा बलों के प्रमुख थे, को मॉस्को के रियाज़न्स्की प्रोस्पेक्ट पर एक अपार्टमेंट बिल्डिंग के बाहर मारा गया। यह स्थान क्रेमलिन से लगभग सात किलोमीटर (चार मील) दूर है। रूस की जांच समिति ने कहा, इगोर किरीलोव और उनका सहायक इस हमले में मारे गए। रूस के टेलीग्राम चैनलों पर पोस्ट की गई तस्वीरों में बिल्डिंग का प्रवेश द्वार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त दिख रहा था और बर्फ पर खून के धब्बे थे, जिसमें दो शव पड़े हुए थे। रूस की रासायनिक, जैविक और न्यूक्लियर सुरक्षा टीम, जिसे के नाम से जाना जाता है, ऐसे विशेष बल होते हैं जो रेडियोलॉजिकल, रासायनिक और जैविक संदूषण वाले इलाकों में काम करते हैं।

अपार्टमेंट के ऊपर हाइवे, जहां धड़ल्ले से दौड़ती हैं गाड़ियां

बीजिंग, एजेंसी। विज्ञान के साथ ही इंसान ने काफी ज्यादा तरक्की कर ली है, अब इंसान के द्वारा ऐसे-ऐसे नमूने तैयार कर दिए जाते हैं जिस विश्वास नहीं होता है. लेकिन इन दिनों एक वीडियो सामने आया है जिसमें जहां घर की छत पर हाइवे बना हुआ है. इतना ही नहीं, इस पर गाड़ियां और बसें फर्राटा भरती नजर आ रही हैं. वायरल वीडियो में एक सड़क दिखाई पड़ रही है. इस पर वाहन तेजी से गुजर रहे हैं. लेकिन इस पर जरा सा नीचे देखने पर आपको दिखाई देगा कि बिल्डिंग्स हैं. इतना ही नहीं अपार्टमेंट के ठीक ऊपर ओवरब्रिज बना हुआ है, जिस प गाड़ियां दौड़ रही हैं. वहीं अपार्टमेंट भी खाली नहीं है बल्कि इसमें लोग परिवार के साथ रहते हैं. वायरल वीडियो चीन का बताया जा रहा है. इसको इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है. इस वीडियो को अब तक 9 लाख से अधिक लोग देख चुके हैं और 19 हजार से अधिक लोग पसंद कर चुके है. इसको लेकर एक यूजर ने लिखा- वो तो सब ठीक है।

जस्टिन ट्रूडो को छोड़ना पड़ेगा पीएम पद? पार्टी के 60 सांसद चाहते हैं विदाई; इस्तीफा दे चुके हैं 5 मंत्री

ओटावा, एजेंसी।
कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पर इस्तीफा देने का दबाव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। उपप्रधानमंत्री और वित्त मंत्री क्रिस्टिना फ्रीलैंड के इस्तीफे के बाद जस्टिन ट्रूडो बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं। अब उनकी पार्टी के ही सांसद उन्हें कमजोर प्रधानमंत्री बताने लगे हैं। कनाडा की मीडिया के मुताबिक ट्रूडो ने अभी निर्णय नहीं लिया है कि वह इस्तीफा देंगे या फिर पद पर बने रहेंगे। हाउस ऑफ कॉमन्स में 153 सीटों के साथ लिबरल पार्टी की सरकार थी। इनमें से 60 सांसद चाहते हैं कि जस्टिन ट्रूडो पद छोड़ दें।

सोमवार को कॉकस की बैठक में जस्टिन ट्रूडो को कड़ा विरोध झेलना पड़ा। क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह भले ही जस्टिन ट्रूडो के लिए मुश्कील घड़ी हो लेकिन कनाडा के लिए अच्छा समय आने वाला है। उन्होंने कहा, शुक्रवार को ही ट्रूडो ने कह दिया था कि वह उन्हें वित्त मंत्री के तौर पर नहीं रखना चाहते बल्कि कोई और पद देने को तैयार हैं। ऐसे में मैंने ईमानदारी का रास्त चुना और इसलिए इस्तीफा दे दिया।

जस्टिन ट्रूडो ने अपने करीबी डॉमिनिक लेब्लांक को नया वित्त मंत्री बनाने का फैसला किया है। इस बीच जस्टिन ट्रूडो ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, प्रधानमंत्री के रूप में आपकी सेवा करना मेरे लिए गर्व की बात है। इसलिए मैं रोज सुबह उठकर सबसे पहले यही विचार करता हूं कि कनाडा के लोगों के लिए इस देश को कैसे बेहतर बनाया जाए। यहां भी जस्टिन ट्रूडो ने कोई संकेत नहीं दिया कि वह पद पर बने रहेंगे या फिर इस्तीफा दे देंगे।

कनाडा का विपक्ष मांग करने लगा है कि तुरंत चुनाव करवाए जाएं। विपक्ष के नेता पियरे पाइलिवरे ने कहा, ट्रूडो में किसी का भरोसा नहीं बचा है, यहां तक कि उनके कैबिनेट मंत्री भी उनपर भरोसा नहीं करते हैं। केवल जगमीत सिंह को ही उनपर भरोसा है। बता दें कि हाउस ऑफ कॉमन्स में अविश्वास प्रस्ताव के दौरान जगमीत सिंह की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी ने जस्टिन ट्रूडो का ही साथ दिया था। इस बारे में जगमीत सिंह ने कोई टिप्पणी नहीं की लेकिन उन्होंने अगली बार अविश्वास प्रस्ताव के दौरान जस्टिन ट्रूडो का साथ देने की बात भी नहीं कही है।

बता दें कि फ्रीलैंड का अचानक इस्तीफे का ऐलान कर देना जस्टिन ट्रूडो के लिए बड़ा झटका है। इस साल ट्रूडो के पांच कैबिनेट मिनिस्टर इस्तीफा दे चुके हैं। इनमें से चार ने यह भी कह दिया है कि वे अगले आम चुनाव में मैदान में नहीं उतरेंगे। इसके अलावा कनाडा अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर भी चुनौती का सामना कर रहा है। जस्टिन ट्रूडो को ही इसके लिए भी जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को 25 फीसदी टैरिफ लगाने की वॉर्निंग दे दी है। इसके अलावा भारत से भी कनाडा को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। जस्टिन ट्रूडो की बढ़ती अलोकप्रियता की वजह से पार्टी के अंदर से उनके इस्तीफे की मांग उठ रही है। 2025 में ही कनाडा में आम चुनाव होने हैं।

प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने डोमिनिक लेब्लांक को कनाडा का नया वित्त मंत्री नियुक्त किया

ओटावा, एजेंसी।
कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री डोमिनिक रहे लेब्लांक ने सोमवार को ओटावा के रिड्यू हॉल में वित्त मंत्री पद की शपथ ली। नए वित्त मंत्री ने समारोह के बाद कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता कनाडाई लोगों के लिए जीवनयापन की लागत कम करना और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ संबंधों को मजबूत करना होगा। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के खास सहयोगी लेब्लांक हाल ही में अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ट्रूडो संग रात्रिभोज में शामिल हुए थे।

57 वर्षीय न्यू ब्रंसविक पहली बार 2000 में चुने सांसद गए, वह पूर्व गवर्नर-जनरल रोमियो लेब्लांक के बेटे हैं। लेब्लांक ने कहा कि वह अंतर-सरकारी मामलों के मंत्री का पद अपने पास रखेंगे। इससे पहले क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने ट्रूडो को लिखे एक पत्र में सोमवार सुबह अचानक वित्त मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा था कि वे देश के लिए सर्वोत्तम रास्ते को लेकर असमंजस में हैं। लिबरल सरकार का आर्थिक अपडेट सोमवार दोपहर जारी किया गया, जिससे पता चला कि घाटा 31 मार्च को समाप्त वित्तीय वर्ष के लक्ष्य से बहुत बड़ा था। अपने त्याग पत्र में फ्रीलैंड ने खुलासा किया कि ट्रूडो ने उन्हें पिछले सप्ताह सूचित किया था कि वह अब उन्हें इस भूमिका में नहीं देखना चाहते हैं और इसके बजाय उन्हें एक और कैबिनेट पद की पेशकश की थी।

ट्रूडो ने इस्तीफे पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। ट्रूडो सरकार कथित तौर पर प्रतिक्रिया में बढ़ी हुई सीमा सुरक्षा और निगरानी में निवेश करने की योजना विकसित कर रही है, लेकिन ट्रंप के सख्त रुख का दबाव भी महसूस कर रही है। फ्रीलैंड द्वारा दिए जाने वाले आर्थिक अपडेट में सरकार सोमवार को कनाडा की संसद में सीमा योजना का विवरण पेश करने वाली थी। फ्रीलैंड का भी सरकारी खर्च को लेकर ट्रूडो के साथ मतभेद था और उनके इस्तीफा देने के बाद अपडेट का विवरण सामने आया। ये अपडेट तब आए हैं, जब ट्रूडो की लिबरल पार्टी चुनाव की तैयारी कर रही है जो अगले साल अक्टूबर के अंत से पहले होना चाहिए। ट्रूडो ने कहा है कि उनकी योजना पार्टी के शीर्ष पर बने रहने की है।उदारवादियों के पास पूर्ण बहुमत नहीं है, यदि सहयोगी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी अपना समर्थन खींच लेती है तो इससे किसी भी समय एक नया चुनाव हो सकता है। इस बीच ट्रंप की जीत ने घरेलू चिंताओं को जन्म दिया है कि कनाडा वैश्विक सत्ता-विरोधी रुझानों के अधीन हो सकता है, जो लोकलुभावन पियरे पोइलिव्रे के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव पार्टी को 2015 के बाद पहली बार सत्ता में देख सकता है। लगभग एक दशक तक सत्ता में रहने के बाद सितंबर में ट्रूडो की अनुमोदन रेटिंग घटकर केवल 33 प्रतिशत रह गई।

2015 में लिबरल पार्टी की जीत के बाद से लेब्लांक कई प्रमुख कैबिनेट पदों पर काम कर चुके हैं। हाल ही में उन्होंने सरकार के सार्वजनिक सुरक्षा प्रमुख और वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री के रूप में कनाडा के अरबों डॉलर के बॉर्डर प्रोग्राम को बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। डोमिनिक लेब्लांक पिछले महीने कनाडा के प्रधानमंत्री के साथ फ्लोरिडा में भावी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने भी गए थे। इससे पता चलता है कि वह अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। वह कनाडा-अमेरिका कैबिनेट समिति का भी नेतृत्व करेंगे, जो पद पहले फ्रीलैंड सम्भाल रही थीं। इस बीच वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड के इस्तीफे के बाद देश में राजनीतिक अराजकता फैल गई है और प्रधानमंत्री ट्रूडो के नेतृत्व के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। फ्रीलैंड ने कई मुद्दों पर ट्रूडो की नीतियों का विरोध किया था। उन्होंने कहा है कि वह इसलिए इस्तीफा दे रही हैं क्योंकि प्रधानमंत्री ने उनसे दूसरा पद संभालने के लिए कहा था। गौरतलब है कि 56 साल की फ्रीलैंड देश की उप प्रधानमंत्री के रूप में भी काम कर चुकी हैं।

7.3 तीव्रता के भूकंप ने मचाई तबाही, एक की मौत

वानूआतू एजेंसी।
दुनियाभर में भूकंप की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, और वानूआतू उन देशों में से एक है, जो अक्सर भूकंप से प्रभावित रहता है। आज, मंगलवार, 17 दिसंबर को वानूआतू में एक बार फिर शक्तिशाली भूकंप आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7.3 मापी गई। यह भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 7¬17 पर पोर्ट विला से 30 किलोमीटर पश्चिम में दर्ज किया गया।

यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (स्त्रस्) के अनुसार, इस भूकंप की गहराई 57.1 किलोमीटर रही। जोरदार झटकों ने न केवल प्रभावित क्षेत्र बल्कि आसपास के इलाकों को भी हिला दिया। भूकंप के कारण वानूआतू में कई घर और इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। अमेरिकी दूतावास को नुकसान पहुंचने के बाद इसे अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। फ्रेंच दूतावास को भी भारी क्षति हुई। कुछ इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं दर्ज की गईं। अब तक एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है, और मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। भूकंप के झटके इतने शक्तिशाली थे कि कुछ देर के लिए सुनामी की चेतावनी जारी करनी पड़ी थी। हालांकि, अब सुनामी का खतरा पूरी तरह टल गया है।

पिछले कुछ सालों में दुनिया के विभिन्न हिस्सों में भूकंप की घटनाओं में वृद्धि हुई है। इनमें से कुछ विनाशकारी रहे हैं। तुर्की, सीरिया, मोरक्को, अफगानिस्तान, नेपाल, चीन, जापान और ताइवान में आए भूकंपों ने हाल के वर्षों में भारी तबाही मचाई है। हालांकि सभी भूकंप इतनी क्षति नहीं पहुंचाते, लेकिन लगातार बढ़ते मामलों ने इस मुद्दे को वैश्विक चिंता का विषय बना दिया है।

भारतीय महिला के कैफे में 1.14 लाख रुपए की एक कप चाय !

दुबई एजेंसी। दुबई के बोहो कैफे में भारतीय मूल की उद्यमी सुचेता शर्मा ने एक ऐसा कैफे शुरू किया है, जो अपनी अनोखी और महंगी चाय के लिए चर्चा में है। यहां मिलने वाली गोल्ड कड़क चाय की कीमत 5000 (लगभग 1.14 लाख रुपए) है। इस कीमत ने लोगों को हैरानी में डाल दिया है। सुचेता कहती हैं, हम ऐसे बड़े समुदाय की जरूरतों को पूरा करना चाहते हैं, जो लक्जरी के साथ कुछ नया और अनोखा अनुभव करना चाहते हैं। दुबई में इस तरह की अल्ट्रा-लक्जरी फूड आइटम्स का चलन बढ़ रहा है। बोहो कैफे इस ट्रेंड का हिस्सा बनकर दुनिया भर में सुर्खियां बटोर रहा है।

बोहो कैफे डीआईएफसी के एमिरेट्स फाइनेंशियल टावर्स में स्थित है। इस कैफे का मेन्यू सिर्फ गोल्ड चाय तक सीमित नहीं है। यहां गोल्ड स्मारिका कॉफी, गोल्ड-डस्टेड क्रोइसैन, गोल्ड ड्रिंक और गोल्ड आइसक्रीम जैसे प्रीमियम आइटम्स भी उपलब्ध हैं। इससे पहले उनकी गोल्ड आइसक्रीम भी खासी लोकप्रिय हो चुकी है। जब से गोल्ड कड़क चाय इंटरनेट पर वायरल हुई है, लोग इस पर मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा, इस चाय को पीने के लिए तो ईएमआई लेनी पड़ेगी।

भारतीयों के लिए खुशखबरी ! अब बिना वीजा कर सकेंगे रूस की यात्रा

मास्को एजेंसी।
अभी भारतीय पासपोर्ट धारक 62 देशों में बिना वीज़ा यात्रा कर सकते हैं, और अब इस सूची में रूस का नाम भी जुड़ सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2025 के वसंत तक यह सुविधा लागू हो सकती है। अगस्त 2023 से भारतीय यात्रियों के लिए रूस ने ई-वीज़ा सुविधा शुरू की थी, जो आमतौर पर चार दिनों में प्रोसेस हो जाती है। अब बिना वीज़ा यात्रा की यह नई व्यवस्था भारत और रूस के बीच पर्यटन संबंधों को और मजबूत करेगी।

रूस के आर्थिक विकास मंत्रालय के निदेशक निकिता कोंद्रात्येव ने मई में कहा था कि भारत अपने आंतरिक राज्य समन्वय के अंतिम चरण में है। जून 2023 में भारत और रूस ने वीज़ा प्रतिबंधों में ढील देने और ग्रुप टूरिस्ट एक्सचेंज को वीज़ा-मुक्त बनाने के लिए बातचीत शुरू की थी। रूस और भारत का लक्ष्य इस साल के अंत तक द्विपक्षीय समझौते को अंतिम रूप देना है। 2023 में रूस ने भारतीय यात्रियों को 9,500 ई-वीज़ा जारी किए, जो कुल ई-वीज़ा का 6त्न हिस्सा था। इसने भारत को रूस के लिए आसान यात्रा की सुविधा पाने वाले शीर्ष पांच देशों में शामिल किया। मॉस्को सिटी टूरिज्म कमेटी के चेयरमैन

एवगेनी कोज़लोव के अनुसार, 2024 की पहली छमाही में मॉस्को में 28,500 भारतीय पर्यटक पहुंचे, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 1.5 गुना ज्यादा है। 2023 में 60,000 से ज्यादा भारतीयों ने मॉस्को का दौरा किया, जो 2022 के मुकाबले 26त्न अधिक था। ज्यादातर भारतीय रूस व्यापार या काम के सिलसिले में जाते हैं। 2024 की पहली तिमाही में, भारत गैर- देशों में व्यापारिक पर्यटकों के मामले में तीसरे स्थान पर रहा। मॉस्को के अधिकारियों ने भारत को एक महत्वपूर्ण बाजार के रूप में प्राथमिकता दी है, क्योंकि दोनों देशों के बीच लंबे समय से मजबूत और भरोसेमंद संबंध रहे हैं।

अमेरिका में क्रिसमिस से पहले ईसाई स्कूल में 15 वर्षीय छात्रा ने की गोलीबारी

शिक्षक और छात्र की हत्या बाद की खुदकुशी

न्यूयार्क, एजेंसी।
अमेरिकी प्रांत विस्कॉन्सिन के स्कूल में सोमवार को 15 वर्षीय छात्रा द्वारा की गई गोलीबारी में एक शिक्षक और अन्य छात्र की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 'एबंडैंट लाइफ स्कूल में गोलीबारी करने वाली छात्रा की भी मौत हो गई है। पुलिस ने सोमवार रात संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गोलीबारी की यह घटना स्कूल के एक अध्ययन कक्ष में हुई और इसकी सूचना दूसरी कक्षा के एक विद्यार्थी ने पुलिस को दी। विस्कॉन्सिन पुलिस ने बताया कि छात्रा की पहचान नताली रूपनो के रूप में हुई है। मैडिसन पुलिस प्रमुख शॉन बार्न्स ने बताया कि गोलीबारी में छह अन्य लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि घायलों में दो छात्र भी शामिल हैं जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। स्कूल में गोलीबारी की घटना पर राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चिंता

जाहिर की। बाइडेन ने कहा कि स्कूल में बच्चों को पढ़ना-लिखना सीखना चाहिए न कि बंदूक चलाना और हिंसा करना। बाइडेन ने देश में बढ़ रही बंदूक संस्कृति को लेकर भी नाराजगी जाहिर की और कहा कि देश की संसद को इस बारे में गंभीरता से सोचने की जरूरत है।

बार्न्स ने बताया कि एक शिक्षक और तीन छात्रों को मामूली चोट आई हैं, जिनमें से दो को सोमवार शाम ही छुट्टी दे दी गई। बार्न्स ने कहा, ''इस इमारत में हर बच्चा, हर व्यक्ति पीड़ित है और शायद इस जख्म से कभी नहीं उबर पाएगा... हमें यह पता लगाने और समझने की कोशिश करनी होगी कि आखिर हुआ क्या। 'एबंडैंट लाइफ स्कूल में प्राथमिक शाखा की निदेशक बारबरा वियर्स ने कहा कि गोलीबारी की घटना के दौरान छात्रों ने ''घबराए बिना खुद को अच्छे से संभाला। पुलिस ने कहा कि जब अधिकारी घटनास्थल पहुंचे तो वहां उन्होंने हमलावर छात्रा को मृत पाया। उसने बताया संभवत- हमलावर ने खुदकुशी कर ली थी। बार्न्स ने उसके बारे में विस्तार से जानकारी देने से इनकार कर दिया। बार्न्स ने कहा कि किस मकसद से गोलीबारी की गई इस बारे में पता नहीं चल पाया है। पुलिस हमलावर छात्रा के माता-पिता से इस बारे में पता लगाने के लिए पूछताछ कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अभी इस बारे में भी जानकारी नहीं है कि गोलीबारी पहले से सुनियोजित थी या नहीं। 'एबंडैंट लाइफ एक गैर-सांप्रदायिक ईसाई स्कूल है जिसमें किंडरगार्टन से लेकर हाई स्कूल तक लगभग 400 छात्र पढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि सोमवार को मैडिसन के एक घर में तलाशी वारंट जारी किया गया था। स्कूल के किसी व्यक्ति ने पूर्वाह्न 11 बजे से कुछ समय पहले पुलिस को फोन कर हमलावर की सूचना दी थी। बार्न्स ने कहा कि पुलिसकर्मी केवल पांच किलोमीटर दूरी पर थे, जहां वे प्रशिक्षण ले रहे थे। वे शुरुआती फोन के तीन मिनट बाद स्कूल पहुंचे और तुरंत इमारत में चले गए। बार्न्स ने कहा कि जब गोलीबारी हुई, तब कक्षाएं चल रही थीं। उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया कि स्कूल में यह घटना वास्तव में कहां हुई।

घटना के बाद पुलिस ने स्कूल के आस पास की सड़कें बंद कर दीं और जांच कर रहे अधिकारियों की मदद के लिए मौके पर संघीय एजेंट उपस्थित थे। घटना में पुलिस ने कोई गोलीबारी नहीं की। एक बयान में राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस घटना का हवाला देते हुए कांग्रेस (अमेरिकी संसद) से बंदूक के संबंध में सार्वभौमिक पृष्ठभूमि की जांच, 'नेशनल रेड फ्लैग लॉ और कुछ बंदूक प्रतिबंधों को पारित करने का आह्वान किया। बाइडन ने कहा, ''कभी भी इस तरह की हिंसा को स्वीकार नहीं किया जा सकता, जो बच्चों, उनके परिवारों को आघात पहुंचाए और पूरे समुदाय को अलग-थलग कर दे। उन्होंने विस्कॉन्सिन के गवर्नर टोनी एवर्स और मैडिसन के मेयर सत्या रोड्स-कॉनवे से बात की और अपना समर्थन दिया।

नॉर्वे शतरंज में कार्लसन से होगा विश्व चैंपियन गुकेश का सामना

इस तारीख से खेला जाएगा टूर्नामेंट

स्टावेंजर (नॉर्वे), एजेंसी। 18 साल के गुकेश ने इस साल टाटा स्टील मास्टर्स जीता, शतरंज ओलंपियाड में भारत को स्वर्ण दिलाया, कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में चमके और पिछले सप्ताह सिंगापुर में विश्व वैम्पियनशिप खिताब जीता।

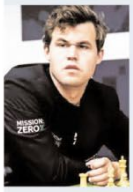

सबसे युवा विश्व वैम्पियन गुकेश डोम्माराजू का सामना अगले साल नॉर्वे शतरंज में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन से होगा। टूर्नामेंट यहां 26 मई से छह जून तक खेला जाएगा। 18 साल के गुकेश ने इस साल टाटा स्टील मास्टर्स जीता, शतरंज ओलंपियाड में भारत को स्वर्ण दिलाया, कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में चमके और पिछले सप्ताह सिंगापुर में विश्व वैम्पियनशिप खिताब जीता। गुकेश ने एक विज्ञप्ति में कहा, मैं दुनिया के सबसे मजबूत खिलाड़ियों में से एक के खिलाफ फिर नॉर्वे में भिड़ने को लेकर रोमांचित हूं। आर्मागेडॉस मजेदार होगा। गुकेश पिछले साल यहां तीसरे स्थान पर रहे थे लेकिन इस बार विश्व चैम्पियन के रूप में कार्लसन को उनके घर में चुनौती देंगे। नॉर्वे शतरंज के संस्थापक और टूर्नामेंट निदेशक जेल मेंडलैंड ने कहा, यह मुकाबला शानदार होगा। देखना दिलचस्प होगा कि विश्व चैम्पियन का सामना नंबर एक खिलाड़ी से कैसा रहता है। पूरी दुनिया की इस पर नजरें होंगी। नॉर्वे शतरंज में दुनिया के शीर्ष पुरुष और महिला खिलाड़ी छह खिलाड़ियों के दोहरे राउंड रॉबिन प्रारूप में खेलेंगे।

रोहन जेटली फिर बने अध्यक्ष, बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष की बेटी बनी उपाध्यक्ष

नईदिल्ली, एजेंसी। रोहन जेटली को दिल्ली जिला क्रिकेट संघ का एक और कार्यकाल के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्होंने डीडीसीए के विभिन्न पदों के लिए चुनावों में भारत के पूर्व खिलाड़ी कीर्ति आजाद को हराया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत अरुण जेटली के बेटे 35 वर्षीय रोहन जेटली ने शीर्ष पद की दौड़ में आजाद के 777 वोटों की तुलना में 1,577 वोट हासिल किए। कुल 2,413 वोट डाले गए और जीतने के लिए 1,207 वोटों की आवश्यकता थी।

2020 में रोहन निर्विरोध डीडीसीए अध्यक्ष चुने गए और एक साल बाद उन्होंने एडवोकेट विकास सिंह को हराया। बीसीसीआई के पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष सीके खन्ना की बेटी शिखा कुमार (1,246 वोट) ने राकेश कुमार बंसल (536) और सुधीर कुमार अग्रवाल (498) को हराकर उपाध्यक्ष पद हासिल किया।

डीडीसीए चुनाव : अन्य पदों के परिणाम

डीडीसीए के अन्य पदों के लिए चुनाव परिणाम की बात करें तो अशोक शर्मा (893) सचिव बने, जबकि हरीश सिंगला (1328) कोषाध्यक्ष पद के लिए चुने गए और अमित गोयर (1189) ने संयुक्त सचिव पद पर जीत हासिल की। ??अन्य लोगों में आनंद वर्मा (985), मंजीत सिंह (1050), नवदीप एन (1034), श्याम शर्मा (1165), तुषार सहगल (926), विकास कत्याल (1054), विक्रम कोहली (939) डायरेक्टर बने।

पीएम मोदी ने एशिया कप जीतने पर दी भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को एशिया कप जीतने पर बधाई दी है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट भी शेयर किया है।

पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को एशिया कप खिताब जीतने पर बधाई। टीम ने बहुत धैर्य और दृढ़ संकल्प दिखाया। यह सफलता हॉकी के प्रति बढ़ते जुनून को भी दर्शाती है, खासकर युवाओं में। मैं टीम को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं। इसके अलावा केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने भी टीम को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर फोटो शेयर करते हुए लिखा, चक दे इंडिया! भारतीय हॉकी टीम ने रविवार को महिला जूनियर एशिया कप के फाइनल में चीन को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। तय समय में 1-1 से बराबरी के बाद खिताबी मुकाबला शूटआउट तक गया, जिसमें गत चैंपियन टीम विजयी रही।

इस अवसर पर हॉकी इंडिया (एचआई) ने टीम को नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। एचआई ने एक्स पर लिखा, टीम इंडिया ने जूनियर महिला एशिया कप 2024 के फाइनल में चीन पर रोमांचक पेनल्टी शूटआउट जीतकर शानदार जीत हासिल की। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए हॉकी इंडिया ने प्रत्येक खिलाड़ी को 2 लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ को 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। पेनल्टी शूटआउट में साक्षी राणा, इशिका और सुनीता टोप्पो ने भारत के लिए गोल किए। गोलकीपर निधि ने लिहांग वांग, जिंगी ली और डंडन जुओ के खिलाफ तीन शानदार बचाव किए और सुनिश्चित किया कि भारत अपना खिताब बचाए।

जोश हेजलवुड के लगी चोट, भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से हो सकते हैं बाहर

ब्रिसबेन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को तीसरे टेस्ट के दौरान दाहिनी पिंडली में लगी चोट के कारण भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बाकी मैचों से बाहर रहना पड़ सकता है। चोट के कारण हेजलवुड ब्रिसबेन टेस्ट में अब आगे नहीं खेल सकेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, 'जोश हेजलवुड की दाहिनी पिंडली में खिंचाव आ गया है जिससे वह भारत के खिलाफ ब्रिसबेन टेस्ट में आगे नहीं खेल पाएंगे। उन्हें टेस्ट श्रृंखला के बाकी मैचों से बाहर रहना पड़ सकता है। 33 साल के हेजलवुड चौथे दिन एक ही ओवर डाल पाए थे जब उन्हें मैदान से जाना पड़ा। उन्होंने मैदान से बाहर जाने से पहले कप्तान पैट कमिंस, स्टीव स्मिथ और फिजियो निक जोनेस से बात की। हेजलवुड बाजू में खिंचाव के कारण एडीलेड में दूसरे टेस्ट से बाहर रहे थे। हेजलवुड की जगह तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने ली जो एडीलेड टेस्ट में आस्ट्रेलियाई एकादश में थे।

इस स्टार भारतीय क्रिकेटर से मिलना चाहती हैं डब्ल्यूपीएल की सबसे महंगी प्लेयर सिमरन शेख

नई दिल्ली, एजेंसी। अनकैप्ड बल्लेबाज सिमरन शेख ने भारत के दिग्गज विराट कोहली से मिलने की इच्छा जताई और भारतीय राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के अपने लक्ष्य को रेखांकित किया। हाल ही में महिला प्रीमियर लीग 2025 की नीलामी में गुजरात जायंट्स द्वारा 1.9 करोड़ रुपए में खरीदे जाने के बाद सिमरन सुर्खियों में आईं।

युवा बल्लेबाज ने खुलासा किया कि विराट उनके पसंदीदा खिलाड़ी हैं और उनका लक्ष्य भारत का प्रतिनिधित्व करना है, जिसके लिए वह हर संभव प्रयास कर रही हैं। सिमरन ने कहा, मेरा सपना एक बार विराट कोहली से मिलना है। मुझे बस भारत की जर्सी चाहिए और इसलिए मैं ये सब प्रयास कर रही हूं। अनकैप्ड बल्लेबाज के लिए दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात स्थित फ्रैंचाइजी बोली लगाने की होड़ में शामिल हुई। उनका बेस प्राइस 5 लाख रुपए था और जायंट्स ने उन्हें 1.9 करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि में खरीदा। टूर्नामेंट के पहले सीजन में सिमरन ने गुजरात स्थित फ्रैंचाइजी के लिए खेला और 9 मैचों में हिस्सा लिया।

सिमरन को लगता है कि फ्रैंचाइजी में योगदान देना उनकी जिम्मेदारी है और उन्होंने कहा, मैं जीजी (गुजरात जायंट्स) परिवार का शुक्रिया अदा करती हूं। इतनी बड़ी रकम मिलने के बाद अब उनके लिए प्रदर्शन करना मेरी जिम्मेदारी है। मैं अपने माता-पिता का शुक्रिया अदा करती हूं क्योंकि मेरे समुदाय में ऐसी चीजों के लिए ज्यादा समर्थन नहीं है, लेकिन उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया।

नीलामी पर बोलते हुए मुख्य कोच माइकल क्लिंगर ने कहा कि टीम की प्राथमिकता ऐसे खिलाड़ियों को हासिल करना है जो प्लेइंग 11 में प्रभाव डाल सकें और सिमरन टीम के लिए एक मूल्यवान खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, सिमरन शेख टीम के लिए एक और मूल्यवान खिलाड़ी हैं। वह बहुत ताकत लेकर आती हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी शानदार है। महिला क्रिकेट में ऐसी मुट्ठी भर खिलाड़ी ही हैं जो ऐसा कर सकती हैं। मुझे लगता है कि वह टीम में जगह बनाने के लिए भारतीय बल्लेबाजों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा पैदा करेंगी, जो कि एक टीम में आप चाहते हैं।

डब्ल्यूपीएल 2025 के लिए गुजरात जायंट्स की टीम: – एशले गार्डनर, बेथ मूनी, दयालन हेमलता, हरलीन देयोल, लौरा वोल्वार्ड्ट, शबनम शकील, तनुजा कंवर, फोएबे लिचफील्ड, मेघना सिंह, काशवी गौतम, प्रिया मिश्रा, मन्नत कश्यप, भारती फूलमाली, सयाली सतघरे, डीड्रा डॉटिन, सिमरन शेख, डेनिएल गिब्सन और प्रकाशिका नाइक।

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट:

8 टेस्ट मैच में फेल... शुभमन गिल पर आकाश चोपड़ा ने खड़ा किया बड़ा सवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। चोट के चलते पर्थ टेस्ट से बाहर रहे शुभमन गिल एडिलेड में अच्छी लय में दिखे थे। लेकिन बड़े स्कोर बनाने में नाकाम रहे। पहली पारी में 31 और दूसरी पारी में उनके बल्ले से 28 रन निकले थे। उनका यह फ्लॉप प्रदर्शन गाबा स्टार के रूप में देखा जाता है और उन्होंने खुद को साबित भी किया है। हालांकि शुभमन गिल पिछले आठ टेस्ट मैचों में एशिया के बाहर शानदार प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने एशिया के बाहर 2020-21 के ऑस्ट्रेलियाई दौरे के बाद आठ टेस्ट

में भी जारी रहा. गाबा में पहली पारी में गिल महज 1 रन बना पाए. इसके बाद भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने गिल की पोल खोल दी. उन्होंने बताया कि गिल एशिया के बाहर 16 पारियों में 40 से ज्यादा का स्कोर नहीं बना पाए हैं. गिल की नाकामी के बाद आकाश चोपड़ा ने उनकी फॉर्म को लेकर चिंता जाहिर की है. उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'हमें शुभमन गिल के बारे में बात करनी होगी. एशिया के बाहर ऐसी 16 पारियां हो गई हैं जहां आप 40 का आंकड़ा पार नहीं कर पाए हैं. आप कई बार सिंगल डिजिट या शुरुआती डबल डिजिट पर आउट हुए हैं. अगर आप टेस्ट में नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हैं और आपका स्कोर ऐसा है तो यह एक समस्या है, और इस पर भी चर्चा की जाएगी'.

8 टेस्ट में 36 है हाई स्कोर – शुभमन गिल को टीम इंडिया के फ्यूचर खेले हैं. इस दौरान उन्होंने 16 पारियों में सिर्फ 200 रन बनाए. शतक तो दूर की बात है वे हाफ सेंचुरी तक नहीं लगा पाए. उनका हाई स्कोर 36 रन है.

पिछली बार गाबा में खेली थी 91 रनों की पारी – 2021 में टीम इंडिया ने जब ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट में पहली बार गाबा मैदान पर हराया था तब जीत के हीरो शुभमन गिल भी थे. ऑस्ट्रेलिया के पहली पारी में 369 रनों के जवाब में टीम इंडिया 336 रनों पर सिमट गई थी. तब गिल ने महज 7 रन बनाए थे. लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने अपने बल्ले से टीम इंडिया की जीत की नींव रख दी थी. टीम इंडिया को जीत के लिए 328 रनों का लक्ष्य मिला था तब ऋषभ पंत ने नाबाद 89 रनों की पारी खेली थी. हालांकि पंत से पहले गिल ने 91 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया था.

न्यूजीलैंड ने 423 रन से जीता हैमिल्टन टेस्ट

रन के अंतर से इंग्लैंड पर सबसे बड़ी जीत, इंग्लिश टीम ने 2-1 से सीरीज जीती

नईदिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने हैमिल्टन टेस्ट में इंग्लैंड को 423 रन से हरा दिया है। यह कीवियों की इंग्लैंड पर रन के अंतर से सबसे बड़ी जीत है। तीसरे टेस्ट में 658 रन का टारगेट चेज कर रही इंग्लिश टीम 234 रन ही बना सकी। हालांकि, इंग्लैंड ने 3 मैचों की टेस्ट सीरीज 2-1 से जीत ली। टीम ने पहला मैच 8 विकेट और दूसरा मैच 323 रन से जीता था। सेडॉन पार्क में मैच के चौथे दिन मंगलवार को इंग्लैंड ने 18/2 के स्कोर से खेलना शुरू किया था। जैकब बिथेल ने 76 और जो रूट ने 54 रनों की पारियां खेलीं, जबकि गस एटकिंसन ने 43 रन का योगदान दिया।

न्यूजीलैंड के मिचेल सैंटनर ने पहली पारी में 76 रन बनाए और 3 विकेट लिए। उन्होंने दूसरी पारी में 49 रन बनाए और 4 विकेट लिए। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। इंग्लैंड के ऑलराउंडर हैरी ब्रूक को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

शनिवार को इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। पहली पारी में न्यूजीलैंड ने 347 और इंग्लैंड ने 143 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी 453 रन बनाए और इंग्लैंड 658 रन का टारगेट दिया।

न्यूजीलैंड की संयुक्त रूप से सबसे बड़ी जीत न्यूजीलैंड ने 423 रन से इंग्लैंड को हराया। रन के अंतर से यह टीम की संयुक्त रूप से सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले टीम ने 2018 में क्राइस्टचर्च में श्रीलंका को भी 423 रन से हराया था। इंग्लैंड के खिलाफ यह टीम की सबसे बड़ी जीत है। टिम साउदी का आखिरी टेस्ट मैच न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी का यह आखिरी टेस्ट मैच रहा। उन्होंने सीरीज शुरू होने से पहले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था। 35 साल के साउदी ने संन्यास का ऐलान करते हुए कहा था- यदि हमारी टीम डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालिफाई करती है, तो मैं उपलब्ध रहूंगा। तीसरे दिन न्यूजीलैंड दूसरी पारी में 453 पर ऑलआउट न्यूजीलैंड टीम दूसरी पारी में 453 रन पर ऑलआउट हुई। न्यूजीलैंड के स्टार बैटर केन विलियम्सन ने शतक लगाया। उन्होंने 204 बॉल पर 156 रन बनाए। उनके अलावा विल यंग और डेरिल मिचेल ने 60-60 रन बनाए। मिचेल सैंटनर ने 49 और रचिन रवींद्र ने 44 रन की पारी खेली। टॉम ब्लेडेल 44 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड के लिए जैकब बेथेल ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके। बेन स्टोक्स और शोएब बशीर ने 2-2 विकेट लिए। थ्यू पॉट्स, गस एटकिंसन और जो रूट को 1-1 विकेट मिला।

कमेंट्री करते नजर आएंगे रॉबिन उथप्पा, इस टूर्नामेंट में निभाएंगे भूमिका

जोहानिसबर्ग, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर और 2007 टी20 विश्व कप विजेता रॉबिन उथप्पा 9 जनवरी से शुरू हो रहे बेतवे एसए 20 लीग के तीसरे सत्र में कमेंट्री करेंगे। 9 जनवरी से आठ फरवरी तक चलने वाली इस टी20 लीग का सीधा प्रसारण भारत में वायकॉम 18 के चैनलों और डिजिटल प्लेटफॉर्म स्पोर्टस 18 और जियो सिनेमा पर किया जाएगा। आयोजकों द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार उथप्पा के साथ कमेंट्री टीम में महान बल्लेबाज केविन पीटरसन, शॉन पोलाक, स्टुअर्ट बॉड और क्रेस मौरिस भी होंगे। इनके अलावा आक्रामक बल्लेबाज एबी डिविलियर्स और मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर एम एमबांग्वा भी कमेंट्री टीम का हिस्सा होंगे।

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट:

बूंद-बूंद से भरा सागर...

- आकाश दीप-बुमराह ने फॉलोऑन बचाया, टीम इंडिया के सीनियर बल्लेबाजों को सीखने की जरूरत

ब्रिस्बेन, एजेंसी। ब्रिस्बेन के गाबा में भारतीय टीम को फॉलोऑन से बचाने वाले जसप्रीत बुमराह और आकाश दीप ने दिखाया कि अगर टिककर खेला जाए तो गाबा की पिच इतनी मुश्किल भी नहीं है. दोनों ने सिंगल रन जोड़े और जरूरत पड़ने पर बाउंड्री भी मारी. कुल मिलाकर इससे टीम इंडिया के सीनियर बल्लेबाज खासकर विराट कोहली और रोहित शर्मा को सीखने की जरूरत है. जो दोनों ही इस मुकाबले की पहली पारी में बेहद सस्ते में आउट हो गए. बुमराह और आकाश दीप ने बूंद-बूंद से भरता है सागर की तर्ज पर एक-एक रन जोड़ा. गाबा टेस्ट का चौथा दिन (17 दिसंबर) भारत के पुछल्ले बल्लेबाजों आकाश दीप और जसप्रीत बुमराह के नाम रहा. जिन्होंने फॉलोऑन बचा लिया. स्टम्प के समय भारतीय टीम का स्कोर 252/9 था. भारतीय टीम अभी भी ऑस्ट्रेलिया से 193 रन पीछे है. आकाश दीप (27) और जसप्रीत बुमराह (10) क्रीज पर डटे हुए हैं. दोनों ने अब तक 39 रनों की साझेदारी की है.

भारत को फॉलोऑन बचाने के लिए 246 रन बनाने की जरूरत थी, जिसे आकाश दीप ने चौका जड़कर बचा लिया. जबकि एक समय टीम इंडिया के 213 रनों पर 9 विकेट गिर गए थे. ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 445 रन बनाए थे. अब गाबा टेस्ट के पांचवें दिन का खेल 18 दिसंबर को शुरू होगा, जहां ऑस्ट्रेलिया की टीम को दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने के लिए उतरना ही होगा.

बुमराह और आकाश दीप ने जिस तरह की बल्लेबाजी की उससे उन्होंने टीम इंडिया के आउट ऑफ फॉर्म कई बल्लेबाजों को सीख दी है. दोनों ने कंगारू टीम के हर गेंदबाज का जमकर सामना किया. आकाश दीप और बुमराह ने डिफेंस से लेकर शॉट्स तक... दोनों ही चीजों का उचित सामंजस्य दिखाया. बुमराह और आकाशदीप ने सिंगल रन लेकर लगातार स्ट्राइक रोटेट की.

विराट कोहली और रोहित गाबा की पहली पारी में भी फ्लॉप – ऑस्ट्रेलिया के 445 रनों के जवाब में भारत की पहली पारी में शुरुआत बेहद खराब रही. दूसरी ही गेंद पर उसने यशस्वी जायसवाल (4 रन) का विकेट गंवा दिया. यशस्वी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की गेंद पर पिलक शॉट खेलने की कोशिश में मिचेल मार्श को कैच थमा बैठे. फिर स्टार्क ने अपने अगले ओवर में शुभमन गिल (1 रन) को भी आउट कर दिया. शुभमन गिल का कैच भी मार्श ने लपका. विराट कोहली से अच्छे खेल की आस थी, लेकिन वह जोश हेजलवुड की गेंद पर विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों लपके गए. कोहली ने 16 गेंदों का सामना करते हुए 3 रन बनाए. फिर ऋषभ पंत (9 रन) ने भी टीम का साथ छोड़ दिया. पंत पैट कमिंस की गेंद पर विकेटकीपर कैरी को कैच थमा बैठे. पंत के आउट होने के बाद बारिश आ गई।